गुरुवार, 24 जुलाई 2025

मौसम

तापमान 27 – 32
आर्द्रता 87%
सूर्योदयः 5:04 सूर्यास्तः 18:21

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, श्रावण कृष्णपक्ष अमावस्या, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : प्रकृति जल्दबाज़ी नहीं करती, फिर भी सब कुछ पूरा हो जाता है।

जायसवाल और सुदर्शन के अर्धशतक, भारत के चार विकेट पर 264 रन पृष्ठ 8

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

घरेलू हिंसा के केस में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, 2 महीने तक नहीं होगी गिरफ्तारी

नयी दिल्ली : देश की शीर्ष न्यायालय ने घरेलू हिंसा को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि घरेलू हिंसा में भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए के तहत आरोपियों को पुलिस दो महीने तक गिरफ्तार नहीं करे। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मंगलवार को इन दिशानिर्देशों को पूरे भारत में लागू करने का निर्देश दिया।

महिला आईपीएस से जुड़े मामले मे दिया फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को यह आदेश एक महिला **आईपीएस** अधिकारी से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान दिया। कोर्ट ने उस महिला अधिकारी को उससे अलग हुए पति और उसके रिश्तेदारों के उत्पीड़न के लिए अखबारों में माफीनामा प्रकाशित कर माफी मांगने का भी आदेश दिया है।

दो महीनों को बताया शांति अवधि

कोर्ट ने कहा कि जब कोई महिला अपने ससुराल वालों के खिलाफ 498ए के तहत घरेलू हिंसा या दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराए तो पुलिस वाले उसके पति या उसके रिश्तेदारों को दो महीने तक गिरफ्तार न करे। कोर्ट ने दो महीने की अवधि को शांति अवधि कहा है।

इलाहाबाद कोर्ट का फैसला बना आधार

इस मामलेमें सुप्रीम कोर्ट ने दो साल पहले दिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के दिशा-निर्देशोंको अपनाया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के 2022 के दिशानिर्देशों के मुताबिक, दो महीने की शांति अवधि पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तारी सहित कोई भी कार्रवाई करने से रोकता है। एचसी के दिशानिर्देशों के अनुसार, भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए के तहत दर्ज मामलों को पहले संबंधित जिले की परिवार कल्याण समिति को निपटारे के लिए भेजा जाना चाहिए, और इस दौरान यानी पहले के दो महीनों तक पुलिस कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगी। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा, इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा 13 जून 2022 को क्रिमिनल रिवीजन नंबर 1126/2022 के विवादित फैसले में अनुच्छेद 32 से 38 के तहत 'आईपीसी की धारा 498ए के दुरुपयोग से बचाव के लिए परिवार कल्याण समितियों के गठन' के संबंध में तैयार किए गए दिशानिर्देश प्रभावी रहेंगे और उपयुक्त अधिकारियों द्वारा लागू किए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा ?

कोर्ट ने अनुच्छेद 142 के तहत मिले शक्तियों को इस्तेमाल करते हुए यह आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि बेटी अपनी मां के पास रहेगी। वहीं कोर्ट ने पिता को विजिटेशन राइट्स दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने इस मामले का निपटारा कर दिया है। इतना ही नहीं कोर्ट ने पति और उसके परिवार को पुलिस सुरक्षा प्रदान करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने महिला अधिकारी को बिना शर्त माफी मांगने और चेतावनी देते हुए कहा कि वह अपने पद और ताकत का दुरुपयोग कर पति या उसके परिवार को किसी भी प्रकार मानसिक या शारीरिक नुकसान न पहुचाए।

मुख्यमंत्री से मुलाकात में यूनिसेफ प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य व्यवस्था को सराहा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे की यूनिसेफ प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात के दौरान खुलकर प्रशंसा की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में अंगनवाड़ी केंद्रों, एसएनसीयू और बाल स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को उत्कृष्ट बताया। नाबन्ना सूत्रों के अनुसार, यूनिसेफ प्रतिनिधियों ने विशेष रूप से यह सराहना की कि राज्य सरकार ने किस तरह से अंगनवाड़ी केंद्रों में छोटे बच्चों के लिए शिक्षा और पोषण का संतुलन बनाते हुए आधुनिक व्यवस्था तैयार की है। राज्य के अस्पतालों में नवजात और बच्चों के लिए बनाए गए आधुनिक एसएनसीयू जैसे विशेष चिकित्सा इकाइयों की भी यूनिसेफ टीम ने सराहना की। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा तैयार की गई बाल स्वास्थ्य देखभाल की बुनियादी संरचना को एक आदर्श मॉडल बताया। बुधवार की दोपहर यूनिसेफ प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के साथ लगभग 45 मिनट लंबी बैठक की, जिसमें राज्य के स्वास्थ्य, पोषण और बाल विकास संबंधी पहलों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बीरभूम दौरे पर जाएंगी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बंगालियों पर अत्याचार के खिलाफ करेंगी पदयात्रा

बीरभूम : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी आगामी 27 जुलाई को बीरभूम जिले का दौरा करेंगी। इस दौरान वे इलामबाजार में एक जनसभा को संबोधित करेंगी, जहाँ से वे जिले की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगी। इसके अगले दिन, 28 जुलाई को बोलपुर में ममता बनर्जी एक पदयात्रा का नेतृत्व करेंगी, जो बंगाली भाषा के समर्थन और बंगालियों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ विरोध स्वरूप आयोजित की जाएगी। इस पदयात्रा में ममता बनर्जी के साथ तृणमूल के वरिष्ठ नेता अनुब्रत मंडल, चंद्रनाथ सिंह, काजल शेख, आशीष बंद्योपाध्याय और अभिजीत सिंह समेत बीरभूम जिले के अन्य नेता भी शामिल होंगे। यह जानकारी बीरभूम जिला परिषद के सभापति काजल शेख ने दी है।

बुलेट ट्रेन परियोजना का काम 2029 तक पूरा होने की उम्मीदः वैष्णव

नयी दिल्ली : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि वापी और साबरमती के बीच बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के गुजरात वाले हिस्से का काम दिसंबर, 2027 तक पूरा करने की योजना है और महाराष्ट्र से साबरमती सेक्शन तक पूरी परियोजना दिसंबर, 2029 तक पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 किलोमीटर) जापान से तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ निर्माणाधीन है।

दो दिवसीय यात्रा पर लंदन पहुंचे पीएम मोदी

लंदन : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूनाइटेड किंगडम की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर लंदन पहुंच गए हैं। इस दौरान वहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। यहां 24 जुलाई यानी आज उनकी मौजूदगी में भारत व ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर होंगे। वे ब्रिटेन में बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप दिए जाने के साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी पर भी चर्चा करेंगे। इसके अलावा में ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर और किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि यह पीएम मोदी की चौथी ब्रिटेन यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी, ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर के साथ भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं पर व्यापक चर्चा करेंगे।

गुजरात एटीएस ने अलकायदा से संबद्ध आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया, चार लोग गिरफ्तार

अहमदाबाद : गुजरात के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने 'अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट' (एक्यूआईएस) से संबद्ध आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए इससे जुड़े चार लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आतंकवाद रोधी एजेंसी ने एक बयान में कहा, ''गुजरात एटीएस ने एक्यूआईएस से जुड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।'' एटीएस बाद में अभियान के बारे में और अधिक जानकारी उपलब्ध कराएगी। वर्ष 2023 में, इस आतंकी संगठन से संबंध रखने के आरोप में अहमदाबाद के विभिन्न हिस्सों से चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था।

उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद धनखड़ ने सामान पैक करना शुरू किया
पृष्ठ 7

सेंसेक्स 540 अंक चढ़ा, निफ्टी 25,200 अंक के पार
पृष्ठ 8

भारत-ब्रिटेन आज लंदन में मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे

नयी दिल्ली : भारत और ब्रिटेन बृहस्पतिवार को लंदन में एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। इससे श्रम-प्रधान उत्पादों जैसे चमड़ा, जूते और कपड़ों का रियायती दरों पर निर्यात संभव होगा, जबकि ब्रिटेन से व्हिस्की और कारों का आयात सस्ता हो जाएगा। यह समझौता दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार को 2030 तक दो-गुना करके 120 अरब डॉलर तक पहुंचाने में मदद करेगा। आधिकारिक तौर पर एक व्यापक आर्थिक और व्यापार करार कहे जाने वाले इस समझौते पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के उनके समकक्ष कीर स्टार्मर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए जाएंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और उनके ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन रेनॉल्ड्स इस समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। इसके बाद, इसे लागू होने से पहले ब्रिटिश संसद की मंज़ूरी लेनी होगी। इस प्रक्रिया में लगभग एक साल लग सकता है। मोदी बुधवार को ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। दोनों देशों ने छह मई को व्यापार समझौते के लिए वार्ता के समापन की घोषणा की। इस समझौते में वस्तुओं, सेवाओं, नवाचार, सरकारी खरीद और बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) जैसे मुद्दे शामिल हैं। दोनों देशों ने दोहरे अंशदान सम्मेलन समझौते, या सामाजिक सुरक्षा समझौते पर बातचीत भी पूरी कर ली है। इससे ब्रिटेन में सीमित अवधि के लिए काम करने वाले भारतीय पेशेवरों को सामाजिक सुरक्षा कोष में दोहरे अंशदान से बचने में मदद मिलेगी।

इस साल जनवरी से जून में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क हादसों में लगभग 27,000 लोगों की मौत: गडकरी

नयी दिल्ली : देश भर में इस वर्ष जनवरी से जून के बीच राष्ट्रीय राजमार्गों पर हुई दुर्घटनाओं में 26,770 लोगों की जान चली गई। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को राज्यसभा को एक लिखित उत्तर में यह भी बताया कि वर्ष 2024 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर 52,609 घातक दुर्घटनाएं हुईं। गडकरी ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने अत्यधिक यातायात वाले राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे जैसे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, ट्रांस-हरियाणा, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर 'एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम' (एटीएमएस) स्थापित किया है। गडकरी ने बताया ''एटीएमएस में इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन उपकरणों की व्यवस्था है, जो सड़क दुर्घटनाओं की त्वरित पहचान करने और राजमार्गों की प्रभावी निगरानी में मदद करते हैं। इससे आपात सहायता प्रतिक्रिया समय में सुधार होता है।'' एक अन्य प्रश्न के उत्तर में गडकरी ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में 1,12,561 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का सड़क सुरक्षा ऑडिट किया गया है। इसका उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जोखिमपूर्ण स्थानों की पहचान और सुधार करना है।

ऑपरेशन सिंदूर पर अगले हफ्ते संसद में बहस

पीएम मोदी के मौंजूद रहने की संभावना

■ तीसरे दिन भी संसद में जारी रहा गतिरोध

नयी दिल्ली : 21 जुलाई को शुरू हुए मानसून सत्र के दौरान सरकार और विपक्ष के बीच तीखी तनातनी चल रही है। इस बीच खबर मिली है कि सरकार अगले मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संसद में बहस के लिए तैयार है। ऑपरेशन सिंदू के तहत भारतीय सैन्य ने पाकिस्तान पर कार्रवाई थी। इस दौरान भारतीय सेना ने पड़ोसी देश में घुसकर आतंकी ढांचे को ध्वस्त कर दिया था। रिपोर्टों में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 29 जुलाई को राज्यसभा में होने वाली इस लंबी बहस में शामिल हो सकतें हैं। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के दौरान ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तार से चर्चा के लिए दोनों सदनों को क्रमशः 16 और 9 घंटे का समय आवंटित किया जा चुका है।

पीएम मोदी की मौजूदगी में चर्चा की मांग

कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर, ट्रंप के युद्धविराम के दावों और बिहार में डखठ अभियान सहित कई मुद्दों पर बहस की मांग कर रहा है। कई विपक्षी दलों ने इन मुद्दों पर संसद में कई बार स्थगन प्रस्ताव भी दिए और प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में तत्काल चर्चा कराने की मांग की।

चांदी 4,000 रुपये की छलांग के साथ 1.18 लाख रुपये के नए रिकॉर्ड पर, सोना 1,000 रुपये चमका

नयी दिल्ली : स्टॉकिस्ट के भारी खरीदारी से बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमतें 4,000 रुपये बढ़कर 1,18,000 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं जबकि सोने में 1,000 रुपये की तेजी रही। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,000 रुपये बढ़कर 1,01,020 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,00,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। बुधवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 900 रुपये बढ़कर 1,00,450 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 99,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने के साथ सोने की मांग बनी हुई है। इसका मुख्य कारण एक अगस्त की समयसीमा से पहले व्यापार समझौता होने की घटती उम्मीदें हैं।''

सतत विकास वन क्षेत्र के विस्तार से होगा, बुलडोजर के सहारे उनकी कटाई से नहीं : न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए सतत विकास की आवश्यकता बतायी, लेकिन साथ ही सलाह दी कि यह बुलडोजर की मदद से वनों की कटाई से नहीं होगा। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ तेलंगाना के कांचा गाचीबोवली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई कर रही थी। प्रधान न्यायाधीश गवई ने कहा,''मैं स्वयं सतत विकास का समर्थक हूं, लेकिन इसका अभिप्राय यह नहीं है कि आप रातोंरात 30 बुलडोजर की मदद से पूरे जंगल को साफ कर दें।'' इस मामले में न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने पीठ को बताया कि कई निजी पक्ष राज्य के हलफनामे पर जवाब देना चाहते हैं। पीठ ने इस दलील पर संज्ञान लिया और मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। शीर्ष अदालत ने 15 मई को कहा था कि हैदराबाद विश्वविद्यालय के नजदीक पेड़ों की कटाई प्रथम दृष्टया ''पूर्व नियोजित'' प्रतीत होती है। पीठ ने तेलंगाना सरकार से कहा था कि वह इसे बहाल करे अन्यथा उसके अधिकारियों को जेल हो सकती है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा था कि यह राज्य पर निर्भर है कि वह वनों को बहाल करे या अपने अधिकारियों को जेल भेजे। पीठ ने राज्य सरकार से सवाल किया कि जब अदालतें बंद थीं तब लंबे सप्ताहांत का फायदा उठाकर पेड़ों की कटाई क्यों की गई ? उच्चतम न्यायालय ने कांचा गाचीबोवली में वनों की कटाई की गतिविधियों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए तीन अप्रैल को राज्य या किसी प्राधिकारी द्वारा वहां पहले से मौजूद पेड़ों की सुरक्षा को छोड़कर, अगले आदेश तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। न्यायालय ने 16 अप्रैल को तेलंगाना सरकार को पेड़ों की कटाई में की गई जल्दबाजी को लेकर फटकार लगाई थी और निर्देश दिया था कि यदि वह चाहती है कि उसके मुख्य सचिव को ''किसी भी कठोर कार्रवाई से बचाया जाए'' तो उसे 100 एकड़ उक्त वन क्षेत्र को बहाल करने के लिए एक विशिष्ट योजना प्रस्तुत करनी होगी।

अब पूर्वी भारत में टोटल जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए ऑटोमेटिक रोबोटिक सर्जरी

पूर्वी भारत में संयुक्त प्रतिस्थापन सर्जरी के अग्र-दूत, डॉ. संतोष कुमार, बताते हैं कि एआई-सशक्त सक्रिय स्वचालित रोबोट सीयूवीआईएस सर्जनों के लिए आंखों की एक अतिरिक्त जोड़ी के रूप में कार्य करता है और सर्जरी में अधिक सटीकता प्रदान करता है और बुजुर्ग और बड़े जोखिम वाले रोगियों के लिए अधिक फायदेमंद हो सकता है।

अब तक, विभिन्न आर्थोपेडिक सर्जरी में निष्क्रिय और अर्ध-सक्रिय रोबोटों का उपयोग किया गया है। अब, प्रौद्योगिकी की उन्नति ने मनुष्य की भलाई के लिए चिकित्सा विज्ञान के साथ एक गांठ बांध ली है। इसे ध्यान में रखते हुए कोलकाता के अग्रणी ऑर्थोपेडिक सर्जन और पूर्वी भारत में प्रमुख ज्वाएंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ संतोष कुमार ने अब पूर्वी भारत में ज्वाएंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए अल-पावर्ड सक्रिय स्वचालित रोबोट पेश किया है। सीयूवीआईएस जैसे सक्रिय रोबोटों में एक सक्रिय स्वचालित रोबोटिक भुजा होती है जो पूर्व-योजना, अनुकरण, आकार और अभिविन्यास के साथ-साथ पूर्व-संचालन निर्धारण की अनुमति देती है और अंत में शून्य त्रुटि के साथ योजना के अनुसार हड्डी को तैयार करने का काम करती है। सर्जरी के सभी चरण स्वचालित रूप से ही होते रहते हैं और सर्जन रोबोट को हाथ से पकड़े हुए रिमोट से नियंत्रित करता है।
हालांकि पूरी प्रक्रिया इस सक्रिय स्वचालित रोबोट द्वारा की जाएगी लेकिन पूरी प्रक्रिया को डॉ. संतोष कुमार के नेतृत्व में कुशल आर्थोपेडिक सर्जनों की टीम द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

ADVANTAGES

- इंसान की आंखें एक मिली मीटर से करीब दो बिंदुओं में अंतर नहीं कर सकती हैं, लेकिन रोबोट एक मिलीमीटर के दसवें हिस्से तक माप का सटिक आंकलन कर सकता है। इसलिए, एक सर्जन अत्यंत सबमिली मीटर सटीकता के साथ सटीक प्रदर्शन कर सकता है।
- सर्जरी में सीयूवीआईएस का उपयोग करने की एक और खासियत अनुकूलित सरेखण भी है। यह सक्रिय रोबोट घुटने के प्रतिस्थापन में अति-उच्च परिशुद्धता के साथ हासिल किया जाता है। यह चलने की स्थिरता को पुनर्स्थापित करता है। इस प्रकार, यह एक सुरक्षित तकनीक है।
- 0% मानव त्रुटि होने की संभावना।
- सीयूवीआईएस अपने न्यूनतम इनवेसिव दृष्टिकोण, चिकनी हड्डी के कारण पोस्ट-ऑपरेटिव रिकवरी को भी तेज करता है। कटौती, प्रत्यारोपण की अनुकूलित नियुक्ति, कम खून का बहना और कम दर्द, रिकवरी में तेजी लाती है।

प्रत्यारोपण में इसकी लंबी उम्र है।

Institute of Robotic Joint Replacement Surgery (Belle Vue Clinic)

Dr Santosh Kumar is available for Consultation at Belle Vue Clinic, Loudon Street, Kolkata 17 (daily) and the office of Hip and Knee Foundation at Plot number 332, Lake Town block A, Kolkata-700 089

More information call us 9831911584/9831266632

Visit our website www.mykneemylife.org

वैवाहिक विवादों में अब होगी सबूत

संक्रमणकाल से गुजर रहे भारतीय समाज में पति-पत्नी के दरकते रिश्ते समाजविज्ञानियों के लिए चिंता का विषय हैं। आये दिन विभिन्न अदालतों में ऐसे मामलों से जुड़े विवाद मीडिया की सुर्खियां बनते रहते हैं। निस्संदेह, भारतीय समाज में पहले ऐसे मामले कम ही नजर आते थे और विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा जाता रहा है। यहां तक कि हिंदू विमर्श में तलाक शब्द का कोई सटीक पर्यायवाची भी नहीं मिलता। लेकिन इधर रिश्तों में लगातार बढ़ता अविश्वास, अलगाव व विवाद वर्तमान समय की हकीकत है। बल्कि पिछले दिनों एक न्यायाधीश को यहां तक कहना पड़ा कि वैवाहिक विवादों के बोझ से न्यायिक प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। इसी क्रम में पिछले दिनों पति-पत्नी के विवाद में गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई फोन कॉल को साक्ष्य मानने की बात सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवादों से जुड़े एक अहम फैसले में कहा है कि पति या पत्नी द्वारा गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई टेलीफोन बातचीत अब एक सबूत के तौर पर स्वीकार होगी। शीर्ष अदालत का कहना था कि इस तरह की रिकॉर्डिंग फैमिली कोर्ट में एक अहम सबूत के तौर पर स्वीकार की जा सकती है। दरअसल, इस बाबत पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए एक फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को ही रद्द कर दिया। दरअसल, पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट का इस बाबत मानना था कि किसी पक्ष की जानकारी के बिना उसकी बातचीत को रिकॉर्ड करना उसकी निजता का उल्लंघन होगा। उच्च न्यायालय का तर्क था कि इस रिकॉर्डिंग को फैमिली कोर्ट में साक्ष्य के तौर पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय का कहना था कि आमतौर पर पति-पत्नी सामान्य तौर पर या आवेश में खुलकर बात करते हैं। उन्हें इस बात का भान नहीं होता कि कहीं उनकी बात रिकॉर्ड हो रही है या उनकी बातचीत भविष्य में अदालत में साक्ष्य की तौर पर पेश की जा सकती है।

अपने तर्क के समर्थन में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने कुछ न्यायिक फैसलों का भी जिक्र किया था। खासकर आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के एक फैसले का उल्लेख किया गया था, जिसमें कहा गया था कि पति-पत्नी की सहमति के बिना बातचीत को रिकॉर्ड करना निजता का उल्लंघन है। साथ ही गैर-कानूनी भी है। इस तरह के साक्ष्य को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने उन दलीलों को अस्वीकार्य किया कि जिसमें कहा गया था कि इस तरह के साक्ष्य की अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक रिश्तों पर आंच आएगी। यह भी कि इससे समाज में पति-पत्नी की जासूसी की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही साक्ष्य अधिनियम का भी अतिक्रमण होगा। शीर्ष अदालत की पीठ का इस बाबत कहना था कि अदालत में पहुंचे रिश्ते इस बात का पर्याय हैं कि दोनों के रिश्ते सहज व सामान्य नहीं हैं। जाहिरा तौर पर रिश्तों में अविश्वास के चलते ही वैवाहिक मामले कोर्ट तक पहुंचते हैं। उल्लेखनीय है कि बठिंडा की एक परिवार अदालत ने पत्नी की क्रूरता साबित करने वाली फोन रिकॉर्डिंग को साक्ष्य के तौर पर प्रयोग करने की अनुमति दी थी। जिसे पत्नी ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसकी दलील थी कि यह रिकॉर्डिंग उसके संज्ञान में लाए बिना की गई थी। जिससे उसके निजता के मूल अधिकार का हनन होता है। जिस पर उच्च न्यायालय ने याचिका को स्वीकार किया, साथ ही फैमिली कोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया था। हाईकोर्ट का कहना था कि बातचीत एक पक्ष ने गोपनीय ढंग से रिकॉर्ड की है, अत: इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह भी कहा कि तय करना कठिन है कि ये बातचीत किन परिस्थितियों व भावनात्मक आवेश के चलते हुई थी। ऐसे में आरोपों की तार्किकता सिद्ध करना कठिन है। साथ ही बहुत संभव है कि रिकॉर्ड करने वाले पक्ष ने सतर्क होकर प्रतिक्रिया दी हो। ऐसे में उसकी प्रतिक्रिया स्वाभाविक नहीं हो सकती।

योगी की सख्ती से यूपी छोड़ रहे हैं दिग्गज ब्यूरोक्रेट्स

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में प्रशासनिक तंत्र हमेशा चर्चा में रहा है। योगी सरकार की कार्यशैली, जिसमें सख्ती और जवाबदेही पर जोर है, ने न केवल नीतिगत फैसलों को प्रभावित किया, बल्कि ब्यूरोक्रेसी के ढांचे और अधिकारियों की भूमिका को भी नया आकार दिया। पिछले कुछ वर्षों में कई दिग्गज भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को महत्वपूर्ण पदों से हटाकर कम प्रभावशाली भूमिकाओं में भेजा गया, जिसे नौकरशाही हलकों में हाशिए पर धकेलने के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ ही, सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति और लगातार प्रशासनिक फेरबदल ने यूपी की ब्यूरोक्रेसी को एक नया चेहरा दिया है।

गौरतलब हो 2022 में सत्ता हासिल करते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रशासनिक अधिकारियों पर सख्त नजर आये थे और यह सिलसिला आज तक जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली में नौकरशाहों से त्वरित परिणाम और पारदर्शिता की अपेक्षा रही है। इस कारण कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से हटाया गया। उदाहरण के लिए, 2006 बैच के आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को 2025 में भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई योगी सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त नीति का हिस्सा थी। अभिषेक प्रकाश जैसे अधिकारियों का निलंबन न केवल उनके करियर पर प्रभाव डालता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि सरकार किसी भी स्तर पर अनियमितता बर्दाश्त नहीं करेगी। इसी तरह, 2011 बैच के आईएएस अधिकारी देवेंद्र कुमार पांडेय, जो उन्नाव में जिलाधिकारी के रूप में कार्यरत थे, को वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में निलंबित किया गया। हालांकि, बाद में उनकी बहाली हुई, लेकिन इस तरह की कार्रवाइयों ने उनकी प्रशासनिक छवि को प्रभावित किया।वैसे प्रशासनिक हलकों में यह भी चर्चा छिड़ी रहती है कि योगी जी के राज में एक खास बिरादरी के अधिकारियों पर ज्यारा विश्वास जताया जा रहा है,भले ही उनकी छवि साफ सुथरी नहीं हो। वैसे ऐसे ही आरोप विपक्ष के नेताओं खास कर सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी लगाते रहे हैं कि योगी सरकार में क्षत्रियवाद बुरी तरह से हावी है।

वैसे यहां यह भी नहीं भूलना चाहिए कि यूपी की ब्यूरोक्रेसी में वरिष्ठ अधिकारियों की कमी भी एक बड़ा मुद्दा रहा है। पिछले साल एक समाचार पत्र में रिपोर्ट आई थी,जिसके अनुसार यूपी में अपर मुख्य सचिव (एसीएस) स्तर के 16 स्वीकृत पदों में से केवल 11 पर ही अधिकारी तैनात थे। इसी तरह, प्रमुख सचिव स्तर पर 36 में से 29 और सचिव स्तर पर 96 में से 58 अधिकारी ही कार्यरत थे। कुल मिलाकर, यूपी में 652 आईएएस अधिकारियों की जरूरत के मुकाबले केवल 560 अधिकारी उपलब्ध हैं। इस कमी का एक कारण यह भी माना जाता है कि कई वरिष्ठ अधिकारी केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर चले गए हैं। 1989 बैच के भुवनेश कुमार चतुर्वेदी केंद्रीय कृषि विभाग में सचिव बनकर चले गए, जबकि 1991 बैच के कामरान रिजवी और निवेदिता केंद्र में अतिरिक्त सचिव के पद पर हैं। कुछ नौकरशाही हलकों में यह चर्चा है कि योगी सरकार की सख्त कार्यशैली के कारण कई अधिकारी केंद्र की नौकरी को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे यूपी में वरिष्ठ अधिकारियों की कमी और गहरा रही है।

प्रशासनिक फेरबदल योगी सरकार की एक और विशेषता रही है। हाल के वर्षों में सैकड़ों आईएएस और पीसीएस अधिकारियों के तबादले हुए हैं। इसी वर्ष 22 पीसीएस अधिकारियों को प्रोन्नति देकर आईएएस बनाया गया, जिन्हें जल्द ही नई जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। इनमें से कुछ को जिलाधिकारी के पद पर तैनात किया जा सकता है। इसके अलावा, 2024 और 2025 में कई बड़े पैमाने पर तबादले हुए, जिनमें 5 से 15 आईएएस अधिकारियों को एक साथ बदला गया। सितंबर 2024 में प्रनत ऐश्वर्य को मुख्य विकास अधिकारी अंबेडकरनगर से विशेष सचिव नमामि गंगे और संयुक्त प्रबंध निदेशक जल निगम ग्रामीण बनाया गया। इसी तरह, उमेश प्रताप सिंह को भूतत्व खनिकर्म विभाग से पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में स्थानांतरित किया गया। इन तबादलों को सरकार की कार्यकुशलता बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जाता है, लेकिन कई बार इन्हें अधिकारियों को हाशिए पर धकेलने के रूप में भी व्याख्या की जाती है।

कई मामलों में, अधिकारियों को कम महत्वपूर्ण विभागों या पदों पर भेजा गया, जिसे नौकरशाही में डिमोशन के रूप में देखा जाता है। लखीमपुर खीरी में खेत की पैमाइश में देरी के एक पुराने मामले में 2024 में आईएएस अधिकारी घनश्याम सिंह सहित तीन पीसीएस अधिकारियों को निलंबित किया गया। हालांकि, घनश्याम सिंह को बाद में बहाल कर लिया गया, लेकिन इस तरह की कार्रवाइयां अधिकारियों की छवि और प्रभाव को कम करती हैं। इसी तरह, 2015 बैच के कुछ अधिकारियों को जिलाधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पदों की रेस में शामिल होने के बावजूद कम प्रभावशाली भूमिकाओं में रखा गया। सूत्रों के अनुसार, प्रणय सिंह, अमनदीप डुली और आलोक यादव जैसे अधिकारियों को जल्द ही जिलाधिकारी बनाया जा सकता है, लेकिन अभी तक उनकी तैनाती अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण पदों पर ही रही है।

योगी सरकार की नीतियों ने ब्यूरोक्रेसी में जवाबदेही को बढ़ावा दिया है, लेकिन इस प्रक्रिया में कई दिग्गज अधिकारियों को हाशिए पर जाने का सामना करना पड़ा है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाइयां, जैसे 11 आईएएस अधिकारियों का निलंबन, और लगातार तबादले, ने नौकरशाही में एक तरह का दबाव बनाया है। कुछ अधिकारी इसे सरकार की सख्ती के रूप में देखते हैं, जबकि कुछ इसे प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त करने की रणनीति मानते हैं। इसके बावजूद, यह स्पष्ट है कि योगी सरकार की प्राथमिकता कार्यकुशलता और पारदर्शिता है, जिसके लिए वह किसी भी स्तर पर समझौता करने को तैयार नहीं है।

दूसरी ओर, सरकार की योजनाओं को लागू करने में ब्यूरोक्रेसी की भूमिका अहम रही है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, गेहूं की न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, और मुफ्त बस सेवा जैसी पहलें नौकरशाही के सहयोग से ही संभव हुई हैं। लेकिन इन योजनाओं को लागू करने में विफलता या देरी ने कई अधिकारियों को सरकार की नाराजगी का सामना करना पड़ा। कुंभ मेला 2025 की तैयारियों के लिए विजय किरन आनंद जैसे अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गईं, जबकि कुछ अन्य को कम प्रभावशाली भूमिकाओं में रखा गया।बहरहाल, यूपी की ब्यूरोक्रेसी में बदलाव का यह दौर न केवल प्रशासनिक ढांचे को प्रभावित कर रहा है, बल्कि अधिकारियों के करियर पथ को भी नया आकार दे रहा है। योगी सरकार की सख्ती और लगातार फेरबदल ने कई दिग्गज आईएएस अधिकारियों को हाशिए पर धकेल दिया है, लेकिन यह भी सच है कि इस प्रक्रिया ने नए और ऊर्जावान अधिकारियों को मौका दिया है। कुल मिलाकर, यूपी की ब्यूरोक्रेसी एक परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, जहां जवाबदेही और परिणाम सरकार की प्राथमिकता बने हुए हैं। -वरिष्ठ पत्रकार

यूपी/बिहार

बिहार विधानसभा में विपक्ष के बहिर्गमन के बीच कई विधेयक पारित

एसआईआर को लेकर बिहार विधानसभा में तेजस्वी और नीतीश के बीच तीखी बहस

पटना : बिहार विधानसभा में बुधवार को कई विधेयकों को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया, जबकि विपक्ष ने संशोधन पेश करने के बावजूद सदन से बहिर्गमन कर दिया। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बिहार कृषि विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक-2025 पेश किया, जिसका मकसद भागलपुर के सबौर स्थित विश्वविद्यालय में सभी संकाय सदस्यों की भर्ती बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के माध्यम से सुनिश्चित करना है। कृषि विभाग का भी प्रभार संभाल रहे सिन्हा ने कहा, इससे विश्वविद्यालय की भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और शोध कार्यों की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा। सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह ने विधानसभा में बिहार दुकान स्थापना (रोजगार विनियमन एवं सेवा शर्त) विधेयक, 2025 पेश किया, जिसका उद्देश्य दुकानों और

वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में काम करने वाले कर्मचारियों को लाभ पहुंचाना है। विधेयक के पारित होने के बाद सिंह ने संवाददाताओं से कहा, यह विधेयक साप्ताहिक सवेतन अवकाश को अनिवार्य करता है और इसमें प्रति वर्ष सात दिनों का सवैतनिक बीमारी अवकाश (सिक लीव) की अनुमति दी गई है। श्रमिकों से प्रतिदिन नौ घंटे या सप्ताह में 48 घंटे से अधिक काम नहीं लिया जा सकता। अब दस या अधिक श्रमिकों को रोजगार देने वाली दुकानों और प्रतिष्ठानों के लिए पंजीकरण आवश्यक होगा, जबकि दस से कम कर्मचारियों वाली दुकानों और प्रतिष्ठानों को इससे छूट दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि पंजीकरण मानदंडों के अंतर्गत आने वाले व्यवसायों को नये नियमों के लागू होने के छह महीने के भीतर यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी। विधानसभा ने राज्य में जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए भी एक विधेयक पारित किया। यह विश्वविद्यालय युवाओं को स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इसके अलावा, विधानसभा ने बिहार प्लेटफॉर्म-आधारित गिग श्रमिक (पंजीकरण, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण) विधेयक, 2025 को स्वीकृति दी।इस विधेयक के तहत, राज्य सरकार सभी अंशकालिक प्लेटफॉर्म-आधारित गिग श्रमिकों को पंजीकृत करेगी और बीमा कवरेज सहित सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करेगी। श्रम संसाधन मंत्री ने कहा, ड्यूटी के दौरान दुर्घटनावश मौत होने पर श्रमिक के परिवार को चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। दुर्घटना के कारण अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में, एक सप्ताह से अधिक समय तक रहने पर 16,000 रुपये और इससे कम अवधि के लिए 5,400 रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मानसरोवर मंदिर में किया रुद्राभिषेक

सपा की नजर में संविधान का कोई सम्मान नहीं : उपमुख्यमंत्री

गोरखपुर : उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध काम करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि विपक्षी दल को संविधान की कोई परवाह नहीं है। पाठक ने संसद के पास स्थित एक मस्जिद में सपा सांसदों की बैठक पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे 'तुष्टीकरण की राजनीति' बताया और कहा, ''समाजवादी पार्टी का संविधान से कोई लेना-देना नहीं है। सपा नेता बार-बार जनता के सामने नमाजवादी बनकर सांप्रदायिक राजनीति करते हैं।'' उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''सपा वही पार्टी है जिसने अयोध्या में निहत्थे राम भक्तों पर गोलियां चलवाईं और सरयू (नदी) को खून से लाल कर दिया। उन्होंने सनातन संस्कृति की जड़ों को लगातार चोट पहुंचाने की कोशिश की है मगर सफल नहीं हो सके।'' पाठक ने दावा किया कि राज्य की जनता ऐसी राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने सपा के सत्ता में लौटने की संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ''सपा तुष्टीकरण के चाहे कितने भी हथकंडे अपना ले मगर सत्ता में उसकी वापसी असंभव है। जैसा कि हम हमेशा कहते आए हैं कि जो भगवान राम के साथ खड़ा नहीं हो सकता, वह भगवान कृष्ण के साथ भी नहीं खड़ा हो सकता और अगर कृष्ण के साथ नहीं है तो वह यदुवंशी कैसे हो सकता है?'' मुस्लिम समुदाय के प्रति सपा के रुख के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए भाजपा नेता ने कहा कि यह सपा की लंबे समय से चली आ रही तुष्टिकरण की रणनीति का हिस्सा है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 24 जुलाई, गुरुवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, श्रावण कृष्णपक्ष अमावस्या, 24:43 तक, नक्षत्र : पुनर्वसु, 16:44 तक, योग : हरषाना, 09:48 तक, सूर्योदय: 4:56, सूर्यास्त: 18:11, चन्द्रोदय : 04:12, चन्द्रास्त: 18:14, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : कर्क, चन्द्र राशि : मिथुन, राहू काल : 13:21 से 15:00

राशिफल

मेष : आज का दिन आत्मविश्वास और साहस से भरपूर रहेगा। कार्यस्थल पर आपके निर्णयों की सराहना होगी और आपकी नेतृत्व क्षमता चमकेगी।

वृष :वृषभ राशि वालों के लिए आज का दिन व्यस्त लेकिन लाभकारी रहेगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। किसी पुरानी परियोजना से लाभ मिलने के योग हैं।

मिथुन : मिथुन राशि के जातकों के लिए यह दिन मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण रह सकता है। कई विचार एक साथ दिमाग में दौड़ते रहेंगे, जिससे निर्णय लेने में असमंजस की स्थिति हो सकती है।

कर्क : आज का दिन आपको आत्मनिरीक्षण का अवसर देगा। पुराने फैसलों का मूल्यांकन कर सकते हैं और जीवन को नई दिशा देने की सोच सकते हैं।

सिंह : सिंह राशि वालों के लिए यह दिन कुछ बड़े फैसले लेने के लिए अनुकूल रहेगा। आपके आत्मविश्वास और प्रभाव से लोग प्रभावित होंगे।

कन्या : कन्या राशि के जातकों को आज छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना चाहिए। कार्यस्थल पर किसी सहकर्मी से मतभेद हो सकते हैं, लेकिन धैर्य से आप सब कुछ संभाल लेंगे।

तुला : तुला राशि के लिए आज का दिन संतुलन साधने का है। पारिवारिक और व्यावसायिक जिम्मेदारियों के बीच तालमेल बैठाना आवश्यक होगा। भाग्य का साथ मिलेगा लेकिन आलस्य न करें।

वृश्चिक : आज का दिन गहराई से सोचने और भावनाओं को समझने का है। आप जीवन के गंभीर मुद्दों को लेकर चिंतन करेंगे। करियर में नए प्रस्ताव मिल सकते हैं।

धनु : धनु राशि के जातकों के लिए यह दिन भाग्यवर्धक रहेगा। किसी पुरानी योजना में आज सफलता मिलने की प्रबल संभावना है। व्यापार में लाभ और विदेश से संबंधित मामलों में प्रगति होगी।

मकर : मकर राशि वालों के लिए आज का दिन कार्यक्षेत्र में चुनौतीपूर्ण लेकिन फलदायी रहेगा। आपके नेतृत्व की सराहना होगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

कुम्भ : कुम्भ राशि के जातकों के लिए यह दिन रचनात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। आप नए विचारों के साथ आगे बढ़ेंगे और दूसरों को भी प्रेरित करेंगे।

मीन : मीन राशि वालों के लिए आज का दिन आत्मविश्लेषण और भावनात्मक संतुलन का है। आप जीवन के गहरे सवालों पर विचार कर सकते हैं।

स्कूल जा रहे छह साल के छात्र को कार ने कुचला, मौत

बलिया (उप्र) : बलिया जिले में भीमपुरा क्षेत्र के हनुमान चट्टी में बुधवार सुबह स्कूल जा रहे छह वर्षीय छात्र को बेकाबू कार ने कुचल दिया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिला मुख्यालय से तकरीबन 75 किलोमीटर दूर नगरा-मझवारा मार्ग पर स्कूल जा रहे ओम विश्वकर्मा को एक अनियंत्रित कार कुचलकर बिजली के खम्भे से जा टकरायी। उन्होंने बताया कि इस घटना में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे वाराणसी ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि ओम के पिता शैलेष विश्वकर्मा उसे मोटरसाइकिल से स्कूल छोड़ने गये थे।

क्या सरकार किसी अधिकारी को बांके बिहारी मंदिर का ट्रस्टी बना सकती है : इलाहाबाद उच्च न्यायालय

प्रयागराज : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार से पूछा है कि क्या वह उत्तर प्रदेश बांके बिहारी जी मंदिर न्यास अध्यादेश, 2025 जारी कर अपने अधिकारियों को बांके बिहारी जी मंदिर का ट्रस्टी नियुक्त कर सकती है, जबकि बांके बिहारी जी का मंदिर एक निजी मंदिर है। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने प्रणव गोस्वामी और अन्य द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान न्याय मित्र संजीव गोस्वामी का पक्ष सुनने के बाद सुनवाई की अगली तिथि 30 जुलाई निर्धारित की। न्याय मित्र के मुताबिक, यह मंदिर एक

निजी मंदिर है और यहां ब्रह्मलीन स्वामी हरि दास जी महाराज के वंशजों द्वारा धार्मिक अनुष्ठान किया जा रहा है। यह अध्यादेश जारी कर सरकार पिछले दरवाजे से मंदिर पर नियंत्रण का प्रयास कर रही है। न्याय मित्र ने अदालत को अवगत कराया कि अध्यादेश के मुताबिक, इस बोर्ड में दो तरह के ट्रस्टी होंगे जिसमें एक नामित ट्रस्टी और दूसरे पदेन ट्रस्टी। नामित ट्रस्टी में वैष्णव परंपरा से संत, महात्मा, गुरु, विद्वान, मठाधीश और महंत आदि और सनातन धर्म मानने वाले लोग होंगे। हालांकि, उन्होंने पदेन ट्रस्टियों को लेकर घोर आपत्ति की जिनकी संख्या सात है और इनमें मथुरा के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त आदि जैसे अधिकारी होंगे। यह राज्य सरकार द्वारा इस निजी मंदिर में पिछले दरवाजे से प्रवेश के समान है।

वर्ग पहेली नं. 3162

1		2		3	■	4		5	6
	■		■		■		■	7	
8	9		■	10	11		■	12	
■		■	13	■		■	14	■	
15				■	16	17		18	■
■		■	19	20	■		■	21	
22		23	■	24	25		■		■
■	■	26	27			■	28		■
29				■	30		■	31	

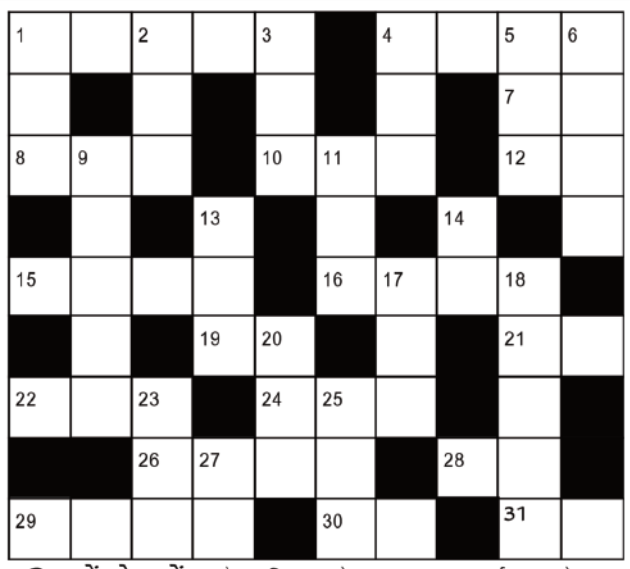

ऊपर से नीचे:- 1) सहारा, 2) बौद्ध भिक्षु, 3) एक भाषा, 4) अन्य, 5) लौटा हुआ, 6) जनाना ढीला पाजामा, 9) उत्तरदायी, 11) काफ़ी; ज़्यादा, 13) यौवन, 14) इक्का दुक्का, 17) झमेला, 18) ज़ोर- ज़ोर से लगातार अंड-बंड बकना, 20) दीया, 23) एक पालतू पशु, 25) लालसा, 27) दुर्व्यसन.

(उत्तर: अगले अंक में)

बायें से दायें:- 1) आतिथ्य, 4) राजदूत का कार्यालय, 7) क्षण, 8) चाँदी, 10) झूठा, 12) एक अधिक चौथाई, 15) रोब, 16) द्रव पदार्थ का नीचे बैठनेवाला मैल, 19) बुराई, 21) डोरी, 22) सौ करोड़, 24) तराजू का पल्ला, 26) जलप्रवाह का मृदु ध्वनि, 28) रोग का आक्रमण, 29) भारत का एक घटक राज्य, 30) अनेक, 31) संबंध के बहाने.

पिछली पहेली का उत्तर

प	सं	द	■	■	ज़	बा	न	बं	द
रि	■	म	स	ल	न	■	क़ा	■	स्तू
णा	■	■	मो	■	न	सी	ब	व	र
म	द	र	सा	■	ख़ा	■	■	ह	■
■	र्द	■	■	आ	ना	का	नी	■	इ
अ	ना	था	ल	य	■	म	र	म्म	त
प	क	■	ट	■	अ	ना	ज	■	रा
हि	■	डं	का	■	जी	■	■	आ	ह
ज	हाँ	■	ना	या	ब	■	वि	रा	ट

सुडोकू-पहेली-3119

		4	6				8	3
	3						9	
5	7	8				2		
				3		1		8
					6			
			4	1				
	1	2		7		5		
	5				8	3		
7				6	1			

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3118 का उत्तर

3	2	4	9	1	8	6	7	5
6	8	1	7	5	2	9	4	3
9	7	5	6	4	3	8	1	2
2	9	3	1	6	5	4	8	7
1	6	7	2	8	4	5	3	9
4	5	8	3	7	9	1	2	6
5	3	6	4	2	1	7	9	8
8	1	9	5	3	7	2	6	4
7	4	2	8	9	6	3	5	1

हाई कोर्ट ने ओडिशा सरकार से प्रवासी श्रमिकों को हिरासत में लेने के दावे पर मांगा हलफनामा

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को ओडिशा सरकार को निर्देश दिया कि वह बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं में उन दलीलों के विरोध में हलफनामा दाखिल करे जिनमें कहा गया है कि पश्चिम बंगाल के दो बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों को पड़ोसी राज्य में अवैध रूप से हिरासत में रखा गया है। ओडिशा सरकार ने अदालत के समक्ष इस दलील का पुरज़ोर खंडन किया कि उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लिया गया था। अदालत को बताया गया कि जिन दो प्रवासी मज़दूरों – सैनूर इस्लाम और रकीबुल इस्लाम के खिलाफ बंदी

प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की गई थी, वे पहले ही अपने घरों को लौट चुके हैं। याचिकाकर्ताओं के वकील ने आरोप लगाया कि दोनों को ओडिशा में अवैध रूप से हिरासत में रखा गया था और वे मुआवजे के हकदार हैं। ओडिशा के महाधिवक्ता ने इस दलील का खंडन किया। न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती की अध्यक्षता वाली पीठ ने ओडिशा सरकार को याचिकाकर्ताओं की दलीलों के विरोध में 20 अगस्त तक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ताओं को 27 अगस्त तक हलफनामे में ओडिशा सरकार की दलीलों पर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया। अब मामले की सुनवाई 29 अगस्त को होगी।

ओडिशा के महाधिवक्ता पीतांबर आचार्य ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश होकर दलील दी कि जिन लोगों के खिलाफ बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं दायर की गई थीं, उनकी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। उन्होंने अदालत के समक्ष कहा कि विदेशी अधिनियम में निहित कानून नागरिक प्राधिकारियों को उन संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध में कुछ कार्रवाई करने का अधिकार देता है जिनकी नागरिकता संदेह में है। उन्होंने कहा कि कोई गिरफ़्तारी नहीं हुई और यह क़ानून के अनुसार दस्तावेज़ों का वैध सत्यापन था, और दावा किया कि यह एक महत्वहीन याचिका है। आचार्य ने कहा कि ओडिशा सरकार ने इस मामले पर अदालत के समक्ष पहले ही एक वस्तु स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।

खंडपीठ ने 10 जुलाई को ओडिशा सरकार को निर्देश दिया था कि वह इस बारे में प्रासंगिक दस्तावेज पेश करे कि क्या दोनों को हिरासत में लिया गया था या वे लापता हैं। ओडिशा सरकार को यह जवाब देने का निर्देश दिया गया कि यदि उन्हें हिरासत में लिया गया तो क्या यह हिरासत किसी अदालत के आदेश के संबंध में थी तथा इसके पीछे क्या आधार थे। ओडिशा सरकार से यह भी पूछा गया कि क्या पश्चिम बंगाल और ओडिशा सरकारों के बीच कोई पत्राचार हुआ?

अर्थशास्त्री अमित मित्रा ने बेरोजगारी पर केंद्र के आंकड़ों को बताया 'भ्रामक'

कोलकाता, समाज्ञा : अर्थशास्त्री और राज्य के पूर्व वित्त मंत्री अमित मित्रा ने बुधवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के बेरोजगारी के आधिकारिक आंकड़े भारत में वास्तविक बेरोजगारी को काफी कम करके दिखाते हैं। मुख्यमंत्री के प्रधान मुख्य सलाहकार मित्रा ने दावा किया कि केंद्र सरकार के आंकड़े – विशेष रूप से आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) – वर्ष 2023–24 के लिए बेरोजगारी को 4.9 प्रतिशत तक कम बताकर देशवासियों को गुमराह कर रहे हैं। अर्थशास्त्री ने एक विदेशी एजेंसी (रॉयटर्स) द्वारा हाल में किए गए सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि 70 प्रतिशत प्रमुख वैश्विक

अर्थशास्त्रियों ने भारत के बेरोजगारी के आधिकारिक आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया है और दावा किया है कि ये आंकड़े बेरोजगारी संकट की वास्तविक गंभीरता को छिपा रहे हैं। मित्रा ने 'एक्स' पर लिखा कि यह चौंकाने वाला है कि मोदी सरकार का बेरोजगारी पर सर्वेक्षण (पीएलएफएस) नागरिकों को यह विश्वास दिलाने में गुमराह कर रहा है कि भारत में बेरोजगारी चार प्रतिशत या उसके आसपास है। हाल में 'रॉयटर्स' द्वारा किए गए सर्वेक्षण में दुनिया के 70 प्रतिशत प्रमुख अर्थशास्त्रियों का मानना है कि भारत सरकार का आधिकारिक बेरोजगारी डेटा न केवल गलत है, बल्कि देश में बेरोजगारी की गंभीरता को चतुराई से 'छिपाता' है। उन्होंने पीएलएफएस मानदंडों का उल्लेख करते हुए कहा कि अवैतनिक पारिवारिक श्रम या प्रति सप्ताह केवल एक घंटे की आर्थिक गतिविधि में संलग्न होना भी किसी व्यक्ति को 'रोजगार' के रूप में योग्य बनाता है, जिससे बड़ी संख्या में लोग बेरोजगारी की सूची से बाहर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के 4.9 प्रतिशत बेरोजगारी अनुमान के विपरीत, सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) ने यह दर 8.05 प्रतिशत बताई है, जो लगभग दोगुनी है। मित्रा के अनुसार, सीएमआईई के आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि बेरोजगार भारतीयों की कुल संख्या करीब चार करोड़ से अधिक है और यह आंकड़ा स्पेन की पूरी जनसंख्या के बराबर है। मित्रा ने यह भी कहा कि अधिक चिंता की बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार भारत के 83 प्रतिशत बेरोजगार युवा हैं, जो रोजगार में पीढ़ीगत संकट को रेखांकित करता है। उन्होंने केंद्र सरकार से बढ़ते विश्वास की कमी को दूर करने का आह्वान करते हुए कहा कि सच्चाई को छिपाया नहीं जाना चाहिए।

कसबा सामूहिक दुष्कर्म : मुख्य आरोपित मनोजीत मिश्रा पर दो और मुकदमे, अब तक 12 मामले दर्ज

चारों आरोपियों को 5 अगस्त तक जेल हिरासत का आदेश

कोलकाता, समाज्ञा : कसबा स्थित लॉ कॉलेज में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म मामले के मुख्य आरोपित मनोजीत मिश्रा के खिलाफ दो और आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। अब तक उसके खिलाफ कुल 12 मामले दर्ज हो चुके हैं, जिनमें मारपीट, छेड़छाड़ और हिंसा के आरोप शामिल हैं। पुलिस ने उसे मंगलवार को इन दो मामलों में भी गिरफ्तार किया। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मनोजीत के खिलाफ गेट पैटर्न तकनीक से जांच भी पूरी करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। विशेष सरकारी वकील विभास चटर्जी ने कहा कि यदि पुलिस ने 2023 से अब तक दर्ज 12 मामलों में समय रहते कार्रवाई की होती, तो आज लॉ कॉलेज में इतनी गंभीर घटना नहीं घटती। अदालत ने भी सवाल उठाया है कि इतने मामलों के बावजूद आरोपित के खिलाफ अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। कसबा थाने में दर्ज इन दो नए मामलों में से एक 2023 में मारपीट और छेड़छाड़ का है, जबकि दूसरा 2024 में हुई हिंसक झड़प से जुड़ा है। हालांकि, इन दोनों मामलों में पहले ही पुलिस चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, इसलिए अदालत से मनोजीत को इन मामलों में जमानत मिल गई। आरोपित के वकील राजू गांगुली ने दावा किया कि मनोजीत राजनीतिक साजिश का शिकार हुआ है।

❑ **गेट पैटर्न टेस्ट के जरिए पहचान की तैयारी**

इस मामले में पुलिस अब आरोपितों की पहचान के लिए 'गेट पैटर्न टेस्ट' कराने जा रही है। साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज में लगे सीसीटीवी फुटेज में जो लोग नजर आए हैं, उनकी चाल-ढाल की तुलना आरोपितों की मौजूदा गेट से की जाएगी। सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि बुधवार को यह टेस्ट कराया जाएगा, जिससे आरोपितों की पहचान की पुष्टि की जा सके। मनोजीत मिश्रा, कॉलेज के दो छात्र जायेब अहमद और प्रमित मुखर्जी जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं।

ममता ने बंगाली साहित्यकार ताराशंकर बंद्योपाध्याय की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महान साहित्यकार ताराशंकर बंद्योपाध्याय को उनकी जयंती पर बुधवार को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि साहित्य में उनके योगदान के लिए बांग्ला भाषी लोग उन्हें हमेशा याद रखेंगे। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि महान साहित्यकार ताराशंकर बंद्योपाध्याय की जयंती पर मैं बांग्ला भाषा और साहित्य में उनके योगदान के लिए उन्हें श्रद्धांजलि देती हूं। 'गणदेवता', 'पंचग्राम', 'धात्रीदेवता', 'हंसुली बांकेर उपकथा' और 'कबी' जैसे उनके उपन्यास बांग्ला साहित्य की अमर रचनाएं हैं। उन्होंने बताया कि बंद्योपाध्याय की स्मृति में लाभपुर और मयूरेश्वर दो ब्लॉक

के बीच मयूराक्षी नदी पर बने गुनुटिया पुल का नाम 'ताराशंकर सेतु' रखा गया है। इसके अतिरिक्त, पश्चिम बंगाल बांग्ला अकादमी ने ताराशंकर बंद्योपाध्याय की आत्मकथा 'अमर साहित्य जीवन' का पुनर्प्रकाशन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ताराशंकर बंद्योपाध्याय के बांग्ला साहित्य में योगदान के लिए बांग्ला भाषी उन्हें सदैव याद रखेंगे।

'कालीघाट के काकू' को हाईकोर्ट से राहत, 31 अगस्त तक अंतरिम जमानत बढ़ी

■ थाना क्षेत्र में घूमने की अनुमति नहीं

कोलकाता : 'कालीघाट के काकू' के नाम से चर्चित सुजॉयकृष्ण भद्र की अंतरिम जमानत की अवधि को कोलकाता हाईकोर्ट ने बढ़ाकर 31 अगस्त तक कर दिया है। हालांकि, अदालत ने उनके द्वारा किए गए अपने थाना क्षेत्र में घूमने की अनुमति के अनुरोध को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष की एकल पीठ ने सुनवाई के दौरान तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा, क्या आप खुली हवा में बाहर जाना चाहते हैं? आप तो जेल में नहीं हैं।

सुजॉयकृष्ण भद्र के वकील मिलन मुखोपाध्याय ने दलील दी कि पिछले 5 महीनों में सीबीआई ने उनसे एक बार भी पूछताछ नहीं की है, इसलिए जमानत की शर्तों को शिथिल कर के बहीला स्थित घर से पीएमएलए अदालत तक आने-जाने की छूट दी जाए। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि चूंकि राज्य में केवल एक ही पीएमएलए अदालत है, इसलिए अदालत में जाने की अनुमति देना जरूरी है। सीबीआई की ओर से अधिवक्ता धीरज त्रिवेदी ने इस मांग का विरोध किया और कहा कि आरोपी ने पहले खुद को शारीरिक रूप से अस्वस्थ बताया था।

भद्र के वकील ने कम से कम रिश्तेदारों से मिलने की अनुमति की मांग की, जिस पर अदालत ने कहा, रिश्तेदार कोई भी हो सकते हैं। अभी के लिए सिर्फ अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाई जा रही है।

उल्लेखनीय है कि सुजॉयकृष्ण भद्र ने पहले कई बार बीमार होने का हवाला देते हुए जमानत की गुहार लगाई थी, जिसे जांच एजेंसियों की आपत्तियों के चलते बार-बार खारिज कर दिया गया था। अंततः इस वर्ष फरवरी में कोलकाता हाईकोर्ट ने उन्हें सशर्त अंतरिम जमानत दी थी, जिसमें यह शर्त भी शामिल थी कि वे अपने थाना क्षेत्र से बाहर नहीं जा सकेंगे।

मार्च में उन्होंने फिर से जमानत अवधि बढ़ाने की याचिका दायर की थी, जिसे उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अदालत ने स्वीकार कर लिया था। अब 31 अगस्त तक उन्हें अंतरिम जमानत पर रिहा रहने की अनुमति मिल गई है।

बंगाल के दक्षिणी हिस्से में भारी बारिश की संभावना : आईएमडी

कोलकाता, समाज्ञा : भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बंगाल की खाड़ी के उत्तर में बुधवार को कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना के कारण 24 से 28 जुलाई तक राज्य के दक्षिणी हिस्से में भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। आईएमडी ने कहा है कि 25 से 28 जुलाई के बीच कुछ उप-हिमालयी जिलों में भी भारी बारिश होने की संभावना है। उत्तर एवं दक्षिण 24 परगना, पूर्व एवं पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, बांकुड़ और पुरुलिया सहित कई जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान पश्चिम बंगाल के दक्षिणी हिस्से के अन्य जिलों में भी कुछ स्थानों पर भारी

बारिश हो सकती है। विभाग ने बताया कि 25 जुलाई यानी शुक्रवार को कोलकाता में भारी बारिश होने की संभावना है। उसने मछुआरों को बंगाल की खाड़ी के उत्तर एवं मध्य भाग तथा पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटों के पास समुद्र में न जाने की सलाह देते हुए कहा कि 24 से 27 जुलाई तक इन क्षेत्रों में 55 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

कोलकाता के 127 साल पुराने रॉक्सी सिनेमा का होगा जीर्णोद्धार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता नगर निगम (केएमसी) और क्रेडाई कोलकाता ने न्यू मार्केट के पास स्थित 127 साल पुराने रॉक्सी सिनेमा के जीर्णोद्धार के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एकल पर्दे वाले रॉक्सी सिनेमा की स्थापना 1908 में एक ओपेरा हाउस के रूप में की गई थी। 1941 में इसे एक सिनेमाघर का रूप दे दिया गया। अतीत में केएमसी ने दो अन्य सिनेमाघरों-स्टार और मिनर्वा-का भी जीर्णोद्धार किया था। एमओयू के मुताबिक, कोलकाता और आसपास के जिलों की रियल एस्टेट कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले क्रेडाई कोलकाता ने रॉक्सी सिनेमा के जीर्णोद्धार के लिए पांच करोड़ रुपये देने का वादा किया है। क्रेडाई कोलकाता मुख्य रूप से शहर में स्थित एक वास्तुकला फर्म के माध्यम से आर्ट डेको शैली की

इमारत के आंतरिक जीर्णोद्धार के लिए धन मुहैया कराएगा, जबकि केएमसी बाहरी सिविल कार्य की देखरेख करेगा और अपनी हेरिटेज समिति के मार्गदर्शन में जीर्णोद्धार कार्य की निगरानी करेगा। कोलकाता के महापौर फिरहाद हकीम ने रॉक्सी सिनेमा के जीर्णोद्धार के प्रयास को शहर की विरासत को बहाल करने की एक महान पहल बताया। उन्होंने इस पहल में क्रेडाई की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। क्रेडाई कोलकाता के अध्यक्ष सिद्धार्थ पंसारी ने कहा कि संगठन न केवल नये विकास के लिए, बल्कि शहर की वास्तुशिल्प विरासत के संरक्षण के लिए भी प्रतिबद्ध है। रॉक्सी सिनेमा का जीर्णोद्धार कार्य जल्द शुरू होने की संभावना है।

134वें डूरंड कप का आगाज: सीएम ममता बनर्जी ने किया उद्घाटन, इस अवसर पर खेल मंत्री अरूप बिश्वास, खेल राज्य मंत्री मनोज तिवारी, मंत्री सुजीत बोस और सेना की पूर्वी कमान के उच्च अधिकारी मौजूद रहे

नवद्वीप में युवक का रक्तरंजित शव घर के पास मिला, जांच में जुटी पुलिस

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिला के नवद्वीप थाना इलाके में बुधवार को एक युवक का रक्तरंजित शव उसके घर के पास मिला। मृतक की पहचान बिश्वजीत देबनाथ (36) के रूप में की गई है। पुलिस ने शव बरामद कर लिया है। उसकी 'हत्या' क्यों की गई? पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पता चला है कि बिश्वजीत देबनाथ का घर नवद्वीप के तिनकाटा इलाके में है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, मंगलवार की रात उसके मोबाइल पर एक कॉल आया। उस कॉल को प्राप्त करने के बाद वह घर से निकल गया। वह रात में घर नहीं लौटा। इस दिन, सुबह में खबर मिली कि इलाके से थोड़ी दूर सड़क पर एक युवक का रक्तरंजित शव पड़ा है। पुलिस ने मौके पर जाकर शव बरामद किया। पुलिस ने शुरुआत में

माना कि यह सड़क दुर्घटना नहीं थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि किसी ने विश्वजीत की 'हत्या' की है। युवक के सिर पर गहरे चोट के निशान हैं। उसके शरीर के कई हिस्सों पर भी जख्म के निशान हैं। ऐसी घटना क्यों हुई? क्या युवक की किसी से कोई दुश्मनी थी? यह सवाल उठ रहा है। नवद्वीप थाने के आईसी जलेश्वर तिवारी ने बताया कि परिवार ने हत्या का मामला दर्ज कराया है। शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है।

NAME CHANGE

I, Amar Mallick, son of Tinkulal Mallick, residing at 16, Gora Chand Road, Kolkata-700014, also at Jain Temple, Doranda, Beldar Muhalla, Doranda, Ranchi-834002, do hereby solemnly affirm and declare that my correct name is Amar Mallick, DOB 3rd May 1983, and both name Amar Mallick son of Tinkulal Mallick and Vicky Ram son of Tinku Ram is one and same identical person via affidavit before the Notary Public at Kolkata dated 17th July 2025.

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/(सामान्य), पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, रिमोट कंट्रोल बिल्डिंग, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नवर्णित कार्यों के सिलसिले में निम्नलिखित ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, निविदा सं.: ईएलईजी-ओटी-1246-2025-26, दिनांक:** 18.07.2025, **कार्य का विवरण:** हाई मास्ट टावर पैनल का सहायक मदों के साथ पुनर्वास एवं उन्नयन। **निविदा मूल्य:** रु. 10,85,239/-, **बयाना राशि:** रु. 21,700/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 0.00, **समापन अवधि:** 09 माह। **क्रम सं. 2, निविदा सं.: ईएलईजी-ओटी-1247-2025-26, दिनांक:** 18.07.2025, **कार्य का विवरण:** नए (जी+5) भवन बी.आर.सिंह अस्पताल, सियालदह में तीन (03) वर्षों के लिए 20 यात्रियों की क्षमता वाली 02 (दो) बेड-सह-पैसेंजर लिफ्ट (जी+5) और 15 यात्रियों की क्षमता वाली 01 (एक) बेड-सह-पैसेंजर लिफ्ट (जी+5) (प्रस्तुतकारक: जॉनसन) का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध। **निविदा मूल्य:** रु. 19,44,600/-, **बयाना राशि:** रु. 38,900/- **निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00, **समापन अवधि:** 36 माह। **क्रम सं. 3, निविदा सं.: ईएलईजी-ओटी-1251-2025-26, दिनांक: 18.07.2025, कार्य का विवरण:** कासिमबाजार (सीएसजेड) स्टेशन पर तीन (03) वर्षों के लिए 13 यात्रियों की क्षमता वाली पैसेंजर लिफ्ट (जी+1) (01 अदद) (प्रस्तुतकारक: मेसर्स जॉनसन) का वार्षिक रखरखाव शेड्यूल और ब्रेकडाउन अनुबंध। **निविदा मूल्य:** रु. 4,01,292/-, **बयाना राशि:** रु. 8,000/- **निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00, **समापन अवधि:** 36 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 11.08.2025, 14.00 बजे। **निविदा बोली के खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 11.08.2025 को 14.00 बजे के बाद। **निविदा बोली के प्रारंभ होने की तिथि :** 28.07.2025, निविदा सूचना एवं समय-समय पर जारी संशोधनी का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

SDAH-129/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ऊर्जितकरण के संबंध में सार्वजनिक सूचना

हावड़ा मंडल के तहत विभिन्न स्विचिंग स्टेशन

पूर्व रेलवे के नीचे उल्लेखित अनुभाग के संपूर्ण हो चुके अनुभागों में अवस्थित रेलवे लाइनों एवं परिसर के सभी प्रयोगकर्ताओं को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि **दिनांक 28.07.2025 को अथवा उसके उपरांत 25,000 वोल्ट्स, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन तार में विद्युत प्रवाहित कर दिया जाएगा।** दिनांक 28.07.2025 को तथा से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को सब समय के लिए विद्युत प्रवाहित माना जाएगा तथा कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति कथित ओवरहेड लाइन के निकट न जाएं और न ही उसके करीब कार्य करें। **पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के नीचे उल्लेखित स्विचिंग स्टेशनों का विद्युतीकरण:**

स्विचिंग पोस्ट का नाम: जनाई रोड में 2x25 केवी सेक्शनिंग पोस्ट, कामारकुण्डु में 2x25 केवी सब-सेक्शनिंग पोस्ट, बेलमुडी में 132केवी/2x25 केवी ट्रैक्शन सब स्टेशन, गुड़ाप में 2x25 केवी सेक्शनिंग पोस्ट एवं मसाग्राम में 2x25 केवी सेक्शनिंग पोस्ट।

ऊर्जितकरण की तारीख: 28.07.2025.

मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण, कोलकाता

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग

(भंडार आपूर्ति हेतु ई– निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/87/2025)

(भंडार आपूर्ति हेतु ई–निविदा सुचना सख्या ईपीएस/87/2025 प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई– खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाए आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तालिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किए जाएगे। पूर्ण/विनिर्देश के लिए वेबसाईट "website https://ireps.gov.in" पर 'ई निविदा संबधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र सं.	टेंडर नं.	संक्षिप्त विवरण	निविदा की मात्रा
1	30251205	प्रोक्योरमेंट ऑफ स्क्रू कपलिंग असेंबली.	547 नंबर
2	30251268C	नॉन एस्बेस्टस बेस्ड K टाइप हाई फ्रिक्शन कम्पोजीशन ब्रेक ब्लॉक	114165 नंबर.
3	30251115	डिस्ट्रीब्यूटर वाल्व विथ रिले वाल्व इन्क्लूडिंग अडोप्टर अलॉग विथ Isolating कॉक, पाइप ब्रेकेट	245 नंबर.
4	30251807	वेस्टीबुले बेल्लो टॉप कम्पलीट फॉर गैंगवे ऑफ LHB टाइप कोचेस	586 नंबर.
5	38255007	कम्पलीट डोम सेट फॉर BTPGLN वैगन	9 सेट.
6	38251808	सेंटर बफर Coupler ट्रांजीशन अरेंजमेंट.	79 नंबर.

उपरोक्त निविदाओं में क्र. सं. 1 की नियत तिथि – 11.08.2025, क्र. सं. 2 की नियत तिथि – 12.08.2025, क्र. सं. 3 की नियत तिथि – 13.08.2025, क्र. सं. 4 एवं 5 की नियत तिथि – 18.08.2025, निविदा सं. 6 की नियत तिथि – 25.08.2025, 50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। (हस्ता)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कुछ स्टेशनों में कन्याकुमारी-डिब्रुगढ़-कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस के ठहराव के समय में संशोधन

22503/22504 कन्याकुमारी-डिब्रुगढ़-कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस के नीचे उल्लेखित स्टेशनों में ठहराव के समय में निम्नानुसार 10 (दस) मिनट के लिए वृद्धि की जाएगी:-

संशोधित समय सूची

• **22503 कन्याकुमारी-डिब्रुगढ़ विवेक एक्सप्रेस [प्रभावी होने की तारीख (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 25.07.2025] : एरणाकुलम टाउन** [दिनांक 25.07.2025 से प्रभावी संशोधित समय]:- आगमन 23.35 बजे/प्रस्थान 23.45 बजे। **खड़गपुर जंक्शन** [दिनांक 27.07.2025 से प्रभावी संशोधित समय]:- आगमन 11.30 बजे/प्रस्थान 11.40 बजे। **रामपुरहाट** [दिनांक 27.07.2025 से प्रभावी संशोधित समय]:- आगमन 17.10 बजे/प्रस्थान 17.20 बजे। **न्यू बंगाईगाँव** [दिनांक 28.07.2025 से प्रभावी संशोधित समय]:- आगमन 04.45 बजे/प्रस्थान 04.55 बजे। **लामडिंग जंक्शन** [दिनांक 28.07.2025 से प्रभावी संशोधित समय]:- आगमन 12.05 बजे/प्रस्थान 12.15 बजे। **मरियानी जंक्शन** [दिनांक 28.07.2025 से प्रभावी संशोधित समय]:- आगमन 16.20 बजे/प्रस्थान 16.30 बजे।

• **22504 डिब्रुगढ़-कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस [प्रभावी होने की तारीख (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 25.07.2025] : मरियानी जंक्शन** [दिनांक 25.07.2025 से प्रभावी संशोधित समय]:- आगमन 23.00 बजे/प्रस्थान 23.10 बजे। **न्यू कोच बिहार** [दिनांक 26.07.2025 से प्रभावी संशोधित समय]:- आगमन 12.35 बजे/प्रस्थान 12.45 बजे। **रामपुरहाट** [दिनांक 26.07.2025 से प्रभावी संशोधित समय]:- आगमन 22.15 बजे/प्रस्थान 22.25 बजे। **खड़गपुर जंक्शन** [दिनांक 27.07.2025 से प्रभावी संशोधित समय]:- आगमन 03.58 बजे/प्रस्थान 04.08 बजे। **एरणाकुलम टाउन** [दिनांक 28.07.2025 से प्रभावी संशोधित समय]:- आगमन 14.22 बजे/प्रस्थान 14.32 बजे। **तिरुवनंतपुरम सेंट्रल** [दिनांक 28.07.2025 से प्रभावी संशोधित समय]:- आगमन 19.05 बजे/प्रस्थान 19.15 बजे।

ऊपर उल्लेखित ट्रेनों की समय-सूची मार्ग में अन्य सभी स्टेशनों में अपरिवर्तित रहेंगी।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

रंगकर्मी रतन थियम के निधन पर ममता बनर्जी ने जताया शोक

कोलकाता, समाज्ञा

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को मणिपुरी रंगमंच के दिग्गज कलाकार रतन थियम के निधन पर शोक व्यक्त किया और उनके मित्रों तथा परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। ममता बनर्जी ने थियम को असली दिग्गज कलाकार बताया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि परंपरा और प्रयोग के उनके अनूठे मिश्रण ने भारतीय प्रदर्शन कलाओं को काफी समृद्ध किया और दुनिया भर में इसकी गूंज सुनाई दी। बतों कि मणिपुर के प्रसिद्ध रंगमंच कलाकार और 'पद्मश्री' से सम्मानित रतन थियम का मंगलवार देर रात एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 77 वर्ष के थे।

पत्नी के अवैध संबंधों और गर्भवती होने पर भड़का पति, गला घोंटकर की हत्या

❑ **न्यूटाउन गेस्ट हाउस हत्याकांड में पति गिरफ्तार, गुनाह कबूला**

कोलकाता, समाज्ञा : न्यूटाउन के एक गेस्ट हाउस में दक्षिण दिनाजपुर निवासी एक महिला की हत्या के मामले में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, महिला के कई अन्य पुरुषों के साथ अवैध संबंध थे और पति की गैरमौजूदगी में वह गर्भवती भी हो गई थी। इसी सब बातों को लेकर पति-पत्नी के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा था। अंततः दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि पति ने गला घोंटकर पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, मामले में गिरफ्तार मृतका के पति विश्वजीत मंडल ने पूछताछ में स्वीकार किया कि पत्नी के व्यवहार को लेकर वह

काफी समय से परेशान था। दिल्ली में काम करते समय उसे जानकारी मिली कि उसकी पत्नी गर्भवती हो गई है, जबकि वह उस समय घर पर मौजूद नहीं था। इसके बाद, वह घर लौट आया, लेकिन पत्नी का व्यवहार ज्यों का त्यों रहा। पुलिस के अनुसार, महिला के मोबाइल फोन में अन्य पुरुषों के साथ तस्वीरें देखने के बाद पति और ज्यादा गुस्सा हो गया। इसी दौरान वह अपनी पत्नी को लेकर न्यूटाउन आया, जहां एक गेस्ट हाउस में दोनों ठहरे थे। सोमवार की दोपहर दोनों के बीच पैसों को लेकर बहस हुई। पत्नी ने पति से महीने में दस हजार की मांग की और धमकी दी कि यदि वह पैसे नहीं देगा, तो वह अपनी मर्जी से जिंदगी जीती रहेगी। इस पर गुस्से में आए विश्वजीत ने बेल्ट से पत्नी का गला घोंटना शुरू किया और चेतावनी दी कि सुधर जा, नहीं तो जान से मार दूंगा। जब पत्नी फिर भी नहीं मानी, तो उसने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद खुद विश्वजीत ने पुलिस को फोन कर सूचना दी थी पुलिस मौके पर पहुंची और उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और महिला के संबंधों और कॉल रिकॉर्ड की भी पड़ताल की जा रही है।

तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर ने नई पार्टी बनाने के दिए संकेत

❑ पार्टी नेतृत्व को 15 अगस्त तक दिया समय

मुर्शिदाबाद/कोलकाता : तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर ने एक बार फिर अपने तेवर तल्ख कर लिए है। मुर्शिदाबाद जिले के भरतपुर से तृणमूल कांग्रेस के विधायक हुमायूं कबीर ने एक बार फिर अपनी ही पार्टी के खिलाफ नाराजगी जताते हुए सियासी हलचल बढ़ा दी है। संगठनात्मक अनदेखी और गुटबाजी के आरोप लगाकर हुमायूं ने पार्टी को 15 अगस्त तक का 'डेडलाइन' दिया है। उनका साफ कहना है कि यदि उस समय तक स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो वह वैकल्पिक रास्ते की सोचेंगे।

हुमायूं कबीर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 15 अगस्त तक देखूंगा, अगर सुधार नहीं हुआ तो विकल्प के बारे में सोचूंगा। कांग्रेस या भाजपा में लौटने का कोई सवाल ही नहीं, जरूरत पड़ी तो नई पार्टी बना सकता हूं। उस दल में कई हुमायूं कबीर होंगे। यह बयान सीधे तौर पर तृणमूल नेतृत्व के लिए एक खुली चुनौती माना जा रहा है। खासकर, मुर्शिदाबाद जिले में लगातार उभरती गुटबाजी की शिकायतों के बीच हुमायूं की यह चेतावनी पार्टी के लिए सिरदर्द बनती दिख रही है। हुमायूं कबीर ने यह भी दावा किया कि मुर्शिदाबाद के अलावा मालदह, उत्तर दिनाजपुर और नदिया जिलों में भी उनके कई शुभचिंतक हैं। यह संकेत है कि अगर वह नया राजनीतिक दल बनाते हैं तो उन्हें अकेले चलना नहीं पड़ेगा। तृणमूल कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने पहले ही हुमायूं को अनुशासन बनाए रखने की कड़ी चेतावनी दी थी। लेकिन इसके बावजूद विधायक का यह नया बयान, पार्टी नेतृत्व को असहज स्थिति में डाल रहा है। अब सवाल उठ रहा है कि क्या 15 अगस्त के बाद वाकई कोई नया राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिलेगा? हुमायूं का विकल्प क्या होगा? क्या यह केवल दबाव की रणनीति है या वाकई वह नई पार्टी बनाने जा रहो हैं?

वाम मोर्चा ने बांग्लाभाषियों को 'निशाना' बनाने के खिलाफ कोलकाता में निकाला विरोध मार्च

कोलकाता, समाज्ञा : मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम मोर्चा ने कुछ राज्यों में राज्य के बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों के कथित उत्पीड़न के खिलाफ बुधवार को जुलूस निकाला और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कुछ राज्यों में प्रवासी श्रमिकों को निशाना बनाया जा रहा है और कुछ को बांग्ला बोलने के कारण, भारतीय होने के बावजूद जेल में डाल दिया गया या बांग्लादेश निर्वासित कर दिया गया। उन्होंने मांग की कि ममता बनर्जी सरकार यह सुनिश्चित करे कि बांग्लाभाषियों के अधिकारों की रक्षा हो। माकपा की पश्चिम बंगाल इकाई के सचिव और पार्टी पोलित ब्यूरो के सदस्य मोहम्मद सलीम ने अन्य वाम मोर्चा नेताओं के साथ जुलूस में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि प्रवासी श्रमिकों के हितों की रक्षा की जानी चाहिए। वाम मोर्चा द्वारा आयोजित यह रैली मध्य कोलकाता के एस्प्लेनेड से शुरू होकर करीब दो किलोमीटर दूर रामलीला पार्क में समाप्त हुई। वाम नेताओं ने कहा कि राज्य सरकार को यह मुद्दा केंद्र के साथ-साथ उन राज्यों के समक्ष भी उठाना चाहिए जहां ऐसी कथित घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने तथा अन्य स्थानों पर राज्य के प्रवासी श्रमिकों पर कथित अत्याचार के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने की भी मांग की। सलीम ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए दावा किया कि यह निर्वाचन आयोग के क्षेत्राधिकार में नहीं है।

रानीनगर में सॉकेट बम बरामद, इलाके में मचा हड़कंप

मुर्शिदाबाद : जिले के रानीनगर थाना अंतर्गत डिप्टीपाड़ा इलाके में बुधवार की सुबह एक कल्वर्ट के नीचे से संदिग्ध बैग में रखा सॉकेट बम बरामद हुआ। जानकारी के अनुसार, सुबह के वक्त स्थानीय लोग रोज़ाना की तरह टहलने निकले थे, तभी सड़क किनारे पुलिया के नीचे पड़े एक संदिग्ध बैग पर उनकी नजर पड़ी। शक होने पर जब बैग को पास जाकर देखा गया, तो उसमें सॉकेट बम मौजूद था। स्थानीयों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। रानीनगर थाने की टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेरकर आम जनता को दूर किया। इसके साथ ही बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया ताकि बम को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय किया जा सके। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। यह बम किसने और क्यों रखा, इसका पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

काकद्वीप में बस और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर, 11 लोग घायल

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप इलाके में बुधवार की सुबह यात्रियों से भरी एक रोडवेज बस और एक ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गयी। इस दुर्घटना में कम से कम 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना राष्ट्रीय राजमार्ग 117 पर हुई, जहां एक रोडवेज बस कोलकाता की ओर जा रही थी। इसी दौरान एक ट्रक से उसकी जोरदार टक्कर हो गयी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और ट्रक दोनों के आगे के हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को काकद्वीप सुपरस्पेशलिटी अस्पताल ले जाया गया। ट्रक चालक की हालत बेहद गंभीर है, जिसे बेहतर इलाज के लिए डायमंड हार्बर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया कि हादसे की वजहों की जांच की जा रही है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, किसी एक वाहन की रफ्तार अधिक होने या ओवरटेक की कोशिश के चलते यह दुर्घटना हुई हो सकती है।

शिक्षक भर्ती घोटाले में स्वास्थ्य विभाग की संलिप्तता! हाई कोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

अपार प्राइमरी स्तर पर नौकरी के नाम पर करोड़ों की ठगी, सीबीआई जांच की मांग

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में प्राथमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को लेकर एक बार फिर भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि स्वास्थ्य भवन के एक अधिकारी ने अपार प्राइमरी स्तर पर शिक्षक पद दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये वसूले, लेकिन वादा निभाया नहीं गया। नौकरी न मिलने से ठगा महसूस कर रहे कई अभ्यर्थियों ने अब कोलकाता हाई कोर्ट की शरण ली है।

इस मामले में एक पीड़ित की ओर से हाई कोर्ट में सीबीआई जांच की मांग करते हुए रिट याचिका दाखिल की गई। बुधवार को न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने इस मामले में राज्य पुलिस से जांच की प्रगति रिपोर्ट और केस डायरी तलब की है। साथ ही, उन्होंने निचली अदालत को यह भी निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ता के परिवार की सुरक्षा पर विचार किया जाए।

सबसे अहम सवाल यह है कि स्वास्थ्य विभाग का एक अधिकारी शिक्षा विभाग की नियुक्ति प्रक्रिया में कैसे प्रभाव डाल सकता है? इस पर अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा, नौकरी देने के नाम पर इस तरह की ठगी समाज के कमजोर वर्गों को असुरक्षित बनाती है।

मामले के उजागर होते ही राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई है। हालांकि, अब तक शिक्षा विभाग या स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। जैसे ही प्रतिक्रिया मिलेगी, रिपोर्ट को अपडेट किया जाएगा।

हाई कोर्ट के निर्देश के बाद अब देखना होगा कि मामले की जांच किस दिशा में बढ़ती है और दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है।

स्वामी गिरिशानन्दजी महाराज ने अग्रसेन धाम के सेवा प्रकल्पों का परिदर्शन किया

कोलकाता : सुप्रतिष्ठित कथा प्रवक्ता स्वामी गिरिशानन्दजी सरस्वती ने बागनान स्थित महाराजा अग्रसेन धाम को सेवा का अनमोल धाम बताया। उन्होंने वहां चल रहे चिकित्सा, शिक्षा एवं सेवामूलक प्रकल्पों का परिदर्शन किया और संतोष प्रगट करते हुए कहा कि अग्रसेन जी महाराज के आदर्शों के अनुरूप यह संस्था अप्रतिम कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सूर्यवंशी भगवानश्री राम के कुल के अग्रसेनजी महाराज सभी वर्ग के लोगों के प्रति समभाव रखते थे। उनके राज्य में प्रजा खुश रहती थी। वास्तविक अर्थों में वह रामराज था। धाम के ट्रस्टीगण सर्वश्री मुरारीलाल दीवान, मंत्री निर्मल सराफ, निरंजन अग्रवाल, अनिल सरायवाला एवं अशोक चूड़ीवाला भी उनके साथ थे। पूज्य महाराजजी ने अग्रसेन महाराज की प्रतिमा को नमन किया तथा संस्था पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

डोमकल में बांग्लादेशी घुसपैठिया और भारतीय दलाल गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद : जिले में सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश एक बार फिर उजागर हुई है। डोमकल थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गत मंगलवार की रात बक्शीपुर घाट इलाके में छापेमारी कर एक बांग्लादेशी घुसपैठिए और उसे भारत में प्रवेश दिलाने वाले एक भारतीय दलाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार बांग्लादेशी युवक की पहचान छोटन मंडल के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश के कुश्तिया जिले के दौलतपुर थाना क्षेत्र का निवासी है। वहीं, भारतीय दलाल की पहचान सब्बुर अली मंडल उर्फ साबू के रूप में की गई है, जिसका संबंध नदिया जिले के हुगलबरिया थाना क्षेत्र से है। दोनों को डोमकल थाना पुलिस ने न्यायालय में पेश कर 7 दिन की पुलिस हिरासत में लिया है, ताकि गहन पूछताछ की जा सके। प्राथमिक पूछताछ में अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि छोटन मंडल भारत में क्यों दाखिल हुआ और उसकी मंशा क्या थी। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि यह घुसपैठ किसी आपराधिक या आतंकी मंशा से तो नहीं हुई थी।

मेट्रो कोच पर काले पेंट करने की घटना सीसीटीवी में कैद, जांच तेज

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता मेट्रो की ब्लू लाइन पर संचालित रेक संख्या एमआर-409 के कोच नंबर 4036 के दरवाजा संख्या-5 को हाल ही में एक अज्ञात यात्री ने काले स्प्रे पेंट से खराब कर दिया। यह घटना मेट्रो कोच की सौंदर्यता को क्षति पहुंचाने वाली है। घटना की जानकारी मिलते ही मेट्रो प्रशासन हरकत में आया और सीसीटीवी फुटेज की सहायता से आरोपी की पहचान की जा रही है। मेट्रो रेलवे प्रबंधन ने इस कृत्य को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि दोषी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तय है। प्रशासन का कहना है कि कोलकाता मेट्रो शहर का गर्व है और इस प्रकार की गतिविधियां न केवल उसकी छवि को धूमिल करती हैं, बल्कि यात्रियों की भावनाओं को भी आहत करती हैं। मेट्रो प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस तरह की गतिविधियों से दूर रहें और यदि कोई सहयात्री इस तरह की हरकत करता हुआ दिखे तो तुरंत मेट्रो अधिकारियों को सूचित करें। सीसीटीवी कैमरों की मदद से ऐसे अपराधियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। मेट्रो प्रबंधन ने यह भी स्पष्ट किया कि यात्रियों के सहयोग से ही मेट्रो सेवाएं साफ, सुरक्षित और सुविधाजनक बनी रह सकती हैं।

यूनिसेफ प्रतिनिधिमंडल का दक्षिण 24 परगना में दौरा, प्लास्टिक मुक्त ग्राम विकास की सराहना

कोलकाता, समाज्ञा : यूनिसेफ प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को दक्षिण 24 परगना ज़िले के विष्णुपुर -ख ब्लॉक का दौरा किया, जहाँ उन्होंने 'आउटरीच प्रोटेक्शन फैसिलिटी' और प्लास्टिक मुक्त ग्राम पंचायत पहल का निरीक्षण किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व यूनिसेफ की प्रोटेक्शन विशेषज्ञ मैककैटी कर रही थीं, जिनके साथ डॉक्टर जे. लाल समेत अन्य अधिकारी शामिल थे। निरीक्षण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सागर ब्लॉक के प्लास्टिक प्रबंधन के कार्यों, चारु प्लास्टिक बाजार योजना और ग्राम पंचायत स्तर पर ठोस कचरा प्रबंधन की विभिन्न परियोजनाओं का मूल्यांकन किया। इन पहलों की सराहना करते हुए उन्होंने इन प्रयासों को स्थायी ग्रामीण विकास की दिशा में उल्लेखनीय बताया। प्रतिनिधिमंडल ने टीन फ्रेंडली पंचायत के तहत अंबगाछिया ग्राम पंचायत में किए गए कार्यों का विशेष रूप से निरीक्षण किया। वहाँ स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, किशोरी क्लब की सदस्याओं और पंचायत कर्मचारियों के साथ संवाद कर उनके योगदान की सराहना की गई। यूनिसेफ टीम ने क्षेत्रीय छात्र-छात्राओं से बातचीत कर 'टीन फ्रेंडली पंचायत' की उपयोगिता पर फीडबैक भी प्राप्त किया। इस दौरान कन्याश्री क्लब की सामाजिक कार्यों में भूमिका की भी तारीफ की गई। यूनिसेफ ने शेखपुरा-गाबबरिया क्षेत्र के 'अलाभ भवन' का भी दौरा किया और बाल संरक्षण परियोजनाओं के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

चुपा चुप्स का नया कैंपेन 'समझ के बाहर', खट्टे-मीठे स्वाद में मस्ती का ट्विस्ट

कोलकाता, समाज्ञा : मशहूर कन्फेक्शनरी ब्रांड चुपा चुप्स ने अपना नया कैंपेन 'समझ के बाहर' लॉन्च किया है, जो खट्टे और मीठे स्वाद के अनोखे मेल को हल्के-फुल्के अंदाज में पेश करता है। इस कैंपेन के तहत जारी टीवीसी में दिखाया गया है कि कैसे चुपा चुप्स बेल्ट्स का स्वाद साधारण लम्हों को भी हंसी-ठिठोली से भर देता है। टीवीसी में दोस्त कैरम खेलते हैं और जैसे ही वे बेल्ट्स चखते हैं, खेल मस्तीभरी अराजकता में बदल जाता है। ब्रांड के मार्केटिंग डायरेक्टर गुंजन खेतान ने कहा कि 'फॉरएवर फन' चुपा चुप्स की मूल भावना है और यह कैंपेन स्वाद के साथ मस्ती को जोड़ता है। ओगिलवी द्वारा संकल्पित इस कैंपेन में भारतीय संस्कृति के संकेतों के साथ शरारत और कल्पना का मेल है। यह टीवी, डिजिटल और सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

नाबालिग छात्रा को पीटने के आरोप में स्कूल के दो शिक्षिकाओं के खिलाफ शिकायत दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा : चौथी कक्षा की एक छात्रा को छाते से पीटने के आरोप में स्कूल के दो शिक्षिकाओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। शरीर के कई हिस्सों पर चोट के निशान हैं। परिवार ने मानिकतला थाने में शिकायत दर्ज कराई है। छात्रा के परिवार का आरोप है कि पुलिस ठीक से जांच नहीं कर रही है। नाबालिग छात्रा मानिकतला बानीपीठ स्कूल की चौथी कक्षा में पढ़ती है। पता चला है कि एक शिक्षिका ने उसे पढ़ाई न कर पाने पर डांटा था। इतना ही नहीं, शिक्षिका ने छाते से उसके घुटने पर कई बार वार भी किया। उसके कान में भी चोट आई। इसके बाद, नाबालिग बीमार पड़ गई। परिवार का आरोप है कि उस दिन स्कूल से लौटने के बाद उसे बुखार आने लगा। उसके शरीर के कई हिस्सों पर चोट के निशान हैं। हालांकि, वह पहले कुछ नहीं कहना चाहती थी, लेकिन बाद में माता-पिता के दबाव में आकर नाबालिग ने पूरी बात बताई। परिवार ने यह भी कहा कि इस घटना के बाद से वह काफी डरी हुई है। वह तब से स्कूल भी नहीं जाना चाहती थी। पता चला है कि शिक्षिकाओं ने उसे मौखिक रूप से 7 दिनों के लिए स्कूल से निलंबित कर दिया है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। हालांकि, पीड़ित छात्र के परिवार ने भी उन पर उदासीनता का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद भी आरोपी शिक्षकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

श्री जैन विद्यालय, कोलकाता में वन महोत्सव का भव्य आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : श्री जैन विद्यालय, कोलकाता में बुधवार को वन महोत्सव का आयोजन बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्रांगण में हुई, जहां प्रधानाचार्य संजय कुमार पांडे एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाकर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने एकजुट होकर वृक्षारोपण के महत्व को समझा और उसे जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया। समारोह का प्रमुख आकर्षण वृक्षारोपण अभियान रहा, जिसके अंतर्गत विद्यालय प्रांगण में विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे गए।

कार्यक्रम के दौरान पारसमल कांकरिया सभागार में एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानाचार्य संजय कुमार पांडे ने छात्रों को ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण तथा वृक्षों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्रों ने इस अवसर पर पर्यावरण विषय पर आधारित कविता पाठ, सजावट, वेशभूषा एवं अन्य रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थितजनों को गहराई से प्रभावित किया। कार्यक्रम में हरियाली की ओर एक कदम थीम पर पोस्टर निर्माण एवं कविता वाचन प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय अध्यक्ष विनोद कांकरिया ने बच्चों से जीवन में कम से कम एक पेड़ लगाने और अधिक से अधिक पेड़ बचाने का संकल्प करवाया। वहीं, विद्यालय सचिव मनोज बोथरा ने पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छ पर्यावरण के बिना मानव सभ्यता की कल्पना नहीं की जा सकती। विद्यालय ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से करने का संकल्प लिया, ताकि पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंच सके।

आईटीसी मंगलदीप ने पश्चिम बंगाल के लिए पेश किए अनुश्री अगरबत्ती के दो नए वैरिएंट

कोलकाता, समाज्ञा : भारत के प्रमुख धूप ब्रांड आईटीसी मंगलदीप ने पश्चिम बंगाल के उपभोक्ताओं के लिए अनुश्री अगरबत्ती के दो नए वैरिएंट लिली ब्लॉसम और डीलक्स लॉन्च किए हैं। इस अवसर पर कोलकाता में एक भव्य व्यापारिक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें 100 से अधिक व्यापारिक साझेदारों ने भाग लिया। कार्यक्रम में ब्रांड की लोकप्रिय अनुश्री अगरबत्ती की नई सुगंध को भी पेश किया गया, जो पारंपरिक और आधुनिक उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। मंगलदीप ने एक नई मूल्य पेशकश के तहत 60 स्टिक का पैक लॉन्च किया है, जिसमें 20% अतिरिक्त स्टिक दी जा रही हैं। आईटीसी के डिवीजनल सीईओ गौरव तायल ने इसे उपभोक्ताओं को श्रेष्ठता और मूल्य देने की दिशा में एक मजबूत पहल बताया। यह लॉन्च ब्रांड की इनोवेशन, साझेदारी और उपभोक्ता जुड़ाव पर केंद्रित रणनीति का हिस्सा है, जिससे इसकी बाजार में स्थिति और सुदृढ़ हुई है।

टोरेंट फार्मा ने वयस्कों के लिए न्यूट्रिशन पाउडर सेगमेंट में लॉन्च किया शेल्कल टोटल

कोलकाता : टॉरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने शेल्कल टोटल के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक वैज्ञानिक तरीके से तैयार किया गया वयस्कों के लिए न्यूट्रिशन सप्लीमेंट पाउडर है, जो कंपनी के प्रमुख ब्रांड शेल्कल को तेजी से बढ़ते न्यूट्रिशन सेगमेंट में आगे बढ़ा रहा है। टॉरेंट फार्मा के चीफ कमर्शियल ऑफिसर (इंडिया बिज़नेस), अमल केलशिकर ने कहा, बदलती जीवनशैली, ख़राब खानपान की आदतों और बढ़ते तनाव के कारण भारत में पोषण की कमी लगातार बढ़ रही है। ये सभी, हर उम्र के लोगों में ज़रूरी पोषण तत्वों की कमी का कारण बन रहे हैं। शेल्कल टोटल इसी ज़रूरत का समाधान है।

माँ नहीं मानी 10 हज़ार पर, हाई कोर्ट ने लिया बड़ा फैसला

15 साल बाद मां-बेटे का टकराव पहुँचा अदालत तक, जज ने सुनाया अहम आदेश

कोलकाता : एक बेटे ने अपनी मां के लिए हर महीने 10,000 भरण-पोषण देने की सहमति दी, लेकिन मां इससे भी असंतुष्ट रहीं। यह मामला तब सामने आया जब एक पक्षाघातग्रस्त वृद्धा मां ने अपने बेटे के खिलाफ कोलकाता हाई कोर्ट में भरण-पोषण की याचिका दायर की।

बेटा, जो अब पेशे से समुद्री नाविक है और अटलांटिक महासागर में जहाज पर कार्यरत है, बचपन में ही अपनी मां से अलग हो गया था। मां ने तब उसे पीछे छोड़ दिया था और संपर्क लगभग 15 वर्षों तक नहीं रहा। बेटा नाना-नानी के घर पर बड़ा हुआ। अब वही मां वृद्धावस्था में एक वृद्धाश्रम में रह रही हैं।

हाई कोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान जस्टिस अमृता सिन्हा ने कहा कि बेटा आर्थिक रूप से सक्षम है और मां को मदद की आवश्यकता है, इसलिए यह उसका नैतिक और कानूनी कर्तव्य है कि वह मां की सहायता करे।

हालांकि बेटे के वकील ने यह तर्क दिया कि केवल जन्म देने से कोई मां नहीं बन जाती, माँ होने के लिए परवरिश जरूरी होती है। लेकिन अदालत ने साफ कर दिया कि मां यदि ज़रूरतमंद हैं, तो बेटे को सहयोग करना ही होगा।

बेटे की ओर से उसकी पत्नी अदालत में उपस्थित रहीं और उन्होंने कहा कि उनका पति 10,000 प्रतिमाह देने को तैयार है। लेकिन मां के वकील ने इसका विरोध करते हुए कहा कि कोई तय राशि नहीं होनी चाहिए, बल्कि भोजन, वस्त्र, आवास और इलाज की सम्पूर्ण जिम्मेदारी ली जानी चाहिए।

अदालत ने आदेश दिया कि बेटे और मां दोनों की उपस्थिति में एसडीओ (सब-डिविजनल ऑफिसर) मध्यस्थता कर तय करेंगे कि कितनी राशि प्रतिमाह दी जाएगी। यह निर्णय 5 दिसंबर 2025 से पहले प्रवासी नागरिकों के भरण-पोषण कानून, 2007 के तहत लिया जाएगा।

अंततः जस्टिस अमृता सिन्हा ने मामले का निपटारा करते हुए स्पष्ट किया कि यह केवल कानूनी नहीं, बल्कि एक मानवीय मामला भी है - एक माँ को उसके बेटे से अधिकारिक और सम्मानजनक सहयोग मिलना ही चाहिए।

श्रावणी मेला 2025: पूर्व रेलवे ने बढ़ाई ट्रेन सेवाएं, यात्रियों को मिलेगी बेहतर सुविधा

कोलकाता, समाज्ञा

पूर्व रेलवे ने श्रावणी मेला 2025 के लिए यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने हेतु व्यापक तैयारियां की हैं। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम (देवघर) में दर्शन हेतु पहुंचते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष विशेष ट्रेनों की संख्या और सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। पूर्व रेलवे द्वारा इस वर्ष श्रावणी मेला के दौरान कुल 614 विशेष ट्रेनों का संचालन निर्धारित किया गया है, जो 2024 में चलाई गई 538 ट्रेनों की तुलना में एक महत्वपूर्ण वृद्धि है। यह रेलवे प्रशासन की यात्रियों के प्रति प्रतिबद्धता और सजगता को दर्शाता है। उपनगरीय क्षेत्रों से मेल-ास्थलों तक पहुंच को सुलभ बनाने के लिए ईएमयू लोकल ट्रेनों की संख्या में भी बड़ा इजाफा किया गया है। हावड़ा-तारकेश्वर सेक्शन में इस बार 168 लोकल ट्रेनों का संचालन होगा, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या मात्र 58 थी। इसी तरह, तारकेश्वर-शिओराफुली खंड में भी लोकल सेवाएं 102 से बढ़ाकर 298 कर दी गई हैं। इससे मुख्य जंक्शनों पर भीड़ कम होगी और श्रद्धालुओं को आसान कनेक्टिविटी मिलेगी। रेलवे ने भीड़ प्रबंधन, स्टेशन निगरानी और ऑनबोर्ड सेवाओं के लिए अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की है। प्रमुख स्टेशनों पर सहायता काउंटर, चिकित्सा सेवाएं, पेयजल और सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए हैं। पूर्व रेलवे का यह प्रयास यह दर्शाता है कि वह धार्मिक एवं सांस्कृतिक अवसरों पर यात्रियों को सुरक्षित, समयबद्ध और सुविधाजनक सेवाएँ देने के लिए पूरी तरह तत्पर है।

शांतिनिकेतन के सोनाझुरी-खोवाई क्षेत्र में पर्यावरण क्षरण पर एनजीटी की सख्ती

इतने दिन तक वन विभाग क्या कर रहा था? - पर्यावरण अदालत की फटकार

कोलकाता : शांतिनिकेतन के सोनाझुरी और खोवाई क्षेत्र में बढ़ते निर्माण, यातायात और बाजार गतिविधियों के कारण हो रहे पर्यावरणीय क्षरण पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्त रुख अपनाया है। एनजीटी ने राज्य के वन विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को तीखी फटकार लगाते हुए पूछा, जंगल के भीतर निर्माण एक दिन में नहीं हुआ। इतने दिन वन विभाग क्या कर रहा था? क्या प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सिर्फ पर्यावरण कार्यकर्ता की याचिका का इंतजार कर रहा था?

एनजीटी ने आदेश दिया है कि वन विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को अगले सुनवाई से पहले हलफनामा सहित पूर्ण 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' (एटीआर) दाखिल करनी होगी। अगर ऐसा नहीं किया गया, तो राज्य के मुख्य सचिव को समन भेजा जाएगा।

पर्यावरण कार्यकर्ता सुभाष दत्ता ने इलाके का दौरा कर पर्यावरण क्षरण से संबंधित तथ्य अदालत में प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा, तेजी से हो रही गाड़ियों की आवाजाही, बेतरतीब निर्माण कार्य और हाट-बाजार की गतिविधियाँ क्षेत्र के जैविक और सांस्कृतिक संतुलन को नष्ट कर रही हैं। प्रशासन सब देखकर भी मौन रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो विश्वभारती विश्वविद्यालय से सटे इस संवेदनशील क्षेत्र का पर्यावरणीय संतुलन पूरी तरह टूट जाएगा।

अब अदालत की कड़ी चेतावनी के बाद उम्मीद की जा रही है कि राज्य प्रशासन और संबंधित विभाग इस दिशा में सख्त कदम उठाएंगे।

ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

❑ हावड़ा से गिरफ्तार तीन आरोपित ओड़िशा के भद्रक के निवासी

❑ आरोपियों के पास से बरामद हुए कई एटीएम और आधार कार्ड

हावड़ा/कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय ऑनलाइन और एटीएम ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें से तीन आरोपित ओड़िशा के भद्रक जिले के निवासी हैं, जो हाल ही में हावड़ा के एक होटल में रुके हुए थे। पुलिस ने इनके कब्जे से कई बैंकों के एटीएम कार्ड, आधार कार्ड और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। हावड़ा पुलिस

कमिश्नरेट की ओर से बुधवार को जारी एक बयान में बताया गया है कि मामले की शुरुआत मंगलवार को हुई जब गार्डेनरीच थाने के सब-इंस्पेक्टर पालडेन भूटिया ने एक संदिग्ध वाहन को देखकर कार्रवाई शुरू की। तारातला रोड पर उस वाहन को रोका गया और पूछताछ के दौरान चार युवकों की बातों में विरोधाभास मिला। पुलिस को वाहन से एक बैग मिला, जिसमें कई एटीएम कार्ड बरामद हुए। इसके बाद, चारों युवकों साहिनुर रहमान फकीर, शेख राहुल, शेख आसफाक और आशिक मिस्त्री को गिरफ्तार किया गया। ये सभी दक्षिण कोलकाता के संतोषपुर इलाके के निवासी हैं। चारों आरोपितों से पूछताछ के दौरान पुलिस को तीन और लोगों के नाम मिले। इसके बाद, पुलिस की एक टीम ने हावड़ा के शिवपुर स्थित एक मॉल के पास से शेख शाहिद कादरी, शेख अलीमुद्दीन और शेख फिरोज को गिरफ्तार किया। ये तीनों ओड़िशा के भद्रक जिले के निवासी हैं और हावड़ा के गोलाबाड़ी इलाके के एक होटल में ठहरे हुए थे। वहां की तलाशी में भी कई एटीएम कार्ड, आधार कार्ड और मोबाइल फोन बरामद किए गए।

❑ किराए पर लिए जाते थे बैंक अकाउंट

पुलिस की शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपितों द्वारा कुछ लोगों से बैंक खाते किराए पर लिए जाते थे। इन खातों में ऑनलाइन ठगी से जुटाई गई रकम ट्रांसफर की जाती थी और फिर एटीएम के जरिए निकाली जाती थी। आधार और एटीएम कार्डों का उपयोग पहचान छिपाने और पैसे निकालने के लिए किया जाता था। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि ओड़िशा के ये आरोपित कोलकाता और हावड़ा में क्यों डेरा डाले हुए थे। क्या यहां किसी बड़ी ठगी की योजना बनाई जा रही थी? क्या ये स्थानीय आरोपितों के साथ मिलकर काम कर रहे थे? इन तमाम सवालों के जवाब तलाशने के लिए पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर रही है। कोलकाता पुलिस का मानना है कि यह गिरोह देश के कई हिस्सों में ऑनलाइन ठगी की वारदातों में शामिल हो सकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है।

भतीजे की हत्या के आरोप में दो महीने बाद चाचा गिरफ्तार

❑ फोन के लालच में आरोपी ने भतीजे को उतारा था मौत के घाट

कोलकाता, समाज्ञा : दो महीने पहले अपने भतीजे की धारदार हथियार से हत्या के बाद फरार आरोपी चाचा को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी का नाम आलमगीर ढाली है। पुलिस ने उसे मंगलवार की रात कैनिंग के दांड़िया इलाके से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति को बुधवार को अलीपुर अदालत में पेश किया गया। बताया गया है कि आरोपी आलमगीर अपने भतीजे अनारुल ढाली (14) को मछली पकड़ने के बहाने घर से बुलाकर अपने साथ ले गया था। लेकिन, तब से, नाबालिग घर नहीं लौटा। अगले दिन, पुलिस ने उसका खून से लथपथ शव एक स्थानीय जलाशय से बरामद किया। पुलिस ने घटना की जांच की और हमीदा नाम की एक महिला को गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ के बाद कुछ खास पता नहीं चला। जांच में गहराई से जाने पर, पुलिस को पता चला कि आलमगीर अनारुल के मोबाइल फोन का लालची था।

पुलिस को शक था कि उसने उस फोन को हासिल करके अपने भतीजे की हत्या कर दी। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया है। पुलिस गिरफ्तार व्यक्ति को अपनी हिरासत में ले रही है और घटना की आगे की जांच करना चाहती है।

हुगली में अवैध गैस रिफिलिंग रैकेट का भंडाफोड़, एक आरोपी गिरफ्तार

हुगली : हुगली जिले के मगरा थाना पुलिस ने एक विशेष छापेमारी अभियान चलाकर अवैध रूप से घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग और बिक्री करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस दौरान पुलिस ने एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के अनुसार, मगरा थाने के एसआई आकाश दास को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक व्यक्ति अवैध रूप से गैस रिफिलिंग का कारोबार कर रहा है। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छोट खेजुरिया, आदि सप्तग्राम रेलगेट बाजार के पास अनूप मिस्त्री के मकान में किराए पर संचालित 'नाजमुल स्टोर' नामक दुकान पर छापा मारा। आरोपी की पहचान सराबुल इस्लाम (44), निवासी बीरभूम जिले के शुक्राबाद थाना नलहाटी के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से 14 घरेलू एलपीजी सिलेंडर,

रिफिलिंग उपकरण और अन्य सामग्री बरामद की है। यह कार्रवाई मगरा थाने के प्रभारी अधिकारी दीपंकर सरकार के निर्देश पर एएसआई शंकर कोले के नेतृत्व में की गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही, इस अवैध गैस आपूर्ति रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी जारी है।

फर्जी पे स्लिप और फर्जी अकाउंट स्टेटमेंट के जरिए लोन, बांकुड़ा से बैंक का डायरेक्ट सेलिंग एजेंट गिरफ्तार

छह लोगों ने कुल 62 लाख रुपये का लिया है लोन, पुलिस तलाश में जुटी

कोलकाता, समाज्ञा : फर्जी पे स्लिप और फर्जी अकाउंट स्टेटमेंट के जरिए छह लोगों ने पर्सनल लोन लिया था। उन्होंने खुद को सिंचाई, स्वास्थ्य और वन विभाग का कर्मचारी बताया था। उन्होंने कुल 62 लाख रुपये का लोन लिया। बाद में, बैंक को पता चला कि दी गई जानकारी फर्जी थी। इस मामले में निजी बैंक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। कोलकाता पुलिस ने जांच के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। बताया गया है कि कोलकाता पुलिस ने एक टीम बनाकर जांच शुरू की। जांच अधिकारी को पता चला कि यह

धोखाधड़ी बैंक द्वारा अनुमोदित एक डायरेक्ट सेलिंग एजेंट के जरिए बांकुड़ा-बर्दवान इलाके से की जा रही थी। जांचकर्ताओं ने जांच के दौरान बुनियादी और आसपास की जानकारी एकत्र की। उस जानकारी के आधार पर पुलिस ने मंगलवार की रात बांकुड़ा-दुर्गापुर इलाके में छापेमारी की। नतीजतन, पुलिस ने बांकुड़ा के सोनामुखी इलाके से आकाश धीवर नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आकाश पर आरोप है कि वह फर्जी दस्तावेज तैयार करता था। और लोन मिलने के बाद, वह कर्जदारों से बड़ी रकम ले लेता था। पुलिस ने उसके बैंक खाते से 21 लाख रुपये बरामद किए है। आकाश को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने बाकी आरोपियों की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जल्द ही एक और छापेमारी की जाएगी।

घरेलू झगड़ा बना जानलेवा, पत्नी पर पति की हत्या का आरोप, पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : हाबरा जिले के नंदनकानन इलाके में पति-पत्नी के बीच चल रहे घरेलू विवाद ने एक भयानक घटना को जन्म दिया है। जानकारी के अनुसार, झगड़े के दौरान पत्नी ने किसी भारी वस्तु से पति के सिर और गर्दन पर वार कर उसकी हत्या कर दी। मृतक के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आरोपी पत्नी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने अस्वाभाविक मृत्यु का मामला दर्ज कर आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। इसी प्रकार की एक घटना झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में भी सामने आई है, जहां पति के अवैध संबंधों का पता चलने पर पत्नी ने गुस्से में हथौड़े से पति की

हत्या कर दी। आरोपी महिला ने पूछताछ में जुर्म कबूल किया। मृतक राजेश कुमार था, जिसकी पत्नी पूजा कुमारी ने हत्या की योजना बनाई थी। इसके अलावा, असम के गुवाहाटी में रहीमा खातून ने घरेलू विवाद के कारण पति साबियाल रहमान की हत्या कर शव को मिट्टी में दबा दिया था। पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार किया है। ये घटनाएं घरेलू हिंसा की गंभीर समस्या दर्शाती हैं, जिनकी जांच पुलिस कर रही है।

जय श्रीराम भी बोलेंगे, दुर्गा-काली का नाम भी लेंगे : दिलीप घोष

कोलकाता, समाज्ञा : 'राम' नाम को लेकर भाजपा के भीतर मचे विवाद के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने स्पष्ट किया है कि वे 'जय श्रीराम' भी बोलेंगे और 'जय मां काली' एवं 'जय मां दुर्गा' का नाम भी लेंगे। बता दें कि पिछले सप्ताह दुर्गापुर रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दुर्गा-काली का स्मरण किये जाने को लेकर तृणमूल भाजपा पर तंज कर रही है। इस पर, दिलीप घोष ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी है। दिलीप घोष ने बुधवार को लिखा कि हम 'जय श्रीराम' भी बोलेंगे और 'जय मां काली', 'जय मां दुर्गा' भी कहेंगे। बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन इससे कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए लिखा कि निराश न हों। पार्टी पर भरोसा रखें, आपसी विश्वास बनाए रखें और अपने आत्मबल को ही आने वाले दिनों की सबसे बड़ी ताकत मानें।

हावड़ा और सियालदह स्टेशन पर एआई कैमरों से सख्त निगरानी

❑ महिला सुरक्षा के लिए यौन अपराधियों की होगी पहचान

कोलकाता, समाज्ञा : हावड़ा और सियालदह जैसे भीड़भाड़ वाले रेलवे स्टेशनों पर महिला यात्रियों की सुरक्षा को लेकर अब रेलवे प्रशासन और भी सख्त हो गया है। इन स्टेशनों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित अत्याधुनिक फेस रिकग्निशन कैमरे लगाए जा रहे हैं, जिनकी मदद से भीड़ में छिपे हुए यौन अपराधियों की पहचान करना आसान होगा। केंद्र सरकार की पहल पर इस परियोजना के तहत हावड़ा और सियालदह सहित देश के सात प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर एआई तकनीक से लैस निगरानी व्यवस्था तैयार की जा रही है। यह कैमरे नेशनल डाटाबेस ऑन सेक्सुअल ऑफेंडर्स से जुड़े डाटाबेस से अपराधियों के चेहरों को मिला कर तुरंत पहचान कर लिया जाएगा।

सियालदह आरपीएफ के वरिष्ठ कमांडेंट मनोज कुमार सिंह के अनुसार, इस समय स्टेशन पर 239 पुराने कैमरे लगे है आने वाले साल में 500 नए एआई आधारित फेस रिकग्निशन कैमरे लगाए जाएंगे। हावड़ा स्टेशन पर भी यही नई तकनीक लागू की जाएगी। यह सिस्टम विशेष रूप से महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को रोकने में उपयोगी साबित होगा। पूर्व रेलवे के आरपीएफ आईजी अमय नंदन सिन्हा ने जानकारी दी कि सियालदह और हावड़ा डिवीजन के अन्य स्टेशनों पर भी इसी तकनीक वाले कैमरे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि झारखंड के जसीडीह स्टेशन पर चल रहे श्रावणी मेले में भारी भीड़ को देखते हुए वहां भी यह तकनीक पहले से सक्रिय हो चुका है। गृह मंत्रालय के अधीन एनडीएसओ डाटाबेस में फिलहाल 20 लाख से अधिक चिह्नित यौन अपराधियों की बायोमेट्रिक जानकारी दर्ज है। यह सिस्टम चेहरे की विशेषताओं को बारीकी से विश्लेषण कर अपराधी की पहचान करने में सक्षम होगा। आरपीएफ और जीआरपी के अनुसार, अब राज्य और कोलकाता के भीतर होने वाले अपराधों में शामिल आरोपितों की तस्वीरें और जानकारी भी इस डाटाबेस में जोड़ी जाएगी। यह कदम स्टेशनों पर महिला यात्रियों को और अधिक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

हावड़ा जाने के बाद लापता हुआ झारखंड का युवक, अब तक नहीं मिला सुराग

हावड़ा : झारखंड के गढ़वा जिले के ग्राम जमुआ निवासी 21 वर्षीय युवक ऋषिकांत कुमार 2 मई 2023 को अपने गांव से काम की तलाश में पश्चिम बंगाल के हावड़ा रवाना हुआ था, लेकिन तब से वह लापता है। विंढमगंज रेलवे स्टेशन से ट्रेन में सवार होकर निकले ऋषिकांत का अब तक कोई अता-पता नहीं चल पाया है, जिससे परिजन और स्थानीय प्रशासन दोनों ही चिंतित हैं।

ऋषिकांत कुमार का हुलिया इस प्रकार है - उम्र लगभग 21 वर्ष, पिता का नाम सुदामा राम, माता का नाम कलावती देवी, निवासी ग्राम जमुआ, थाना नगरउंटारी, जिला गढ़वा, राज्य झारखंड। परिजनों ने कई प्रयासों के बावजूद उसे खोज पाने में

असमर्थता जताई है। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई भी व्यक्ति इस युवक के बारे में कोई भी जानकारी रखता हो या उसे कहीं देखा हो, तो तुरंत पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मोबाइल नंबर 9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मोबाइल नंबर 9431706281 पर संपर्क कर सूचना दें।

बीएसएफ और आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में महिला तस्कर गिरफ्तार, 57 लाख से अधिक का सोना बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया, समाज्ञा : बंगाल के नदिया जिले में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), रानाघाट ने संयुक्त अभियान चलाकर एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 583 ग्राम वजनी पांच सोने के बिस्कुट बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत 57,68,785/- है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीएसएफ को 22 जुलाई को गुप्त सूचना मिली थी कि एक महिला ट्रेन के माध्यम से सोने की तस्करी करने वाली है। इसके बाद बीएसएफ ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रेलवे सुरक्षा बल को सूचना दी। दोपहर लगभग 12:55 बजे रानाघाट रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने महिला को रोका और पूछताछ के लिए अपने

कार्यालय ले गई। तलाशी के दौरान महिला के पास से तस्करी की यह खेप बरामद की गई। पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि सुबह करीब 10:30 बजे उसे एक व्यक्ति का फोन आया था, जिसने 1,000 के बदले सोने की खेप सिमुराली स्टेशन तक पहुंचाने के लिए कहा था। हरीशनगर हाल्ट स्टेशन से ट्रेन में चढ़ने के बाद उसे सोना सौंपा गया था। बीएसएफ दक्षिण बंगाल सीमांत के जनसंपर्क अधिकारी ने इस सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि बीएसएफ के जवान न केवल सीमा पर, बल्कि अपने कार्यक्षेत्र के भीतर भी तस्करी रोकने में पूरी तरह सक्षम हैं। उन्होंने आमजन से अपील

चामराईल में फैक्ट्री के मजदूर क्वार्टर में भीषण आग

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के चामराईल इलाके में स्थित एक ढालाई कारखाने में बुधवार दोपहर अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री के अंदर काम कर रहे मजदूरों के लिए बनाए गए क्वार्टर में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने मजदूरों के रहने वाले हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें उठते ही आसपास के इलाके में दहशत फैल गई और तुरंत दमकल विभाग को सूचित किया गया। सूचना पाकर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि, आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्राथमिक जांच के आधार पर शॉर्ट सर्किट की संभावना बतायी जा रही है। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच कर रहे हैं।

नदिया में बांग्लादेशी घुसपैठिया फर्जी पहचान पत्र के साथ गिरफ्तार, दलाल भी पुलिस की गिरफ्त में

कोलकाता : बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में घुसकर फर्जी पहचान पत्र के सहारे वर्षों से रह रहे एक युवक को नदिया जिले के चापड़ा इलाके से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान रासेल इस्लाम के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश के पंचगढ़ जिले का निवासी है। पुलिस ने इस मामले में एक स्थानीय दलाल अब्दुल सलाम मंडल को भी गिरफ्तार किया है, जिसने न केवल रसल को छिपने में मदद की, बल्कि फर्जी दस्तावेज बनवाने और भारत में रहने की व्यवस्था भी कराई।

जानकारी के अनुसार, रसल इस्लाम चापड़ा सीमा क्षेत्र से भारत में अवैध रूप से घुसा था और दलाल की मदद से सबसे पहले सीमावर्ती इलाके में छिपकर रहा। बाद में उसी दलाल के जरिए उसने भारत का फर्जी आधार और पहचान पत्र बनवाया। इन दस्तावेजों के आधार पर वह राज्य के विभिन्न हिस्सों में रहकर राजमिस्त्री का काम करता रहा। हाल के दिनों में देशभर में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ छापेमारी तेज कर दी गई है, और सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इसी दौरान रसल इस्लाम ने बांग्लादेश लौटने की योजना बनाई थी। इसके लिए उसने फिर से अब्दुल सलाम मंडल की मदद ली, जो नदिया के चापड़ा थाना क्षेत्र स्थित भारत-बांग्लादेश सीमा से लगे

शिकरा गांव का निवासी है।

मंगलवार की देर रात दोनों सीमा पार कर बांग्लादेश लौटने की कोशिश कर रहे थे, तभी चापड़ा थाने की पुलिस को गुप्त सूचना मिली और टीम ने मौके पर छापा मारकर दोनों को धर-दबोचा। पूछताछ में रसल ने अपना गुनाह कबूल कर लिया, जिसके बाद उसे और दलाल को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को बुधवार को कृष्णनगर अदालत में पेश किया गया, जहां मामले की आगे की सुनवाई जारी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि रसल के फर्जी दस्तावेज किसने बनाए और वह किन-किन जगहों पर सक्रिय था।

प्रेमी की प्रताड़ना से तंग आकर छात्रा ने लगाई फांसी, परिवार ने दर्ज कराई शिकायत

कोलकाता, समाज्ञा : सुंदरबन के हिंगलगंज क्षेत्र के पुकुरिया टेंगरापाड़ा में एक युवती ने प्रेम संबंधों में तनाव के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका रिमी मंडल (19) पिछले एक साल से मानस मंडल नाम के युवक के साथ प्रेम संबंध में थी। परिवार का आरोप है कि मानस समय-समय पर फोन कर रिमी को परेशान करता था और उस पर तरह-तरह के दबाव डालता था, जिससे वह मानसिक तनाव में आ गई। रिमी हिंगलगंज कॉलेज की छात्रा थी और उसने प्रेमी की ओर से धोखा मिलने के बाद घर में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। परिवार ने आरोपी मानस के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में हिंगलगंज पुलिस थाने में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दक्षिण कोलकाता में फुटपाथ पर युवक की हत्या का खुलासा, जयनगर से आरोपित गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा

दक्षिण कोलकाता के शरत बोस रोड स्थित फुटपाथ पर एक युवक की पत्थर से कुचलकर हत्या के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस हत्या के आरोप में दक्षिण 24 परगना के जयनगर से आरोपित राजु नस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपित ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। उल्लेखनीय है कि गत मंगलवार की सुबह शरद बोस रोड फुटपाथ पर एक युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। मृतक की पहचान सोमनाथ चक्रवर्ती के रूप में हुई, जो महेशतला का निवासी था और दक्षिण

कोलकाता के आसपास भीख मांगकर या छोटे-मोटे काम करके गुज़ारा करता था। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक के कान पर गहरी चोट थी, दाहिना हाथ टूटा हुआ था और आसपास खून भी फैला हुआ था - जिससे यह संदेह हुआ कि उसकी हत्या पत्थर से की गई है। घटना की गूंज के साथ ही एक बार फिर 'स्टोनमैन' का पुराना डर लौट आया था, पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया और जांच में राजु नस्कर का नाम सामने आया, जो खुद भी फुटपाथ पर भीख मांगता था और किसी बात को लेकर सोमनाथ से उसका विवाद चल रहा था। पुलिस ने जयनगर में छापेमारी कर राजु को उसके घर से बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि सोमनाथ के साथ उसका झगड़ा चल रहा था और उसी रंजिश में उसने गुस्से में आकर यह हत्या की। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या राजु का संबंध पहले पार्क सर्कस में हुई ऐसी ही एक हत्या से भी है, जिसमें स्टोनमैन के तरीके से हमला किया गया था।

भांगड़ में मारे गए तृणमूल नेता की पत्नी को मुख्यमंत्री ने दी सरकारी नौकरी

❑ राज्जाक ख़ान की हत्या के बाद परिवार को मिला सरकारी सहारा

कोलकाता : हाल ही में भांगड़ में तृणमूल कांग्रेस के क्षेत्रीय अध्यक्ष राज्जाक ख़ान की हत्या के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उनकी पत्नी खादिजा बीबी को अपने विशेष कोटे से सरकारी नौकरी देने का निर्णय लिया। सोमवार को विधायक शौकत मोल्ला ने खुद खादिजा बीबी को सरकारी नियुक्ति पत्र सौंपा।

खादिजा बीबी को भांगड़ के नलमुड़ी ब्लॉक स्वास्थ्य केंद्र में ग्रुप-डी पद पर नियुक्त किया गया है। यह फैसला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा उन परिवारों के प्रति समर्थन दिखाने की एक मिसाल है, जिन्होंने राजनीतिक हिंसा में अपनों को खोया है।

गौरतलब है कि राज्जाक ख़ान की हत्या में तृणमूल कांग्रेस के ही कुछ कार्यकर्ता और स्थानीय नेता शामिल थे, जिन्हें घटना के बाद गिरफ्तार भी किया गया। इस हत्या ने पूरे इलाके में राजनीतिक भूचाल ला दिया था।

सरकार द्वारा पीड़ित परिवार को नौकरी देकर उनके पुनर्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है, जिसे स्थानीय जनता ने भी सराहा है।

श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम के भक्तों के लिए विधायक गौतम चौधरी की अनूठी सौगत, तोरण द्वार का उद्घाटन जन्माष्टमी पर

हावड़ा : जल्द ही श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम के भक्तों को एक ऐसी सौगत मिलने जा रही है जो न केवल श्याम भक्तों के लिए अहम है अपितु श्याम भक्तों की चाहत भी रही है और सबसे बड़ी बात यह है कि यह सौगत कोई और नहीं अपितु उत्तर हावड़ा के विधायक गौतम चौधरी स्वयं दे रहे हैं। मंगलवार (22 जुलाई) को श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम सभागार में चार दिवसीय सांवरिया राखी मेला के समापन अवसर पर मेला परिदर्शन के लिए पधारे विधायक गौतम चौधरी ने इस बात की घोषणा करते हुए कहा कि जन्माष्टमी के दिन 16 अगस्त को श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम के तोरण द्वार (प्रवेश द्वार) का उद्घाटन होगा। विधायक महोदय ने कहा कि बाबा

के इस मंदिर के लिए, यहां के भक्तों की हर सुख-सुविधा के मुझसे जो भी संभव हो पायेगा मैं करने का प्रयास करुंगा क्योंकि मैं भी यहां पर एक सेवक के रूप में ही आता हूं। इससे पहले विधायक गौतम चौधरी ने महिलाओं को आगे बढ़ाने और आत्म-निर्भर बनाने के लिए 12 वर्षों से आयोजित इस सांवरिया राखी मेला को नारी सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बताते हुए मंदिर परिवार और इसकी मुख्य संयोजिका ममता भुवालका की भूरि-भूरि प्रशंसा की। परम श्रद्धेय पं. मालीराम शास्त्री प्रख्यात भजन प्रवाहिका करिश्मा चावला और मोटिवेशनल स्पीकर श्री संदीप ने भी समापन से पूर्व मेला परिदर्शन करते हुए स्टॉल होल्डरों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि वर्तमान में महिलाएं न केवल पुरुषों के साथ कदम से कदम मिला कर चल रही हैं अपितु उनसे कहीं आगे बढ़कर दोहरी भूमिका निभा रही हैं। जहां एक और महिलाएं घर-परिवार की जिम्मेदारी का बखूबी निर्वाह कर रही हैं वहीं दूसरी और व्यापार- कारोबार में भी अहम भूमिका निभा रही हैं। ममता भुवालका ने विधायक महोदय सहित सभी अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर कर सम्मान किया।

इस अवसर पर आनंद गुप्ता, पवन गर्ग, राजेश अग्रवाल, मुकेश कानोड़िया, राकेश गर्ग आदि भी उपस्थित थे। विधिश्री भुवालका ने पूरे सांवरिया राखी मेला का सफल संचालन किया और आयोजन में सहभागी सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

दोस्त के घर जाने के दौरान बाइक दुर्घटना में एक युवक की मौत, एक गंभीर

कोलकाता, समाज्ञा : दोस्त के घर जाने के दौरान बाइक दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर है। उत्तर 24 परगना जिले के हरोआ थाना अंतर्गत कुल्टी लॉकगेट इलाके में बागजोला नहर रोड पर यह हादसा हुआ। पता चला है कि बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई और दूसरे सवार को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृतक की पहचान प्रकाश मंडल (19) के रूप में की गई है। जबकि, गंभीर रूप से घायल का नाम स्नेहाशीष चक्रवर्ती है। दोनों भांगड़ थाना अंतर्गत चंडीपुर इलाके के निवासी हैं। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार को वे न्यूटाउन से बाइक पर घुसीघाटा में एक दोस्त के घर जा रहे थे। उस समय, बागजोला नहर रोड पर पहुंचते ही यह दुर्घटना हुई। पलक झपकते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर की तीव्रता के कारण बाइक के परखच्चे उड़ गए। दोनों सवार मौके पर ही गिर पड़े। स्थानीय निवासी और लौगाछी बीट हाउस की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और उन्हें बचाकर मिनाखां ग्रामीण अस्पताल ले गई। वहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने प्रकाश मंडल को मृत घोषित कर दिया। जबकि, स्नेहाशीष चक्रवर्ती की हालत गंभीर होने के कारण उसे कोलकाता रेफर कर दिया गया। स्थानीय प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दुर्घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित दिनचर्या जरूरी

परशुराम संबल

मानव जीवन का सर्वोपरि उद्देश्य धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति है। इन चारों की प्राप्ति का एकमात्रा साधन है हमारा शरीर। शरीर के स्वस्थ रहने पर ही इन उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है। उत्तम स्वास्थ्य के बिना कोई भी भौतिक एवं आध्यात्मिक सुख संभव नहीं हैं। जिस व्यक्ति के पास निरोग शरीर और प्रसन्न मन है, वही स्वस्थ है।

शरीर को स्वस्थ रखना या रोगी बनाना आपके ही बस में है। यदि आपका आहार विहार ऋतु के अनुसार नहीं है तो आप स्वस्थ नहीं रह सकते। आजकल हर आदमी इतनी जल्दी में है कि उसे अपने स्वास्थ्य की कोई सुध ही नहीं है। प्राकृतिक नियमों का पालन करने के बजाय जरा सा कष्ट होने पर भी चिकित्सक की शरण में भागता है या कोई पेटेन्ट टेबलेट खाकर काम चला लेता हैं। शरीर के प्रति हमारा क्या कर्तव्य है, इसकी उसे जरा भी परवाह नहीं है।

यदि आप सदा चुस्त-दुरूस्त और स्वस्थ बने रहने के इच्छुक हैं तो निम्नलिखित बातों का पालन करना शुरू कर दीजिए। थोड़े दिन थोड़ा

सा कष्ट झेलकर आप इन नियमों पर चलेंगे तो कुछ समय बात स्वतः ही इन नियमों में बंध कर इनके आदी हो जाएंगे। लोग आपके स्वास्थ्य में परिवर्तन देखकर स्वयं ही आपके अच्छे स्वास्थ्य और स्फूर्ति की तारीफ करेंगे।

✓ प्रतिदिन प्रातःकाल ब्रह्ममुहूर्त में उठना चाहिए। रात को जल्दी सोकर गहरी नींद लेना और प्रातः काल जल्दी उठने से बुद्धि, स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्राप्ति होती है। सूर्योदय के बाद देर तक सोकर उठने वालों के शरीर में स्फूर्ति नहीं रहती। दिन भर शरीर आलस्य से भरा रहता है जिसका उल्टा असर उनकी कार्यक्षमता पर पड़ता है। कहावत है- कि जल्दी सोना तथा प्रातःकाल जल्दी उठना मनुष्य को स्वस्थ, धनवान तथा बुद्धिवान् बनाता है।

✓ प्रतिदिन नियमित रूप से योगासन व व्यायाम करने से शरीर के सभी अंगों में रक्त संचार ठीक रहता हैं। तथा गहरी नींद आती है। कम से कम दस मिनट तक गहरे श्वास वाले व्यायाम करने से फेफड़ों को स्वस्थ रखने तथा रक्त संचालन में सहायता मिलती है तथा शुद्ध वायु मिलती है।

✓ प्रातःकाल कुछ किलोमीटर तक टहलने का नियम बना लिया जाये तो बहुत ही उत्तम है क्योंकि प्रातःकाल के भ्रमण से पेड़ पौधों से निकलने वाली शुद्ध शीतल मंद वायु प्राप्त होती है जो बड़ी स्वास्थ्यवर्धक होती है।

✓ खाने की चीज़ों को पिएं और पीने की चीजों को खाएं। कहने का तात्पर्य यह है कि भोजन के ग्रास को खूब चबा चबा कर खाना चाहिये तथा पीने वाली चीज़ को घूंट घूंट करके पीना चाहिये। खाना हमेशा अपने नियमित समय पर ही खाना चाहिये। हमेशा भूख से थोड़ा कम खाना चाहिये। भोजन ऐसा होना चाहिये जिसमें सब प्रकार के अवयव जैसे प्रोटीन, वसा, कार्बोज तथा विटामिन्स व खनिज लवण आदि हों। भोजन हल्का, जल्दी हजम होने वाला तथा पौष्टिक होना चाहिये।

✓ ताज़े मौसमी फल, दूध व हरी सब्जियों को अवश्य स्थान दिया जाये क्योंकि अच्छा आहार ही प्राणियों को नया बल एवं देह धारण की शक्ति प्रदान करने वाला है। उत्तम आहार से आयु, तेज़, उत्साह, स्मृति, ओज एवं शरीर अग्नि की वृद्धि होती है। सात्विक भोजन करना चाहिये। बाजारू चीजों को व गरिष्ठ वस्तुओं का त्याग करना चाहिये। भोजन के बाद थोड़ा विश्राम करना चाहिये।

✓ पेट में कब्ज न रहने दें। उषापान, अंकुरित चने का नाश्ता, चोकर समेत रोटी और सलाद कब्ज को दूर करते हैं।

✓ मानसिक तनाव, चिंता, क्रोध, ईर्ष्या से बचना चाहिये और शांत तथा प्रसन्नचित रहने की आदत डालनी चाहिये। हंसना स्वास्थ्य के लिए उत्तम टानिक है अतः हंसने के अवसर को न खोयें। नशीले और विषैले पदार्थों का सेवन हानिकारक है।

✓ प्रातःकाल शीतल जल से स्नान करना चाहिये। इससे नाड़ियां शांत व शक्तिशाली बनी रहती हैं।

✓ अंत में स्वास्थ्य को बनाये रखने के लिए अपनी दिनचर्या को नियमित कीजिये। फर्क स्वयं ही महसूस करेंगे। (स्वा.द.)

बच्चों को जन्मजात हृदय रोग का खतरा

नीलिमा द्विवेदी

बचपन खतरे में हैं। भारत में दुनियां के 60 प्रतिशत दिल के मरीज हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ी को हृदय रोग से बचाना एक बड़ी चुनौती है। यहां हर सौ में से एक बच्चा जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित होता है जिसके कारण 25 हजार बच्चों की पहले वर्ष के दौरान ही बिना उपचार के सालाना मौत हो जाती है।

जन्मजात हृदय की खराबी, विकृति या कमी को जन्मजात हृदय रोग कहा जाता है। इनमें से कुछ बच्चों के दिल में छेद होता है। कुछ के हृदय वाल्व में समस्या होती है। वहीं कुछ के दिल की दोनों आर्टरी के मध्य दीवार नहीं होती है। कुछ बच्चों की धमनियों में समस्या होती है। जिससे इन बच्चों का शरीर नीला हो जाता है। कई बार तो ये विकार इतने छोटे होते हैं कि बच्चा अपने जीवन का बड़ा भाग बिना परेशानी के निकाल लेता है अन्यथा कुछ जन्मजात हृदय रोग इतने गंभीर होते हैं कि बच्चे का जीवन जन्म लेते ही खतरे में पड़ जाता है।

यहां जन्मजात हृदय विकार वाले बच्चों में से 30 हजार बच्चों को अपनी आयु से पहले वर्ष के दौरान ही सर्जरी की आवश्यकता होती है। यह संख्या सालाना होती है जिनमें से मात्रा 5 हजार बच्चों का उपचार हो पाता है जबकि शेष 25 हजार बच्चों को उपचार नहीं मिल पाने के कारण बचाया नहीं जा सकता।

यहां प्रति वर्ष पांच लाख ऐसे बच्चे पैदा होते हैं जो रक्त संचरण की खराबी, स्पाइन व सिर की खराबी, दिल की बीमारी, स्किल सेल डिजीज एवं मेटाबालिक डिस्आर्डर से ग्रस्त होते हैं और जन्म के बाद अपने पैरों पर खड़े नहीं हो पाते अर्थात् विकलांगता का शिकार हो जाते हैं। इनकी बीमारियों का इलाज नहीं हो पाता है। ये वंशानुगत रोग कहलाते हैं। जन्मजात रोगों में न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट, डाउन सिंड्रोम, थैलेसीमिया, हृदय रोग, क्लेप्ट लिप्स एवं प्लेट होते हैं। इनमें जन्मजात हृदय रोग पीड़ित होने वाले बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा होती है।

जन्मजात हृदय रोग के कारण:- हृदय का विकास गर्भस्थ शिशु में गर्भधारण के 22 दिन अर्थात् तीन सप्ताह के बाद होने लगता है। यह पहले पहल एक ट्यूब जैसे आकार का होता है। 22 से 28 दिन में यह नली जैसी ट्यूब दिल जैसा आकार लेने लगती है। हृदय के विकास की इसी अवस्था में उसकी संरचना में कहीं खामी हो जाती है। यही खामी, कमी, विकृति या विकार जन्मजात हृदय रोग कहलाता है।

हृदय चार भागों में बंटा होता है। इसके अंदर चार वाल्व होते हैं जो आपस में जुड़े होते हैं। ये सतत गतिमान रहते हैं। लयबद्ध धड़कते रहते हैं। शरीर से खराब खून को एकत्रा कर साफ कर एवं आक्सीजन मिलाकर ये वापस शरीर को भेजते हैं। जन्मजात हृदयरोग की स्थिति में यही कार्य ठीक से संपन्न नहीं हो पाता है और बच्चे का जीवन जोखिम में पड़ जाता है। हृदय के निर्माण के दौरान ही गर्भ के भीतर यह खराबी आ जाती है। इसका स्पष्ट कारण अब तक अज्ञात है।

- मुख्यतः यह जेनेटिक कारणों से वंशानुगत होता है।
- गर्भावस्था के दौरान माता को रूबेला जर्मन खसरा नाम की बीमारी होने पर यह हो सकता है।
- गर्भवती के द्वारा मदिरापान, धूम्रपान आदि नशे के सेवन से यह हो सकता है।
- गर्भावस्था में खसरा होने या अल्ट्रा साउण्ड करवाने से भी हृदय रोग हो सकता है।
- गर्भकाल के तीसरे महीने कुछ दवाओं के दुष्प्रभाव से भी यह हो सकता है।
- गर्भवती को शुगर, थायराइड होने पर यह हो सकता है।
- गर्भवती का अत्यंत भारी व मोटा होना इसका कारण बन सकता है।

जन्मजात हृदय रोग के लक्षण:- खून का रंग नीला पड़ जाता है। जीभ, नाखून, ओंठ, शरीर आदि नीला दिखता है। लगातार पसली चलती है। जल्दी -जल्दी सांसें भरता है। भूख में कमी रहती है। वजन नहीं बढ़ता है। दूध पीते समय पसीना आता है। हृदय, धड़कन, असामान्य रहती है। बार-बार सांस में संक्रमण होता है। बच्चा थका-थका सा सुस्त रहता है। बेहोश हो जाता है।

जन्मजात हृदय रोग से बचाव:- गर्भवती स्त्री का वजन, मोटापा, शुगर, थायराइड नियंत्रित हो। वह किसी भी तरह के नशे का सेवन नहीं करें। एक्सरे व अल्ट्रासाउण्ड नहीं कराए। गर्भवती समय-समय पर जांच करवाए। रबेला टीका लगवाए। गर्भकाल में कोई भी दवा विशेषज्ञ के कहने पर ही लें। पति-पत्नी गर्भधारण के पूर्व मेडिकल चेकअप जरूर कराएं। सही उम्र में गर्भ धारण कर प्रसवोपरान्त बच्चे की पूर्ण जांच कराएं। (स्वा.द.)

स्मरण शक्ति बढ़ाने के सरल उपाय

सीतेश कुमार द्विवेदी

आज के मशीनी जीवन में स्मरण शक्ति का कमजोर होना एक व्यापक और गंभीर समस्या बनती जा रही है। औसत दृष्टि से अधिकांश लोगों की स्मरण शक्ति लगभग एक जैसी होती है किंतु कुछ मेधावी व्यक्तियों की स्मरण रखने की शक्ति आश्चर्यजनक भी होती है। अतः कहा जा सकता है कि स्मरण शक्ति एक अर्जित गुण है जिसका कम या तेज होना या कर लेना बहुत कुछ हमारे ऊपर निर्भर करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि स्मरण शक्ति का हमारी रूचि से गहरा संबंध है।

स्मरणशक्ति एकाग्रचित होकर पढ़ने से, याद किया हुआ दोहराने से तथा स्वस्थ रहते हुए प्रकृति के नियमों पर चलने से बढ़ती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से स्मरणशक्ति कमजोर होने के कारण शारीरिक और मस्तिष्क की कमजोरी, अति चंचलता, एकाग्रता का अभाव व खान-पान का असंयम माने जाते हैं।

मस्तिष्क की बनावट:- आकृति में मस्तिष्क शरीर का पांचवा भाग है किंतु यह सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। मस्तिष्क के भीतर जाने वाले तथा बाहर आने वाले नाड़ी तंतुओं की संख्या ही लगभग बीस करोड़ है। प्रत्येक शारीरिक व मानसिक स्पंदन का निर्गमन यहां से होता है। मानव भले ही सब कुछ खो बैठे, उसकी सद्बुद्धि सलामत रहनी चाहिए। फिर तो मानव शून्य में सृजन कर सकता है। प्रारंभ में पचीस वर्ष तक हम अधिकांश बातें याद रखते हैं। 25 वर्ष के बाद मात्र काम की बातें याद रखते है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ याददाश्त कमजोर पड़ने लगती है। 40 वर्ष की आयु के पश्चात व्यक्ति में परिपक्वता आ जाती है। अच्छी स्मरण शक्ति के लिए शरीर और मन को निरोग रहना चाहिए।

स्मरण शक्ति की कमी के लक्षण:- पढ़ी, देखी, सुनी बातें याद न रहना, किसी जगह वस्तु रखकर भूल जाना, पढ़कर याद रखने की इच्छा न होना, अरूचि, आलस्य, चिड़चिड़ापन, कमजोरी निराशा का भाव, घबराहट आदि देखने को मिलते हैं।

कैसे याद रखें:- स्मरण शक्ति को प्रखर बनाने के लिए अत्यधिक अध्ययन, चिन्तन व मनन करें। मन में याद रखने योग्य बातों का चित्रा एक बात का संबंध किसी अन्य बात से बना कर रखें। याद की जाने वाली सामग्री को बार-बार दोहराना, लंबी व जटिल सामग्री का संक्षिप्तीकरण, 45 मिनट बाद प्रमुख तत्वों को पुनः दोहराना व चित्त की एकाग्रता से स्मरण शक्ति बढ़ती है।

किसी भी प्रकार का व्यसन, तनाव आदि न रखें। खाली समय आलस्य या गप्पबाजी में न बिताएं। कक्षा में जो पढ़ाया जायेगा, उसे पहले से पढ़कर जाइए। वहां ध्यान से सुनिए, टिप्स बनाइये। घर आकर नोटस तैयार कीजिए। जो याद किए हैं उसे लिखकर भी देखिए। मन को एकाग्र व स्थिर रखने हेतु भ्रामरी व गुंजन प्राणायाम कुछ देर कीजिए।

धीमे संगीत के साथ अपना अध्ययन जारी रखिए। घर के किसी परिजन मित्रा या सहपाठी से प्रश्न करने को कहिये और आप उत्तर दीजिए। एक बार किसी पूरी पुस्तक को देख याद करना कठिन जान पड़ता होगा पर पाठ-पाठ, अध्याय-अध्याय आगे पढ़िये, याद रखते चलिए। पूरी पुस्तक याद कर लेंगे। जब भी समय मिले, पुस्तक के पन्ने पलटकर याद की गई बातों की पुनरावृत्ति कर लीजिए।

क्या खाएं:- मस्तिष्क की आवश्यकता की पूर्ति करता है भोजन ! यह स्मरण शक्ति बढ़ाने में सहायक होता है। सुपाच्य, हल्का, संतुलित, पौष्टिक आहार नियमित समय पर खाएं। पत्तीदार सब्जियां, सलाद, लहसुन, दूध, दही, दाल, पत्तागोभी, फूलगोभी, सौंफ, गुड़ आगरे का पेठा, तिल, पालक खाएं तरबूज, गाजर, चुकंदर, लौकी भी खाएं। फलों में जामुन, स्ट्राबेरी, नारियल, लीची, आम, सेब, संतरा, टमाटर आदि खाएं।

सहायक उपाय:- मानसिक श्रम करने वाले स्मरण शक्ति बनाए रखने हेतु प्रोटीन (दाल-दलहन) अधिक खाएं। भीगे बादाम को पीसकर शहद, नारंगी रस मिलाकर प्रातः पिएं। खरबूजा-तरबूज की मींगी स्मरण शक्ति बढ़ाती है। बड़ के कोमल पत्तों को छाया में सुखाकर चूर्ण बना एक गिलास पानी में उबालें और छानकर मिश्री के साथ पियें। यह स्मरण शक्ति बढ़ाती है। गाजर का सलाद व हलवे से स्मरण शक्ति में वृद्धि होती हैं। चुकंदर मस्तिष्क को सचेत रखता है। अखरोट या बादाम किसी भी रूप में किसी के साथ खाएं। स्मरण शक्ति बढ़ाते हैं।

आंवले का मुरब्बा स्मरणशक्तिवर्धक है। गुलाब का गुलकन्द भी यही काम करता है। प्रातः काल एक या दो सेब खाकर गर्म दूध पीने या 15 मिनट बाद भोजन करने से प्राप्त फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम, प्रोटीन, कार्बोहाइडेऋड आक्साइड याददाश्त बढ़ाते हैं। अंगूर खाने से मस्तिष्क की स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है।

सौफ व मिश्री को अलग-अलग कूट कर समान मात्रा में मिलाकर प्रतिदिन सुबह व शाम खाना खाने के बाद एक एक चम्मच लेने से बुद्धि बढ़ती है। लौकी की सब्जी एवं लौकी का तेल सिर में लगाने से स्मरण शक्ति को बढ़ती है। भीगे उड़द को पीसकर, दूध शक्कर मिलाकर लेने से मस्तिष्क की क्षमता बढ़ती है। धनिया चूर्ण को उबाल कर काढ़ा बनाकर मिश्री के साथ प्रतिदिन एक चम्मच लेने से स्मरण शक्ति बढ़ती है।

क्या न खाएं:- कड़क चाय व नशे से दूर रहें। तम्बाकू, गुटखा भी न खाएं।

सहायक उपाय क्या करें:- प्रतिदिन प्रातः खुली हवा में घूमने जाएं। रूचिकर व्यायाम नियमित करें। बातों व पाठ को एकाग्रता व मनोयोग से याद करें। भरपूर निद्रा लें। खान-पान, व्यायाम-आराम में संयम हो। बीच-बीच में मनोरंजन भी करते रहें। दिन में अधिक न सोएं। देर रात तक न जागें।

सूर्योदय से दो घण्टा पूर्व उठाकर याद करें। तनाव, क्रोध, चिंता से दूर रहे। अपनी स्मरण शक्ति को लेकर परेशान न रहें। समय को अपने अनुसार उपयोग कीजिए। लाभ अवश्य मिलेगा। (स्वा.द.)

नींबू के गुण बहुत हैं, सदा रखिए संग

संजय कुमार विनीत

आपने ज्यादा खाना खा लिया। झटपट ठंडे पानी में नींबू निचोड़कर पी लिया। नींबू की चन्द बूंद रसों के भरोसे अपने प्यारे पेट को छोड़ दिया। पेट में गैस बन रही हो, खट्टे डकार आते हों तो आप गर्म पानी में नींबू की चन्द बूंदें डाल धीरे-धीरे पी लेते हैं।

गर्मियों के मौसम में तो यह और भी उपयोगी साबित होता है। थके मांदे घर लौटे हों, धूप ने आपकी हालत पस्त कर दी हो, कमजोरी महसूस हो रही हो, झटपट नींबू का शर्बत बनाकर पीजिए और आराम पाइए। कभी आपने जानने का प्रयास किया है कि यह छोटा सा नींबू आपके स्वास्थ्य और सौन्दर्य का कितना ख्याल रख सकता है।

स्वास्थ्य लाभ

- ठंडे पानी में नींबू का रस निचोड़ कर पीने से बदहजमी दूर होती है।
- गर्म पानी में नींबू का रस डाल कर फूंक-फूंक कर पीने से पेट की गैस व खट्टे डकार आने बन्द होते है।
- सुबह उठ कर ठंडे पानी में नींबू निचोड़कर पीने से कब्ज की शिकायत दूर होती है और पाखाना साफ होता है।
- गर्मी के दिनों में धूप में घर वापस लौटने पर नींबू पानी थकावट दूर करता है।
- कमजोरी अनुभव होने पर नींबू पानी का सेवन करने से स्फूर्ति प्राप्त होती है।

सौन्दर्य लाभ

- दो चम्मच बेसन में थोड़ी सी हल्दी, कच्चा दूध और एक नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर लगाने से चेहरे की झुर्रियां कम होती हैं और चेहरे की त्वचा का रंग निखरता है।
- दूध की मलाई में नींबू का रस मिला कर चेहरे और अन्य खुले स्थान यथा बांह, पीठ पर लगाकर बीस मिनट छोड़ दें, फिर गुनगने पानी से धो लें। आपका चेहरा व बांह दमक उठेगी।
- सिर शैम्पू या साबुन से धोने के बाद नींबू पानी से धोएं। इससे बालों में चमक आएगी।
- बांह और कोहनी पर पानी के साथ नींबू रगड़ने से वहां की त्वचा साफ और चमकदार हो जाएगी।

प्रकृति के भंडार

सुदर्शन चौधरी

प्रोटीन:- प्रोटीन हमें नॉनवेज, अंडा, फिश, दालें, स्प्राउट्स और सोया आदि से मिलता है।

फैट:- फैट्स हमें अधिकतर तेल घी, मक्खन, पनीर, चीज आदि से मिलते हैं। कुछ फैट्स हैल्दी होते हैं और कुछ अनहैल्दी। हैल्दी फैट्स हमें बादाम, अखरोट, सनफ्लावर बीज, ऑलिव आयल, पिस्ता और चिल-गोजा से मिलते हैं। अनहैल्दी फैट्स वनस्पति, देशी घी, चीज, मक्खन, पनीर और अधिकतर सभी तेलों में होते हैं। बेकरी प्राडक्टस का सेवन कम करना चाहिए क्योंकि इसमें सैचुरेटिड फैट्स हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं

कार्बोहाइड्रेट्स:- कार्बोहाइड्रेट्स शरीर के लिए अति आवश्यक हैं क्योंकि उनसे ऊर्जा बनती है। ये अनाज, चावल, दलिया, कॉर्नफ्लैक्स, ब्रेड, बिस्कुट, मैदा, शुगर, आलू, शकरकंद और चुकंदर से मिलते हैं। किशमिश, मुनक्का से हैल्दी कार्बोहाइड्रेट्स मिलते हैं।

ओमेगा थ्री:- ओमेगा थ्री बादाम, सरसों के तेल, अलसी (फ्लैक्स) मछली, बीस में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है।

विटामिन/मिनरल:- शरीर की तोड़फोड़ और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए विटामिन और मिनरल्स का बहुत बड़ा हाथ है। इसको हम सब्जियां, फल, छिलके वाली चीजें दालें, गेहूं का चोकर, ब्राउन राइस, मेवों से प्राप्त कर सकते हैं।

फाइबर:- पाचन शक्ति ठीक रखने में मदद करता है। पेट आसानी से साफ होता है। फाइबर हमें फल-सब्जियां, दलिया, ब्राउन राइस, चोकर, ओट्स आदि से मिलता है। (स्वा.द.)

सेहत की खबरें

सोनी मल्होत्रा

इन्हें अपनाएं और हृदय रोग की संभावना कम करें

विशेषज्ञों का मानना है कि हृदयाघात से बचाव के लिए सही आहार बहुत आवश्यक है। सही आहार वह है जिसमें वसा की मात्रा कम हो और शरीर को अन्य सब पोषक तत्वों की पूर्ति होती रहे। क्रीमयुक्त दूध की जगह 'स्किम्ड' दूध यानी वसा निकाले हुए दूध का प्रयोग करें। चिकन,मटन का सेवन कम करें। इसकी जगह मछली का प्रयोग करें क्योंकि मछली में पाए जाने वाली वसा असंतृप्त होती है।

नवीनतम शोधों से यह भी पता चला है कि मछली रक्त में कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करती है। तेलों में भी वनस्पति तेल जैसे मूंगफली, सरसों, तिल और सूरजमुखी के तेल का प्रयोग करें जिनमें असंतृप्त वसा पायी जाती है और सबसे जरूरी है फलों व सब्जियों का सेवन जिनसे विटामिन व खनिज पदार्थ भरपूर मात्रा में शरीर को प्राप्त होते हैं।

हरी सब्जियों व फलों का सेवन करता है रोग से सुरक्षा

आज के उपभोक्तावादी युग में व्यक्ति के पास खाना बनाने का समय भी नहीं है इसलिए दिन प्रतिदिन फास्ट फूड और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों का फैशन बढ़ता जा रहा है जो स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक है। सब्जियों व फलों का सेवन कम होता जा रहा है जबकि ये विटामिनों और खनिज लवणों का अच्छा स्रोत हैं और इनमें बहुत से एंटी आक्सीडेंट भी पाए जाते हैं। इनका सेवन कम होने के कारण ही रोग बढ़ते जा रहे हैं।

नवीनतम शोधों से भी पता चला है कि फलों व सब्जियों का अधिक सेवन हृदय रोगों, मधुमेह, मोटापा आदि विभिन्न रोगों की संभावना को कम करता है। शोधों से यह भी पता चला है कि जो व्यक्ति शाकाहारी हैं, वे ज्यादा स्वस्थ रहते हैं इसलिए भोजन में इनका सेवन बहुत आवश्यक है।

अधिक गुस्सा आपको देता है हृदय रोग

हाल ही में लाइफ साइंस जर्नल में प्रकाशित ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार गुस्सा हृदय रोग का एक प्रमुख कारण है। गुस्से का संबंध एक रसायन से है जो हृदय रोग का कारण बनता है।

इस शोध के अनुसार जिन व्यक्तियों को गुस्सा अधिक आता है, उनके रक्त में होमोसिस्टिन नामक रसायन का स्तर अधिक पाया गया और इस रसायन का अधिक होना कोरोनरी हृदय रोग का प्रमुख कारण है। इस शोध में यह भी पाया गया कि स्त्रियों के मुकाबले पुरुषों में यह स्तर अधिक था।

व्यायाम और सही भोजन स्तन कैंसर की संभावना को कम करता है

हाल ही में हुए एक नवीनतम शोध के अनुसार अगर महिलाएं व्यायाम करें और भोजन थोड़ा कम खाएं तो स्तन कैंसर की संभावना को कम कर सकती हैं। स्वस्थ और फिट रहने के लिए अपने भोजन में फल, सब्जियों व रेशे की मात्रा को बढ़ाएं। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित एक शोध के अनुसार अगर महिलाएं अपनी जीवन शैली में परिवर्तन लाएं तो स्तन कैंसर की संभावना कम हो सकती है।

डाइट और एनर्जी का संबंध एस्ट्रोजन और प्रोजेस्ट्रोन की मात्रा से है, जो स्तन कैंसर में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कैलोरी की मात्रा में कमी और शारीरिक श्रम अधिक होने पर प्रोजेस्ट्रोन और एस्ट्रोजन की मात्रा कम होती है जिसके कारण स्तन कैंसर की संभावना कम होती है।

साबुत अनाज का सेवन उम्र बढ़ाता है

नवीनतम शोधों से पता चला है कि जो व्यक्ति साबुत अनाज का अधिक सेवन करते हैं, वे स्वस्थ जीवन जीते हैं और कई रोगों से बचे रहते हें। हाल ही में किए गए एक शोध में 34000 व्यक्तियों की खाने पीने की आदतों का अध्ययन किया गया और पाया गया कि जिन्होंने अधिक साबुत अनाज का सेवन किया, उन्हें साबुत अनाज का सेवन न करने वाले व्यक्तियों की तुलना में हृदय रोग होने की संभावना 21 प्रतिशत कम पायी गयी। मिनीपोलीस में यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसवा के विशेषज्ञ डॉ डेविड जैबस, जिन्होंने यह शोध किया, का मानना है कि साबुत अनाज का सेवन व्यक्ति को कई गंभीर रोगों से बचाता है और व्यक्ति की उम्र को बढ़ाता है।

मेलजोल बढ़ाइये, स्वस्थ शरीर व मन पाइये

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और समाज के बिना रहने वाला व्यक्ति न तो शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकता है और न मानसिक रूप से। हाल ही में किए गए शोधों में यह पाया गया है कि व्यक्ति समाज में रहकर न केवल प्रसन्न रहता है बल्कि स्वस्थ भी रहता है। सबसे मिल जुलकर रहने वाले व्यक्ति स्वस्थ मन और शरीर वाले होते हैं और जो व्यक्ति सामाजिक नहीं होते, वे मानसिक तौर पर चिड़चिड़े और शारीरिक तौर पर बीमार पाए गए, इसलिए मेल जोल बढ़ाइये और स्वस्थ शरीर व मन पाइये।

बढ़ती जा रही हैं जीवन शैली से जुड़ी बीमारियां

विश्व भर में हुए अध्ययनों में इस बात की पुष्टि हो गई है कि शाकाहार, योग एवं ध्यान, सादा जीवन और नियमित व्यायाम जीवन शैली से जुड़ी बीमारियां मधुमेह, हृदय रोगों और कैंसर आदि की संभावना को कम करते हैं। यही नहीं, भारतीय भोजन में डाले जाने वाले कई मसाले बहुत फायदेमंद हैं जैसे हल्दी आदि।

अभी हाल ही में अमरीका में किए गए एक शोध के अनुसार हल्दी का सेवन कोलोन कैंसर की संभावना को कम करता है। योग और ध्यान की महत्ता को तो नकारा नहीं जा सकता। नवीनतम शोधों से पता चला है कि योग और ध्यान व्यक्ति के शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं और कई रोगों के इलाज में प्रभावकारी सिद्ध हुए हैं। भोजन में शाकाहार अर्थात फल सब्जियों में तो ऐसे एंटीआक्सीडेंट पाए जाते हैं जो कई रोगों की संभावना को कम करते हैं। (स्वा.द.)

क्या आपके पेट में गड़बड़ है

मंजु शर्मा

पेट हमारे शरीर का अनिवार्य अंग है। यह हमारे व्यक्तित्व की कुंजी है। बाहर निकला हुआ पेट हमारे शारीरिक स्वास्थ्य का संकेत करता है। अधिकांश लोग अक्सर ही किसी न किसी पेट की बीमारी से ग्रसित रहते हैं।

इनसे छुटकारा पाने के लिये लोग डॉक्टरों की ओर भागकर अपना समय व धन खर्च करते हैं। कुछ शिकायतें बहुत ही आम होती हैं, परन्तु लोग उनसे घबरा कर परेशान होते हैं। आइये, पेट के कुछ साधारण रोगों के विषय में जानकारी प्राप्त कर उनके उपचार हेतु घरेलू उपाय अपनायें।

कब्ज:- अगर मल सख्त और खुश्क है और मल त्याग में कठिनाई हो तो आप को निश्चय ही कब्ज है। इसमें अधिकतर रेशेदार सब्जियां, फल, चोकरयुक्त आटे की रोटी, ईसबगोल की भूसी तथा आलूबुखारे के रस का सेवन करना चाहिये।

- रात को सोते समय एक चम्मच शहद ठंडे जल में पीने से कब्ज ठीक होता है।
- केले का मुलायम खुज्झा कब्ज दूर करने व आंतों को ठीक करने में सहायक होता है।
- नींबू का रस गर्म पानी के साथ रात्रि में लेने से कब्ज दूर हो जाता है।

अल्सर:- भोजन के कुछ घन्टों बाद रात को आमाशय के ऊपरी भाग में जलन और दर्द होने लगता है। तम्बाकू सेवन करने वालों में अल्सर की संख्या अधिक होती है। इस रोग में खाली दूध नहीं पीना चाहिए।

कैफीन का प्रयोग बंद कर दिया जाना चाहिए। खाना तीन बार की अपेक्षा चार से पांच बार थोड़ा-थोड़ा करके खाना चाहिये।

केले का सेवन भी लाभकारी रहता है। केला म्यूकस कोशों की वृद्धि करता है जिससे पेट को रसायनों से बचाने के लिये दीवार सी बन जाती है। जो अल्सर पहले से बनना शुरू हो गया हो, उसका भी इलाज होता है। भारत में प्रचलित है कि कच्चे केले से अल्सर का इलाज होता है।

दस्त:- दस्त आमतौर पर एक या दो दिन में ठीक हो जाते हैं परन्तु यह किसी गंभीर रोग का भी लक्षण हो सकता है।

- रेशे वाले खाद्य पदार्थ दस्त में भी उतना लाभ पहुंचाते हैं जितना कब्ज में।
- एक बूंद नींबू का रस, एक चम्मच पानी, जरा सा नमक और शक्कर मिलाकर पांच बार नित्य पीने से दस्त बंद हो जाते हैं।
- जामुन के रस में सेंधा नमक मिला कर पीना चाहिये।
- इसके बाद भी यदि आपको लाभ न हो अथवा आमाशय में दर्द होता रहे तो आप को डॉक्टर से सलाह अवश्य लेनी चाहिये।

गैस:- यह रोग हम सब को थोड़ा बहुत होता ही रहता है। अगर इस का उपचार न किया जाये तो यह काफी पीड़ादायक हो सकता है।

इसके लिये खाना हमेशा आराम के साथ खाना चाहिये। आराम से चलने से खाना हजम हो जाता है। तली हुई चीजें व कारबोनेटेड पेय पदार्थों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिये। पेट को सेंकने से राहत मिलती है। दस काली मिर्च एक गिलास पानी में उबाल कर पीने से भी लाभ होता है।

पिचका पेट हमारे असंतोष को प्रकट करता है, तथा निकला हुआ पेट हमारे अस्वस्थ शरीर की पहचान है। अतः अपने पेट की उचित देखभाल करिये। (स्वा.द.)

न्यूज इन ब्रीफ

बिहार में एक लाख मतदाताओं के बारे में पता नहीं चल सका: निर्वाचन आयोग

नयी दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कहा कि बिहार में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में लगभग एक लाख मतदाताओं का पता नहीं चल पाया है, जबकि 7.17 करोड़ लोगों के गणना प्रपत्र प्राप्त हुए हैं जिन्हें डिजिटल रूप से दर्ज किया जा चुका है। इसने यह भी कहा कि 20 लाख मतदाताओं की मौत होने की सूचना अब तक मिली है, जबकि 28 लाख अन्य मतदाता अपने वर्तमान पते से स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गए हैं। आयोग ने बताया कि 15 लाख मतदाताओं के गणना प्रपत्र स्थानीय चुनाव अधिकारियों को वापस नहीं किए गए हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के पहले चरण के पूरा होने के बाद एक अगस्त को मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। यदि मसौदा मतदाता सूची में कोई त्रुटि है, तो मतदाता या राजनीतिक दल एक सितंबर तक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों के पास आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

मिजोरम की सबसे बुजुर्ग महिला का 117 साल की उम्र में निधन

आइजोल : मिजोरम की सबसे बुजुर्ग महिला मानी जाने वाली फेमियांग का 117 वर्ष की आयु में निधन हो गया। समुदाय के एक नेता ने बुधवार को यह जानकारी दी। फेमियांग ने मंगलवार को दक्षिण मिजोरम के लॉन्गतलाई जिले में पंगखुआ गांव स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। गांव के नेताओं ने बताया कि अभिलेखों के अनुसार, फेमियांग का जन्म 1908 में हुआ था और उनका विवाह दिवंगत हेइनावना से हुआ था तथा उनके आठ बच्चे थे।

अदालत ने लालू, उनके परिजनों के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला सात अगस्त तक टाला

नयी दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला बुधवार को सात अगस्त तक के लिए टाल दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा, कुछ स्पष्टीकरण की जरूरत है। इस उद्देश्य के लिए सुनवाई सात अगस्त को निर्धारित करें। अदालत ने 29 मई को आरोपों पर बहस पूरी होने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। लालू, राबड़ी और तेजस्वी ने इस मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से उन पर लगाए गए आरोपों को खारिज किया है। इन आरोपों में आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी शामिल है, जिनके लिए अधिकतम सात साल की जेल की सजा का प्रावधान है।

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण की रफ्तार घटी, वित्त वर्ष 2024-25 में औसतन 29 किमी प्रतिदिन: गडकरी

नयी दिल्ली : वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की औसत गति घटकर 29 किलोमीटर प्रतिदिन रह गई। राज्यसभा को यह जानकारी बुधवार को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दी। गडकरी ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि 2023-24 में राजमार्गों का प्रतिदिन औसतन 34 किलोमीटर निर्माण हुआ था, जबकि 2020-21 में राजमार्गों के निर्माण की अब तक की सबसे तेज रफ्तार 37 किलोमीटर प्रतिदिन दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया कि 2024-25 में कुल 10,660 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया, 2023-24 में 12,349 किलोमीटर, और 2022-23 में 10,331 किलोमीटर राजमार्ग बनाए गए। एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर में गडकरी ने कहा कि एक्सेस-कंट्रोल्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर (एचएससी) और एक्सप्रेसवे सहित सभी राजमार्ग विकास परियोजनाएं प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) के सिद्धांतों के अनुसार तैयार की जाती हैं।

ट्रंप ने 25 बार किया युद्ध रुकवाने का दावा और प्रधानमंत्री चुप, दाल में कुछ काला है: राहुल

नयी दिल्ली : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मध्यस्थता संबंधी दावा फिर से किए जाने के बाद बुधवार को कहा कि ट्रंप ने ''ऑपरेशन सिंदूर रुकवाने'' की बात 25 बार की है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोई बयान नहीं दे रहे, जिससे स्पष्ट है कि ''दाल में कुछ काला है।'' राहुल ने यह आरोप भी लगाया कि मोदी सरकार ने विदेश नीति की धज्जियां उड़ा दी हैं और पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के दौरान किसी देश ने भारत का समर्थन नहीं किया। ट्रंप ने मंगलवार को 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''हमने भारत और पाकिस्तान तथा कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा के बीच युद्ध रुकवाए।'' ट्रंप ने भारत एवं पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव का जिक्र करते हुए कहा, ''उन्होंने पांच विमान मार गिराए।... मैंने उन्हें फोन किया और कहा, 'सुनो, अब और व्यापार नहीं। अगर आप ऐसा करेंगे तो इससे आपका कोई भला नहीं होगा।' ... वे दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं और कौन जानता है कि इसका क्या नतीजा होता। मैंने इसे रुकवा दिया।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''पूरी दुनिया जानती है कि ट्रंप ने युद्धविराम करवाया है...हम रक्षा से जुड़ी समस्याओं, रक्षा उद्योग और ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में चर्चा करना चाहते हैं। हालात अच्छे नहीं है, पूरा देश जानता है।'' उन्होंने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''जो अपने आप को देशभक्त कहते हैं, वो भाग खड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री एक बयान नहीं दे पा रहे हैं। ट्रंप ने 25 बार बोला है कि मैंने युद्धविराम करवाया है। ट्रंप कौन होते हैं युद्धविराम कराने वाले। प्रधानमंत्री ने इस पर एक बार भी बयान नहीं दिया है।''

भारत और नेपाल ने सुरक्षा सहयोग की समीक्षा की, सीमा प्रबंधन मजबूत करने पर बनी सहमति

नयी दिल्ली : भारत और नेपाल ने द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग और सीमा प्रबंधन की समीक्षा की है तथा इन्हें और मजबूत करने पर सहमति जताई। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक 22 जुलाई को भारत और नेपाल के गृह सचिव स्तर की बैठक में यह चर्चा हुई। इसके मुताबिक भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने किया जबकि नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वहां के गृह सचिव गोकर्ण मणि दुवादी ने किया। बयान के मुताबिक वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग के साथ-साथ सीमा प्रबंधन के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा की तथा इसे और मजबूत करने पर सहमति जताई। बयान के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच चर्चा में सीमा स्तंभों की मरम्मत और रखरखाव, सीमा पार आपराधिक गतिविधियों, सीमा जिला समन्वय समितियों के कामकाज, सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, विशेष रूप से एकीकृत जांच चौकियों, सड़कों और रेलवे नेटवर्क, विभिन्न सुरक्षा संबंधी संस्थानों के सशक्तीकरण और क्षमता निर्माण, आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों से संबंधित मुद्दे शामिल थे। बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता पर समझौते के मसौदे को अंतिम रूप दिए जाने का स्वागत किया तथा संशोधित प्रत्यर्पण संधि को शीघ्र पूरा करने की दिशा में काम करने पर सहमति व्यक्त की। बैठक के दौरान दोनों पक्ष ने अगली गृह सचिव स्तर की वार्ता नेपाल में आपसी सहमति से तय तिथि पर आयोजित करने पर रजामंदी जताई।

इंडिगो की अहमदाबाद-दीव उड़ान तकनीकी खराबी के कारण रद्द

अहमदाबाद : गुजरात के अहमदाबाद से दीव जाने वाला इंडिगो का एक विमान बुधवार को तकनीकी खराबी के कारण अंतिम समय में उड़ान नहीं भर सका। विमान में 50 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार अहमदाबाद से दीव के लिए उड़ान सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पूर्वाह्न लगभग 11 बजकर 15 मिनट पर रवाना होनी थी। सूत्रों ने बताया कि विमान रवाना होने के चरण में था जब पायलट ने इसे रनवे पर रोकने का निर्णय लिया। इंडिगो ने एक बयान में कहा, ''23 जुलाई को अहमदाबाद से दीव जा रहे इंडिगो के विमान 6ई7966 में उड़ान भरने से ठीक पहले तकनीकी खराबी का संकेत मिला।'' इसमें कहा गया है कि मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए पायलट ने अधिकारियों को सूचित किया और विमान को वापस 'बे' में ले गए। हवाई अड्डे पर 'बे' का मतलब विमान की पार्किंग के लिए एक निर्दिष्ट क्षेत्र होता है। बयान में कहा गया है कि परिचालन पुनः शुरू करने से पहले विमान की आवश्यक जांच और रखरखाव किया जाएगा।

मुंबई बम विस्फोट मामला : सभी 12 आरोपियों को बरी किए जाने पर पीड़ितों ने जताई निराशा

मुंबई : मुंबई की उपनगरीय लोकल ट्रेनों में 2006 में हुए श्रृंखलाबद्ध विस्फोटों के मामले में बंबई उच्च न्यायालय द्वारा सभी 12 आरोपियों को बरी किए जाने के बाद पीड़ितों ने इस फैसले पर गहरा आघात और निराशा जताई है। पीड़ितों का कहना है कि न्याय मिलने की उनकी 19 वर्षों की प्रतीक्षा अब और लंबी हो गई है। पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट और विस्फोट के समय छात्र रहे चिराग चौहान ने कहा, यह बेहद दुखद है। न्याय की हत्या हो गई। अब व्हीलचेयर का सहारा लेने वाले चौहान उस समय 21 वर्ष के थे जब 11 जुलाई 2006 को पश्चिम रेलवे की एक लोकल ट्रेन में खार और सांताक्रूज़ स्टेशनों के बीच हुए बम धमाके में उन्हें रीढ़ की गंभीर चोट लगी थी। चौहान ने कहा कि उन्होंने दोषियों को माफ कर आगे बढ़ने का प्रयास किया। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उस समय नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री होते, तो संभवतः न्याय मिला होता। उन्होंने मई में 'ऑपरेशन सिन्दूर' के ज़रिए भारत की जवाबी कार्रवाई का भी हवाला दिया। बंबई उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में पूरी तरह विफल रहा और विश्वास करना कठिन है कि अभियुक्तों ने अपराध किया। एक अन्य पीड़ित, पश्चिम रेलवे में कार्यरत महेन्द्र पितले (52) ने भी फैसले से असहमति जताई। विस्फोट में अपना बायां हाथ खो बैठे पितले ने कहा, अगर ये आरोपी दोषी नहीं हैं, तो फिर यह भयावह कृत्य किसने किया? सिर्फ पुलिस और न्यायपालिका ही जानते हैं। मुंबई की सात लोकल ट्रेनों में 11 जुलाई 2006 को हुए विस्फोटों में 180 से अधिक लोगों की जान गई थी और सैकड़ों घायल हुए थे। यह देश के सबसे भीषण आतंकी हमलों में से एक था। पालघर जिले के विरार निवासी बागवानी ठेकेदार हरीश पवार (44) ने फैसले को ''चौंकाने वाला'' बताते हुए कहा ''आरोपियों को न्याय मिला, लेकिन उन लोगों को नहीं मिला जिन्होंने अपने परिवारजनों को या अपने अंग गंवाए।'' प्रतिदिन उपनगरीय लोकल ट्रेन से दक्षिण मुंबई स्थित अपने काम पर जाने वाले पवार हमलों के दौरान प्रथम श्रेणी के एक डिब्बे में यात्रा कर रहे थे जब उसमें विस्फोट हुआ।

रेलवे ने 2023-24 में यात्रियों को किराए पर 45 प्रतिशत सब्सिडी दी : सरकार

नयी दिल्ली : सरकार ने बुधवार को संसद में बताया कि भारतीय रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में यात्रियों के किराए पर 45 प्रतिशत सब्सिडी दी है, जो 60,466 करोड़ रुपये है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल में हुई रेल किराया वृद्धि पर कई सांसदों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेलवे 720 करोड़ से ज़्यादा यात्रियों को किफ़ायती परिवहन सेवा प्रदान करता है और इसके किराये दुनिया में सबसे कम हैं, यहां तक कि पड़ोसी देशों की तुलना में भी। वैष्णव ने लोकसभा में विभिन्न प्रश्नों के लिखित उत्तर में बताया, ''वित्त वर्ष 2023-24 में लोगों की यात्रा पर दी गयी कुल सब्सिडी 60,466 करोड़ रुपये (अनंतिम) है। यह किराए पर 45 प्रतिशत सब्सिडी के बराबर है।'' उन्होंने बताया कि पांच साल से अधिक समय के बाद रेल किरायों को इस साल एक जुलाई से ''तर्कसंगत'' बनाया गया है। उन्होंने बताया कि किराये में वृद्धि बहुत कम है, प्रीमियम श्रेणियों के लिए यह आधे पैसे प्रति किलोमीटर से लेकर दो पैसे प्रति किलोमीटर तक है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार पांच वर्ष से कम आयु के करीब 37 फीसदी बच्चे कुपोषण का शिकार

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार के पोषण ट्रैकर के तहत पंजीकृत, पांच वर्ष से कम उम्र के लगभग 37.07 प्रतिशत बच्चे ठिगने पाए गए हैं, जबकि 15.93 प्रतिशत का वजन कम और 5.46 प्रतिशत बच्चे अत्यधिक दुबले पतले पाए गए हैं। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'वेस्टेड' वह स्थिति होती है जब कोई व्यक्ति, विशेष रूप से बच्चा, उसकी लंबाई की तुलना में अत्यधिक दुबला होता है। मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में ठिगने बच्चों की दर सबसे अधिक 48.83 प्रतिशत दर्ज की गई है। इसके बाद झारखंड (43.26 प्रतिशत), बिहार (42.68 प्रतिशत) और मध्यप्रदेश (42.09 प्रतिशत) का स्थान है। ठाकुर ने बताया कि जून 2025 तक छह वर्ष तक की उम्र के करीब 8.61 करोड़ बच्चे पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत हैं, जो पिछले वर्ष के 8.91 करोड़ के मुकाबले थोड़ी गिरावट को दर्शाता है।

समाज और श्रम बाजार पर नई प्रौद्योगिकियों के प्रभाव का आकलन करने की जरूरत: भागवत

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को समाज और श्रम बाजार पर उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रभाव का आकलन करने का आह्वान करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इनका रोजगार के अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। भारतीय मजदूर संघ की स्थापना के 70 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने असंगठित क्षेत्र पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि श्रमिकों को अपने नियोक्ताओं द्वारा किसी भी प्रकार के शोषण का सामना न करना पड़े। इस कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया तथा विभिन्न मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। भागवत ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और इसके उपयोग से जुड़ी चिंताओं का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, ''प्रौद्योगिकी आ रही है... जब नई प्रौद्योगिकियां आती हैं, तो वे साथ में कई नए प्रश्न भी लेकर आती हैं। बेरोजगारी का क्या होगा? क्या इससे बेरोजगारी घटेगी या बढ़ेगी?'' उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी मानव स्वभाव को ''कुछ हद तक कठोर'' बना देती है और ''कहीं न कहीं'' श्रम के प्रति सम्मान को कम कर देती है। संघ प्रमुख ने कहा, ''प्रौद्योगिकी को अस्वीकार नहीं किया जा सकता। नई प्रौद्योगिकी आएगी, लेकिन इसका उपयोग कैसे किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि इसका श्रम क्षेत्र पर प्रभाव न पड़े, इस पर विचार किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''नई प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल से समाज में नई समस्याएं पैदा होने के बजाय, खुशहाली आनी चाहिए।

सरकार ने बड़ी आपदाओं से निपटने के लिए संकट प्रबंधन निकाय का गठन किया

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने बुधवार को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) का गठन किया, जिसका नेतृत्व कैबिनेट सचिव करेंगे, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव डालने वाली किसी भी बड़ी आपदा की स्थिति से निपटा जा सके। गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 (2005 का 53) की धारा 8ए की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, केंद्र सरकार ने एनसीएमसी का गठन किया है। कैबिनेट सचिव इसके अध्यक्ष होंगे, जबकि केंद्रीय गृह सचिव, रक्षा सचिव, सचिव (समन्वय), कैबिनेट सचिवालय और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के विभागाध्यक्ष एवं सदस्य समिति के सदस्य होंगे। अधिसूचना में कहा गया है कि यह समिति किसी बड़ी आपदा से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए सर्वोच्च निकाय होगी, जिसका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़े। एनसीएमसी के अध्यक्ष संकट की प्रकृति के आधार पर केंद्र सरकार या राज्य सरकार या किसी संगठन से किसी विशेषज्ञ या अधिकारी को, किसी संकट की स्थिति, उभरती आपदा की स्थिति या किसी आपदा के दौरान समिति को अपने कार्य करने में सहायता के लिए सहयोजित कर सकते हैं। एनसीएमसी किसी भी संभावित आपदा स्थिति, उभरती आपदा स्थिति या आपदा से निपटने के लिए तैयारियों का मूल्यांकन करेगी तथा जहां आवश्यक हो, ऐसी तैयारियों को बढ़ाने के लिए निर्देश देगी।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी: विजय शाह को मंत्री पद से हटाने के लिए याचिका दायर

नयी दिल्ली : भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह को हटाने का अनुरोध करते हुए उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। कांग्रेस नेता जया ठाकुर द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि विजय शाह के बयान से अलगाववादी भावनाएं भड़कने और देश की एकता को खतरा है। याचिका में कहा गया है, ''मंत्री का यह बयान कि कर्नल सोफिया कुरैशी उस आतंकवादी की बहन हैं जिसने पहलगाम में हमला किया था, यह किसी भी मुस्लिम व्यक्ति पर आरोप लगाकर उसमें अलगाववादी भावनाओं को बढ़ावा देता है, जिससे भारत की संप्रभुता या एकता और अखंडता को खतरा है। यह टिप्पणी सीधे तौर पर भारत के संविधान की अनुसूची तीन के तहत ली गई शपथ का उल्लंघन है।'' शीर्ष अदालत ने 28 मई को विजय शाह की टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में कार्यवाही को बंद करने का आदेश देते हुए कहा कि वह इस मामले पर गौर करेगी।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

नयी दिल्ली : खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को लोकसभा में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी संशोधन विधेयक, 2025 पेश किया। विधेयक में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी अधिनियम, 2022 में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के सुझावों के मुताबिक संशोधन शामिल किए गए हैं। यह अधिनियम मूल रूप से 2022 में पारित किया गया था, लेकिन विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की आपत्तियों के कारण इसके कार्यान्वयन को रोकना पड़ा था। विश्व संस्था ने खेलों में एक राष्ट्रीय डोपिंग रोधी बोर्ड के गठन पर आपत्ति जताई थी जिसे डोपिंग रोधी नियमों के लिए सरकार को सिफारिश देने के अधिकार प्रदान करने का प्रस्ताव था। बोर्ड में एक अध्यक्ष और केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त दो सदस्यों के शामिल होने का प्रस्ताव था और इसे राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) पर निगरानी रखने और इसे निर्देश देने का भी प्रावधान प्रस्तावित किया गया था। वाडा ने इसे एक स्वायत्त निकाय में सरकार का हस्तक्षेप करार देते हुए खारिज कर दिया। संशोधित विधेयक में बोर्ड के प्रावधान को रखा गया है, लेकिन उसे नाडा पर निगरानी रखने या परामर्श देने का अधिकार नहीं होगा। इसमें लाइब्रेरी, एक मल्टीफंक्शनल लैब, क्लासरूम और छात्रावास जैसी सुविधाएं मौजूद हैं।

''मौजूदा वृद्धि दर जारी रही तो 2041 तक असम में मुस्लिम जनसंख्या लगभग हिंदुओं के समान हो जाएगी''

डिब्रूगढ़ : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को दावा किया कि अगर मौजूदा वृद्धि दर जारी रही तो 2041 तक असम में मुस्लिमों की आबादी हिंदुओं के लगभग बराबर हो जायेगी। शर्मा ने यहां मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 34 प्रतिशत मुसलमानों में से 31 प्रतिशत वे हैं जो पहले असम में आकर बस गए थे। जब उनसे पूछा गया कि क्या असम के मूल निवासी कुछ वर्षों बाद अल्पसंख्यक हो जाएंगे, तो उन्होंने कहा, ''यह मेरा विचार नहीं है, यह सिर्फ जनगणना का नतीजा है। आज 2011 की जनगणना के अनुसार, 34 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है।'' शर्मा ने कहा कि राज्य की कुल मुस्लिम आबादी में से तीन प्रतिशत स्वदेशी असमिया मुसलमान हैं। उन्होंने दावा किया, ''तो 31 प्रतिशत ऐसे मुसलमान हैं जो असम में आकर बस गए थे। यदि आप 2021, 2031 और 2041 के लिए अनुमान लगाते हैं, तो आप लगभग 50:50 की स्थिति पर पहुंचेंगे। मैं बस वही कह रहा हूं जो सांख्यिकीय जनगणना रिपोर्ट कहती है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि आंकड़े और पिछली जनगणना के रिकॉर्ड से पता चलता है कि अब से कुछ वर्षों में असम की मुस्लिम आबादी 50 प्रतिशत के करीब हो जाएगी। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, असम की कुल मुस्लिम आबादी 1.07 करोड़ थी, जो राज्य की कुल 3.12 करोड़ आबादी का 34.22 प्रतिशत थी। राज्य में 1.92 करोड़ हिंदू थे, जो कुल आबादी का लगभग 61.47 प्रतिशत था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नियमित रूप से जनसांख्यिकीय परिवर्तन को उजागर करती रही है, जिसमें कहा गया है कि 2011 की जनगणना के अनुसार कम से कम नौ जिले मुस्लिम बहुल हो गये, जबकि 2001 में यह संख्या छह थी और वर्तमान में यह संख्या बढ़कर कम से कम 11 हो गई है, हालांकि 2021 की जनगणना रिपोर्ट अभी तैयार होनी है।

भारत ने विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के गलत शव मिलने संबंधी ब्रिटिश मीडिया की खबर खारिज की

नयी दिल्ली : भारत ने ब्रिटिश मीडिया की उस खबर को बुधवार को खारिज किया जिसमें दावा किया गया है कि ब्रिटेन में शोक संतप्त दो परिवारों को अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले उनके प्रियजनों के गलत शव मिले थे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि सभी शवों को बहुत ही पेशेवर तरीके से उनके परिजनों को सौंपा गया था और उनकी गरिमा का पूरा ध्यान रखा गया था। लंदन जाने वाला एअर इंडिया का एक विमान 12 जून को अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड के भीतर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिससे विमान में सवार 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में से 241 की मौत हो गई थी। इस हादसे में जमीन पर मौजूद 19 अन्य लोग भी मारे गये थे। मारे गये लोगों में 53 ब्रिटिश नागरिक शामिल थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हमने खबर देखी है और जब से ये चिंताएं एवं मुद्दे हमारे संज्ञान में लाए गए हैं, हम ब्रिटेन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस दुर्घटना के बाद संबंधित अधिकारियों ने स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार मृतकों की पहचान की थी।'' जायसवाल 12 जून के एअर इंडिया विमान हादसे के बारे में 'डेली मेल' में छपी एक खबर के संबंध में मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे।

मैं अपने ही घर में उत्पीड़न का शिकार, बहुत देर न हो जाए कृपया मेरी मदद करें : तनुश्री दत्ता

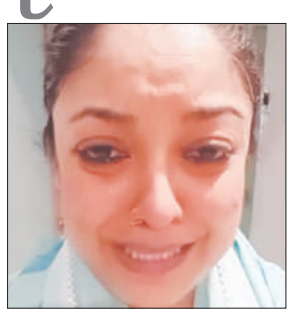

नयी दिल्ली : अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट कर आरोप लगाया है कि उन्हें सात साल से उनके घर में परेशान किया जा रहा है। अभिनेत्री ने इसी के साथ गुहार लगाई कि 'इससे पहले कि बहुत देर हो' उनकी मदद की जाए। तनुश्री ने ही सबसे पहले अभिनेता नाना पाटेकर के खिलाफ शिकायत की थी जिससे सोशल मीडिया पर हैशटैग 'मीटू' आंदोलन की शुरुआत की थी। अभिनेत्री ने मंगलवार रात इंस्टाग्राम पर कई पोस्ट में कहा कि उन्हें इतना परेशान किया गया है कि वह बीमार पड़ गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह उत्पीड़न ''2018 के हैशटैग मीटू' के बाद से चल रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस को फोन करना पड़ा और पुलिस ने उन्हें 'उचित शिकायत' दर्ज करने के लिए कहा है। अभिनेत्री ने रोते हुये एक वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया और कैप्शन लिखा, ''कृपया कोई मेरी मदद करें! इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, कुछ करें।'' परेशान दिख रही अभिनेत्री ने कहा, ''दोस्तों, अपने ही घर में मेरा उत्पीड़न किया जा रहा है। मुझे अपने ही घर में परेशान किया जा रहा है। मैंने अभी पुलिस को फोन किया और उसने मुझे उचित शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस थाना आने को कहा है... मैं शायद कल या परसों जाऊंगी।'' तनुश्री ने कहा कि वह अस्वस्थ हैं और काम करने में असमर्थ हैं, उनका घर बिखरा हुआ है और घरेलू सहायिका नहीं रख सकतीं। अभिनेत्री ने वीडियो संदेश में किसी का नाम लिए बिना कहा, ''मेरा घरेलू सहायिकाओं के साथ बहुत बुरा अनुभव रहा है, जो घर में आती हैं वह चोरी करती हैं, तथा अन्य काम करती हैं। लोग मेरे घर का दरवाजा पीटते हैं। मैं परेशान हो रही हूं, कृपया मेरी मदद करें।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैं इमारत के प्रबंधन से शिकायत करते-करते थक गयी और कुछ साल पहले हार मान ली। अब मैं बस इसी के साथ रहती हूं और अपना ध्यान भटकने से रोकने और मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए हेडफोन से हिंदू मंत्रों को सुनती हूं।'' अभिनेत्री ने 2018 में अभिनेत्री ने पाटेकर और तीन अन्य पर 2008 में उनके साथ उत्पीड़न और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया था।

उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद धनखड़ ने सामान पैक करना शुरू किया

नयी दिल्ली : उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा देकर सभी को आश्चर्यचकित करने वाले जगदीप धनखड़ ने अपना सामान पैक करना शुरू कर दिया है और वह जल्द ही उपराष्ट्रपति एन्क्लेव खाली करेंगे। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। धनखड़ पूर्व उपराष्ट्रपति होने के नाते सरकारी बंगले के हकदार हैं। सूत्रों ने बताया कि धनखड़ दंपति ने मंगलवार को अपना सामान पैक करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही सरकारी आवास को खाली करेंगे। धनखड़ (74) पिछले साल अप्रैल में संसद भवन परिसर के पास चर्च रोड पर नवनिर्मित उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में स्थानांतरित हो गए थे। उपराष्ट्रपति एन्क्लेव का निर्माण सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना के तहत किया गया था। वह लगभग 15 महीने तक उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में रहे। शहरी विकास मंत्रालय के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा, ''उन्हें (धनखड़ को) लुटियंस दिल्ली या किसी अन्य क्षेत्र में टाइप-8 बंगला देने की पेशकश की जाएगी।'' टाइप-8 बंगला आमतौर पर वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों या राष्ट्रीय दलों के अध्यक्षों को आवंटित किया जाता है। धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए सोमवार को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इस बीच, केंद्र सरकार की मीडिया शाखा पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने उन दावों को खारिज कर दिया कि उपराष्ट्रपति के आधिकारिक आवास को सील कर दिया गया है और धनखड़ से इसे खाली करने के लिए कहा गया है। पीआईबी ने 'एक्स' पर एक फैक्ट चेक पोस्ट में कहा, ''सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से दावा किया जा रहा है कि उपराष्ट्रपति के आधिकारिक आवास को सील कर दिया गया है और पूर्व उपराष्ट्रपति से तुरंत अपना आवास खाली करने के लिए कहा गया है। ये दावे फर्जी हैं।''

जायसवाल और सुदर्शन के अर्धशतक, भारत के चार विकेट पर 264 रन

मैनचेस्टर : भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला बुधवार से मैनचेस्टर में खेला जा रहा है। इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर मेहमानों को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। शुरुआती दिन पहली पारी में भारत ने चार विकेट खोकर 264 रन बनाए हैं। स्टंप्स के समय रवींद्र जडेजा 19 और शार्दुल ठाकुर 19 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने भारत को पहली पारी में अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले सत्र में इंग्लैंड के गेंदबाजों पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन दूसरे सत्र में इंग्लैंड ने वापसी की और भारत को पहला झटका दिया। क्रिस वोक्स ने केएल राहुल को जैक क्राउली के हाथों कैच

कराया। वह 98 गेंदों में चार चौके की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आठ साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले लियाम डॉसन ने यशस्वी जायसवाल को हैरी ब्रूक के हाथों कैच कराकर पवेलियन की राह दिखाई। वह 107 गेंदों में 58 रन बनाकर आउट हुए। इस दौरान उन्होंने अपने टेस्ट करियर का 12वां पचासा 96 गेंदों में पूरा किया। दूसरे सत्र में भारत ने तीन विकेट गंवाए। केएल और यशस्वी के अलावा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए कप्तान शुभमन गिल भी आउट हो गए। उन्हें बेन स्टोक्स ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह सिर्फ 12 रन बना पाए। तीसरे सत्र में ऋषभ पंत और साई सुदर्शन ने मोर्चा संभाला। दोनों ने 72 रन जोड़े, लेकिन पंत चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गए।

पंत के पैर में लगी चोट

मैनचेस्टर टेस्ट के शुरुआती दिन पंत गंभीर रूप से चोटिल हो गए। उनके दाहिने पैर में चोट लगी, जिसकी वजह से काफी सूजन है। पंत के पैर से खून भी निकलता दिखा। मैदान से बाहर जाने के लिए उन्हें एंबुलेंस का इस्तेमाल करना पड़ा। वह खड़े भी नहीं हो पा रहे थे। उल्लेखनीय है कि पंत को पिछले टेस्ट मैच में भी चोट लगी थी। उनकी अंगुली में चोट लगी थी, जिसके बाद उनकी जगह ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग करते देखा गया था। अब उनके पैर में भी चोट लग गई है। पंत को रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर जाना पड़ा। उन्होंने 48 गेंदों में 37 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से दो चौके और एक छक्का निकला।

सुदर्शन ने जड़ा करियर का पहला पचासा

पहले दिन जायसवाल के अलावा साई सुदर्शन ने अर्धशतक जड़ा। यह उनके टेस्ट करियर का पहला पचासा है। उन्हें भी स्टोक्स ने ही अपना शिकार बनाया। वह ब्रायडन कार्स के हाथों कैच आउट हुए। सुदर्शन ने इस दौरान 151 गेंदों में सात चौकों की मदद से 61 रन बनाए। फिलहाल क्रीज पर रवींद्र जडेजा 37 गेंदों में 19 और शार्दुल ठाकुर 36 गेंदों में 19 रन बनाकर मौजूद हैं। खराब रोशनी के कारण पहले दिन का खेल जल्दी समाप्त हो गया।

सिंधू ने मियाज़ाकी को हराया, उन्नति और सात्विक-चिराग भी आगे बढ़े

चांग्झू: दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू ने बुधवार को यहां जापान की विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी तोमोका मियाजाकी को हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने 2022 की विश्व जूनियर चैंपियन मियाज़ाकी को 62 मिनट में 21-15, 8-21, 21-17 से हराया। इस साल पांच टूर्नामेंट में पहले दौर में बाहर होने वाली सिंधू ने मैच के बाद कहा, ''यह मेरे लिए बहुप्रतीक्षित जीत थी। पहला राउंड मेरे लिए बहुत

महत्वपूर्ण था। यह तीन गेम का मुकाबला था। तीसरे गेम में भी मेरे लिए शुरुआत से ही बढ़त बनाना महत्वपूर्ण रहा। मेरे लिए यह मैच जीतना महत्वपूर्ण था। इससे निश्चित तौर पर मेरा मनोबल बढ़ेगा।' सिंधू ने शानदार शुरुआत की और लगातार सात अंक लेकर पहले गेम में 13-5 की बढ़त बना ली और फिर आसानी से यह गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में मियाज़ाकी ने शानदार वापसी की और लगातार नौ अंक लेकर 12-8 की बढ़त बना ली। जापान की खिलाड़ी ने यह गेम जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। सिंधू ने तीसरे और निर्णायक गेम में शुरू से अच्छा प्रदर्शन किया और लगातार बढ़त बनाए रखकर 62 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधू का सामना दूसरी बार मियाजाकी से हो रहा था। पिछले साल स्विस ओपन में वह जापानी खिलाड़ी से हार गई थीं। हैदराबाद की इस 30 वर्षीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला भारत की ही एक अन्य खिलाड़ी 17 वर्षीय उन्नति हुड्डा से होगा। उन्नति ने ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम में 36 मिनट तक चले मुकाबले में राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार की पदक विजेता स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर को 21-11, 21-16 से हराया। इस बीच सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व की 15वें नंबर की पुरुष युगल जोड़ी ने जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा को केवल 31 मिनट में 21-13, 21-9 से हराकर दमदार शुरुआत की। एशियाई खेलों की चैंपियन जोड़ी का अगला मुकाबला इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और बागास मौलाना की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से होगा। रुतपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा की महिला युगल जोड़ी हालांकि हांगकांग की नगा टिंग येउंग येउंग और पुई लाम येउंग से 31 मिनट में 12-21, 13-21 से हार गईं।

हरमनप्रीत और क्रांति का शानदार प्रदर्शन, भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड से श्रृंखला जीती

चेस्टर ली स्ट्रीट: कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शतक जमाया जबकि युवा तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने छह विकेट लिए जिससे भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 13 रन से जीत दर्ज करके श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। कप्तान हरमनप्रीत की 84 गेंदों पर 102 रन की शानदार पारी और जेमिमा रोड्रिग्स (50) के अर्धशतक की बदौलत भारतीय महिला टीम ने पांच विकेट पर 318 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। मंगलवार को खेले गए इस मैच में इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने कमाल दिखाया और इंग्लैंड को 49.5 ओवर में 305 रन पर आउट कर दिया। अपना चौथा वनडे खेल रही क्रांति गौड़ ने 52 रन देकर छह विकेट जबकि बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी ने 68 रन देकर दो विकेट लिए। इंग्लैंड की तरफ से कप्तान नेट साइवर ब्रंट ने 98 और एम्मा लैंब ने 68 रन बनाए। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी की। इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम का इंग्लैंड का यादगार दौरा समाप्त हो गया। उसने इससे पहले पांच मैचों की टी20 श्रृंखला भी 3-2 से जीती थी।

भारतीय फुटबॉल टीम के कोच पद के लिए कॉन्स्टेंटाइन और जमील भी दौड़ में

नयी दिल्ली: अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की तकनीकी समिति ने बुधवार को राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच पद के लिए तीन उम्मीदवार अनुभवी एंग्लो-साइप्रस के स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन, स्लोवाकिया के स्टीफन टारकोविक और खालिद जमील को चुना। पूर्व कप्तान आईएम विजयन की अध्यक्षता वाली तकनीकी समिति ने इस पद के लिए दो विदेशी और एक भारतीय को चुना। इस महीने की शुरुआत में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद स्पेन के मनोलो मार्केज और एआईएफएफ के आपसी सहमति से अलग होने के बाद यह पद खाली हुआ था। इस घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने नाम नहीं छापने की शर्त पर 'पीटीआई' को बताया, 'तकनीकी समिति ने तीन आवेदकों पर फैसला किया और उनके नाम एआईएफएफ कार्यकारी समिति को विचार के लिए भेजे। चुने गए उम्मीदवारों की एआईएफएफ कार्यकारी समिति द्वारा समीक्षा की जाएगी जो कोच के बारे में अंतिम फैसला लेगी।'

इंजीनियर और लॉयड के नाम पर स्टैंड, लंकाशर काउंटी क्लब ने सम्मानित किया

मैनचेस्टर: लंकाशर काउंटी क्रिकेट क्लब ने भारत और इंग्लैंड के बीच चौथे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन बुधवार को ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में पूर्व भारतीय विकेटकीपर फारुख इंजीनियर और वेस्टइंडीज के दिग्गज कप्तान क्लाइव लॉयड के नाम पर स्टैंड का नामकरण कर उन्हें सम्मानित किया। इंजीनियर ने 1968 से 1976 तक लंकाशर का प्रतिनिधित्व किया, उन्होंने क्लब के लिए 175 मैच खेले जिनमें 5,942 रन बनाने के साथ 429 कैच लिए और 35 स्टंपिंग की। इंजीनियर का क्लब में शामिल होना 'टर्निंग प्वाइंट' रहा और उनकी मदद से क्लब ने 15 साल का सूखा खत्म करने के बाद 1970 और 1975 के बीच चार बार 'जिलेट कप' जीता। मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में यादगार प्रदर्शन और भारतीय क्रिकेट से गहरे जुड़ाव के बावजूद इंजीनियर के नाम पर वहां कोई स्टैंड नहीं है। दो बार विश्व कप विजेता कप्तान लॉयड 1970 के दशक की शुरुआत में विदेशी खिलाड़ी के रूप में लंकाशर में शामिल हुए थे। लंकाशर के साथ लॉयड का दो दशक लंबा जुड़ाव अहम रहा। यह सम्मान इंजीनियर और लॉयड दोनों के काउंटी के लिए किए गए योगदान की अहमियत दर्शाता है। इंजीनियर (87 वर्ष) ने संन्यास के बाद मैनचेस्टर को अपना घर बना लिया है और यहीं रहते हैं।

मेहता और आडवाणी क्वार्टर फाइनल में, चावला बाहर

मनामा (बहरीन): भारत के दूसरे वरीय आदित्य मेहता ने पाकिस्तान के अहसान रमजान के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए बुधवार को यहां आईबीएसएफ विश्व 6 रेड स्नूकर चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। बेस्ट ऑफ सेवन फ्रेम के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मेहता 2-3 से पिछड़ रहे थे लेकिन उन्होंने अगले दो फ्रेम जीतकर मुकाबला 4-3 से अपने नाम किया। मेहता क्वार्टर फाइनल में हमवतन मनन चंद्रा से भिड़ेंगे जिन्होंने कतर के अहमद सैफ को 4-2 से हराया। गत चैंपियन कमल चावला को हालांकि 3-2 की बढ़त बनाने के बावजूद राउंड ऑफ 32 मुकाबले में हांगकांग चीन के फुंग क्वोक वेई के खिलाफ 3-4 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। राष्ट्रीय चैंपियन पारस गुप्ता और पंकज आडवाणी भी अंतिम आठ में जगह बना चुके हैं।

पाकिस्तान को ध्यान में रखते हुए खेल विधेयक में भारत की भागीदारी पर रोक लगाने का भी प्रावधान

नयी दिल्ली: लोकसभा में बुधवार को पेश किए गए राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के अनुसार, केंद्र सरकार को 'असाधारण परिस्थितियों' में भारतीय टीमों और व्यक्तिगत खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी पर 'उचित रोक लगाने' का अधिकार होगा। खेल विधेयक में ''राष्ट्रीय हित में निर्देश जारी करने और रोक लगाने की शक्ति'' संबंधी धारा भी शामिल की गई है जो भारतीय टीमों और खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी को स्पष्ट करता है। खिलाड़ियों की भागीदारी का मामला अक्सर पाकिस्तान के संबंध में सामने आता है। विधेयक में कहा गया है, 'केंद्र सरकार, असाधारण परिस्थितियों में और राष्ट्रीय हित में, एक आदेश के द्वारा, संबंधित खेल की किसी राष्ट्रीय टीम की अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भागीदारी या राष्ट्रीय खेलों की गतिविधियों में किसी व्यक्ति की भागीदारी पर उचित रोक लगा सकती है।' यह विधेयक संसद के दोनों सदनों में पारित होने और उसके बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद ही अधिनियम बनेगा। किसी भारतीय टीम को किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति देने का प्रश्न अधिकतर तब उठता है जब उसमें पाकिस्तान शामिल हो। विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने को लेकर सरकार की नीति पिछले कुछ वर्षों से बेहद स्पष्ट रही है। अगर कोई ऐसी प्रतियोगिता हो जिसमें कई देश भाग ले रहे हों तो उसमें भागीदारी पर कोई रोक नहीं है लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ द्विपक्षीय आयोजनों का तो 'सवाल ही नहीं उठता।'

वैश्विक यूपीआई-आधारित भुगतान मंच लाने के लिए पेपाल, एनपीसीआई इंटरनेशनल में समझौता

नयी दिल्ली: वैश्विक भुगतान कंपनी पेपाल ने बुधवार को भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के साथ पेपाल वर्ल्ड के मंच पर यूपीआई के एकीकरण के लिए एक समझौते की घोषणा की। इसके तहत सीमापार निर्बाध भुगतान संभव हो सकेगा। यह कंपनी द्वारा शुरू की गई वैश्विक साझेदारियों की उस शृंखला के तहत है जो दुनिया की कई सबसे बड़ी भुगतान प्रणालियों और डिजिटल वॉलेट को एक ही मंच पर जोड़ेगी। इसकी शुरुआत पेपाल और वेनमो के साथ अंतर-परिचालन से होगी। पेपाल ने बयान में कहा कि, दोनों मंचों के वैश्विक स्तर पर संयुक्त रूप से लगभग दो अरब उपयोगकर्ता हैं। इसमें कहा गया है कि इस घोषणा में पेपाल वर्ल्ड के लिए दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया है और बताया गया है कि यह किस प्रकार लोगों के पैसे भेजने, ऑनलाइन, स्टोर में खरीदारी करने तथा सीमा के पार एआई एजेंट के साथ काम करने के तरीके को बदल देगा।

ईडी ने मिंत्रा, निदेशकों के खिलाफ 1,654 करोड़ रुपये का फेमा उल्लंघन का मामला दर्ज किया

नयी दिल्ली: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट समर्थित 'फैशन एवं लाइफस्टाइल' मंच मिंत्रा, संबंधित कंपनियों और निदेशकों के खिलाफ 1,654 करोड़ रुपये से अधिक के एफडीआई 'उल्लंघन' में फेमा के तहत मामला दर्ज किया है। वित्तीय अपराध जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईडी ने बताया कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) की धारा 16(3) के तहत शिकायत दर्ज की गई है। एजेंसी को 'विश्वसनीय जानकारी' मिली थी कि 'मिंत्रा' ब्रांड नाम वाली मिंत्रा डिजायन्स प्राइवेट लिमिटेड और इसकी संबंधित कंपनियां 'थोक कैश एंड कैरी' की आड़ में बहु-ब्रांड खुदरा कारोबार कर रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि यह प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से संबंधित मौजूदा दिशानिर्देशों का कथित उल्लंघन है। बेंगलुरु मुख्यालय वाली

मिंत्रा, उससे जुड़ी कंपनियों और उसके निदेशकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मिंत्रा के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि कंपनी देश के सभी लागू कानूनों को बनाए रखने और अनुपालन और अखंडता के उच्चतम मानकों के साथ काम करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, यद्यपि हमें अधिकारियों से संबंधित शिकायत और सहायक दस्तावेजों की प्रति नहीं मिली है, फिर भी हम किसी भी समय उनके साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। ईडी ने कहा कि मिंत्रा डिजायन्स प्राइवेट लिमिटेड ने घोषणा की थी कि वह 'थोक कैश एंड कैरी' के कारोबार में लगी हुई है और उसने विदेशी निवेशकों से 16,54,35,08,981 रुपये का एफडीआई मांगा और प्राप्त किया। एजेंसी के अनुसार, कंपनी ने अपना अधिकांश माल वेक्टर ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड को बेचा, जो अंतिम ग्राहक को खुदरा रूप में सामान बेचती थी। ईडी ने कहा, वेक्टर ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड और मिंत्रा डिजायन्स प्राइवेट लिमिटेड संबंधित पक्ष हैं और एक ही समूह या कंपनियों के समूह से संबंधित हैं। ईडी के निष्कर्षों के अनुसार, वेक्टर ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड को एक कॉरपोरेट इकाई के रूप में 'बनाया गया और इसका उपयोग जारी रहा' ताकि बी2सी (मिंत्रा डिजायन्स प्राइवेट लिमिटेड से खुदरा ग्राहक) लेनदेन को बी2बी (मिंत्रा डिजायन्स प्राइवेट लिमिटेड से वेक्टर ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड) और फिर बी2सी (वेक्टर ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड से खुदरा ग्राहक) में विभाजित किया जा सके।

न्यूज अपडेट

लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस का आईपीओ 29 जुलाई को खुलेगा, मूल्य दायरा 150-158 रुपये प्रति शेयर

नयी दिल्ली: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस लिमिटेड का 254 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 29 जुलाई को खुलेगा। कंपनी ने बुधवार को इसके लिए मूल्य दायरा 150-158 रुपये प्रति शेयर तय किया। कंपनी ने बताया कि आईपीओ 31 जुलाई को बंद होगा। जयपुर स्थित कंपनी का आईपीओ 1.84 करोड़ इक्विटी शेयरों के नए निर्गम और प्रवर्तकों द्वारा 56.38 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। कुल मिलाकर, मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर आईपीओ का आकार 254.26 करोड़ रुपये आंका गया है।

यूपीआई लेनदेन पर जीएसटी नोटिस भेजे जाने के विरोध में कर्नाटक के व्यापारी समूह

बेंगलुरु: एकीकृत भुगतान मंच यूपीआई के जरिये हुए लेनदेन को आधार बनाकर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की मांग के लगभग 6,000 नोटिस जारी होने पर कर्नाटक के व्यापारियों ने चिंता जताई है। हालांकि एक शीर्ष कर अधिकारी ने इस कदम को कानून के दायरे के भीतर बताया है। व्यापारी संगठनों ने यूपीआई लेनदेन के आधार पर जीएसटी भुगतान की मांग करने वाले नोटिस भेजे जाने पर हड़ताल का आह्वान भी किया है। वाणिज्यिक कर विभाग की संयुक्त आयुक्त मीरा सुरेश पंडित ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि व्यापारियों के भेजे गए नोटिस अंतिम कर मांग नहीं हैं और नोटिस पाने वाले व्यापारियों को सहयोगी दस्तावेज़ों के साथ इनका जवाब देने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि जवाब संतोषजनक पाए जाने पर या जीएसटी अधिनियम के तहत छूट का हकदार होने पर ये नोटिस वापस ले लिए जाएंगे।

शोध सेवाओं से जुड़े लोगों को एक साल के भीतर लेना होगा प्रमाणपत्र, सेबी ने जारी किया एफएक्यू

नयी दिल्ली: पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को कहा कि शोध सेवाओं से जुड़े व्यक्तियों को एक वर्ष के भीतर राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (एनआईएसएम) से प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि यह एक वर्ष का समय इस परिपत्र की तिथि से लागू होगा। परिपत्र के अनुसार, इसके अलावा, संस्थागत निवेशकों को सबसे महत्वपूर्ण नियम और शर्तों (एमआईटीसी) सहित नियमों और शर्तों पर हस्ताक्षर के साथ सहमति देने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, अनुसंधान विश्लेषक (आरए)/अनुसंधान संस्थाएं अब भी इन शर्तों को उनके साथ साझा करेंगी। ये निर्णय शोध विश्लेषक और अनुसंधान संस्थाओं से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर और अनुपालन को आसान बनाने को लेकर लिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, नियामकीय प्रावधानों के साथ शोध विश्लेषकों द्वारा अनुपालन के लिए स्पष्टता और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए, सेबी ने अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) के रूप में स्पष्टीकरण जारी किए हैं।

पीएनबी ने ग्राहकों से केवाईसी सूचना आठ अगस्त तक अद्यतन करने को कहा

नयी दिल्ली: पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने ग्राहकों से खातों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आठ अगस्त तक 'अपने ग्राहक को जानो' (केवाईसी) जानकारी अद्यतन करने को कहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पीएनबी ने यह कदम उठाया है। निर्धारित समय के भीतर केवाईसी विवरण अद्यतन नहीं करने पर खाते पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। पीएनबी ने बयान में कहा कि यह केवल उन ग्राहकों के लिए लागू है जिनके खातों का केवाईसी अद्यतन 30 जून, 2025 तक होना है।

भारत में गूगल प्ले, एंड्रॉयड ने 2024 में अनुमानित चार लाख करोड़ रुपये का राजस्व किया उत्पन्न

नयी दिल्ली: गूगल प्ले और एंड्रॉयड ने 2024 में ऐप पब्लिशर और व्यापक भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अनुमानित चार लाख करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न किया। 'ऐप पब्लिशर' से तात्पर्य ऐप (एप्लिकेशन) बनाने और उन्हें लोगों तक पहुंचाने वाली कंपनियों या लोगों से है। अर्थशास्त्र, नीति और राय अनुसंधान कंसल्टेंसी पब्लिक फर्स्ट की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जो स्मार्टफोन के तेजी से बढ़ते चलन, किफायती डेटा और डेवलपर एवं उद्यमियों के गतिशील परिवेश से अभूतपूर्व गति का अनुभव कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया, '' गूगल प्ले और एंड्रॉयड ने ऐप पब्लिशर और भारत की व्यापक अर्थव्यवस्था के लिए 2024 में चार लाख करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न किया।'' इसमें कहा गया कि ऐप परिवेश गूगल प्ले और एंड्रॉयड ने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर 35 लाख से अधिक नौकरियां उत्पन्न की।

जुझारू व्यापार साझेदारियों से भारत के लिए रणनीतिक अवसर उपलब्धः आरबीआई

मुंबई: बढ़ती अनिश्चितताओं और भू-आर्थिक विखंडन के बीच अधिक जुझारू व्यापार साझेदारियां बनाने से भारत के लिए वैश्विक मूल्य शृंखला के साथ एकीकरण गहरा करने का रणनीतिक अवसर मिलता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक बुलेटिन में यह बात कही है। जुलाई माह के इस बुलेटिन में यह भी कहा गया है कि सीमा शुल्क नीति से जुड़ी अनिश्चितताओं के बावजूद जून-जुलाई के दौरान भारत की आर्थिक गतिविधियां स्थिर बनी रहीं। भारत बृहस्पतिवार को ब्रिटेन के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के लिए पहले ही लंदन रवाना हो चुके हैं।

सेंसेक्स 540 अंक चढ़ा, निफ्टी 25,200 अंक के पार

मुंबई: एशियाई बाजारों में मजबूत रुख के बीच स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 540 अंक चढ़ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 25,200 अंक के पार पहुंच गया। जापान और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के बाद एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच बैंक और पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में भारी लिवाली से बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 539.83 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,726.64 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 599.62 अंक तक चढ़ गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,219.90 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 37 लाभ में जबकि 13 नुकसान

में रहे। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा मोटर्स में सर्वाधिक 2.51 प्रतिशत की तेजी आई। इसके अलावा भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, मारुति, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक कारोबार के दौरान अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। बाद में इन बैंकों के शेयर एक प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। पांच दिन की गिरावट के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज में हुई लिवाली से भी तेजी को समर्थन मिला। आरआईएल के शेयर में 0.83 प्रतिशत की तेजी आई।

वर्ष 10, पूर्णांक 3306 अंक 116, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in